पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(Name of the Department /Centre):
Mahatma Gandhi Fuju Guruji Centre for Social Work

2. **पाठ्यक्रम का नाम :** समाज कार्य में स्नातकोत्तर (MSW)
(Name of the Programme) : Master Of Social Work

3. **पाठ्यक्रम कोड :** MSW
(Code of the Programme)

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
(Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, समाज कार्य के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील एवं सृजनात्मक मूल्यों से युक्त गांधीवादी समाज कार्य अभ्यास के लिए आवश्यक ज्ञान, मूल्य, निपुणताएं और कौशल निर्माण में सहायता करता है। एम. एस. डब्ल्यू. पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार करता है जो लोगों की भलाई एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं। यह कार्यक्रम सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के सामाजिक आत्मनिर्भरता की वृद्धि में सहायक होंगे। यह हमारी अकादमिक और क्षेत्र आधारित दोनों तरह के अनुभवों के साथ विद्यार्थियों को सूक्ष्म, मध्यम और विस्तृत अभ्यास के स्तरों पर नियोजित परिवर्तन प्रक्रिया में संलग्न करने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान को एकीकृत करने की पर बल देता है।	एम. एस. डब्ल्यू. विशेष रूप से, समाज कार्य संबंधी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के लिए विशेष ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करता है। आप अध्ययन के एक विशेष क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जो आपको अपने क्षेत्र में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में सहायता करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निम्न है- • नैतिक और व्यावसायिक व्यवहार का विकास। • मानवाधिकार और सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय न्याय संबंधी समझ का विकास। • अभ्यास, अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल निर्मिती। • सामाजिक योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन संबंधी कौशल निर्मिति। • व्यक्ति, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का निर्माण। • सामाजिक चेतना निर्माण संबंधी कौशल का विकास।	एम. एस. डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के उपरांत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रोजगार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), UNESCO और UNICEF जैसे प्रीमियर अंतरराष्ट्रीय संगठन विकासशील देशों के लिए जागरूकता अभियानों और परियोजनाओं में सामाजिक कार्यकर्ताओं को सतत नियुक्त करते हैं। कुछ प्रतिष्ठित संगठन जो सामाजिक-आर्थिक सहायता के साथ-साथ वंचित, अनाथों, विकलांग लोगों के कल्याण के लिए काम करते हैं, वह भी व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता के लिए कई रोजगार के अवसर निर्मित करते हैं। साथ ही भारत जैसे कल्याणकारी राज्य जो कई कल्याणकारी योजनाओं को निर्मित कर उसका क्रियान्वयन करता है। इन कल्याणकारी योजनाओं के निर्मिति एवं क्रियान्वयन में भारत सरकार द्वारा भी व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता के लिए कई रोजगार के अवसर निर्मित हैं। यह अवसर केंद्र तथा राज्य स्तर पर है।

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)			ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)			योग
प्रथम सेमेस्टर	MSW 01	समाज कार्य का इतिहास, दर्शन एवं विचारधारा	4	MSWE 01 A	समाज कार्य के क्षेत्र	4	22 क्रेडिट
	MSW 02	वैयक्तिक सेवा कार्य	4				
	MSW 03	सामाजिक समूह कार्य	4	MSWE 01 B	सामाजिक समस्याएँ	4	
	MSWP 01	समवर्ती क्षेत्र कार्य	6[1]				
द्वितीय सेमेस्टर	MSW 04	सामुदायिक संगठन	4	MSWE 02 A	समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा	4	22 क्रेडिट
	MSW 05	समाज कार्य अनुसंधान	4				
	MSW 06	मानववृद्धि, विकास एवं व्यवहार की गतिकी	4	MSWE 02 B	सामाजिक नीति एवं नियोजन	4	
	MSWP 02	समवर्ती क्षेत्र कार्य	6[2]				
तृतीय सेमेस्टर	MSW 07 A	विशिष्टता भाग- 01: मानव संसाधन प्रबंधन	4	MSWE 03	**अंतरानुशासनिक** (मानवविज्ञान/जनसंचार/स्त्री अध्ययन/गांधी एवं शांति अध्ययन/मनोविज्ञान/शिक्षा/ समाज शास्त्र/ इतिहास/ राजनीति विज्ञान)	2	24 क्रेडिट
	MSW 07 B	विशिष्टता भाग- 01: स्वास्थ्य देखभाल समाज कार्य अभ्यास	4				
	MSW 07 C	विशिष्टता भाग- 01: सामुदायिक विकास परिचय	4				
	MSW 08 A	विशिष्टता भाग- 02:कार्पोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर)	4				
	MSW 08 B	विशिष्टता भाग- 02: सामुदायिक स्वास्थ्य नीतियां एवं योजनाए	4				
	MSW 08 C	विशिष्टता भाग- 02: जनजातीय सामुदायिक विकास	4				
	MSW 09	सामाजिक क्रिया (Social Action)	2				
	MSW 10	समाज कल्याण प्रशासन (Social Welfare Administration)	4				
	MSWP 03	समवर्ती क्षेत्र कार्य (Concurrent field Work)	6				
	MSW 11	आपदा प्रबंधन (Disaster Management)	2				
चतुर्थ	MSW 12 A	विशिष्टता भाग-03: श्रम	4	MSWE	अंतरानुशासनिक	2	22 क्रेडिट

[1] क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 4 क्रेडिट + मौखिकी 2 क्रेडिट

[2] क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 4 क्रेडिट + मौखिकी 2 क्रेडिट

सेमेस्टर		अर्थशास्त्र और भारतीय श्रम समस्याएं		04	(मानवविज्ञान/जनसंचार/स्त्री अध्ययन/गांधी एवं शांति अध्ययन/मनोविज्ञान/शिक्षा/ समाज शास्त्र/ इतिहास/ राजनीति विज्ञान (कोई एक))		
	MSW 12 B	विशिष्टता भाग-03: मनोचिकित्सकीय समाज कार्य अभ्यास	4				
	MSW 12 C	विशिष्टता भाग-03: ग्रामीण सामुदायिक विकास	4				
	MSW 13 A	विशिष्टता भाग-04 : श्रम विधान और औद्योगिक संबंध	4				
	MSW 13 B	विशिष्टता भाग-04 : मानसिक स्वास्थ्य : नीतियां एवं योजनाए	4				
	MSW 13 C	विशिष्टता भाग-04 : शहरी सामुदायिक विकास	4				
	MSW 14	सतत् एवं स्थाई समाज विकास (Sustainable social development)	2				
	MSWP 04	समवर्ती क्षेत्र कार्य (Concurrent field Work)	2				
	MSWD 01	लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी (Dissertation and Viva)	4				
	MSW 15	सामाजिक विधान और सामाजिक न्याय (Social Legislation and Social Justice)	4				
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**			**26 क्रेडिट**			**90 क्रेडिट**

स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा है।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

प्रथम-छमाही

1. पाठ्यचर्या का नाम: समाज कार्य का इतिहास, दर्शन एवं विचारधारा
Name of the Course : History, Philosophy and Ideology Of Social Work
2. पाठ्यचर्या का कोड : MSW 01
3. क्रेडिट : 4
सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य शिक्षा की प्रकृति, दर्शन, ऐतिहासिक विकास, विचारधारा, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण से परिचित कराता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुधार आंदोलनों और सामाजिक सेवा परंपराओं को स्वीकार करने के साथ-साथ समाज कार्य व्यवसाय के स्वदेशी विचारधारा, गांधीवादी मूल्य, आचार संहिता और लोकनीतियों के प्रति जागरूक होगें। यह विद्यार्थियों को परोपकार, दान, लोक हित और कल्याण की भावना से परिपूर्ण करेगा। इसके अलावा यह सामाजिक बदलाव और परिवर्तन के लिए एक महत्त्वपूर्ण साधन बनेगा। जो राष्ट्र की निर्मिति तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति, सद्भाव, समानतावाद और सौहार्द कायम करने में सहायक होगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) CLOs:

- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीयव्यावसायिक समाज कार्यों की प्रकृति और विकास की समझ विकसित होगी।
- विभिन्न सामाजिक सेवाओं, परंपराओं, सुधार आंदोलनों और कल्याण संबंधित कार्यों के प्रति समझ विकसित होगी।
- विभिन्न व्यवस्थाओं में काम करने वाले व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता द्वारा आवश्यक मूल्य, नैतिकता, ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और तकनीकों के प्रति चेतना निर्मित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 **समाज कार्य व्यवसाय का परिचय**	1. **अवधारणा, सिद्धांत, प्रकृति, लक्ष्य और प्रक्रिया**	2	2	1	22	36.0
	2. **भारत में समाज कार्य एक व्यावसाय**: समाज कार्य अभ्यासकर्ता के लिए मूल्यपरक	3	2	2		

	मान्यताएँ, सक्षमता और आचार संहिता					
	3. **भारत में समाज कार्य व्यवसाय के इतिहास** : स्वैच्छिक कार्य, सामाजिक सेवाओं, सामाजिक सुधार, सामाजिक आंदोलन, सामाजिक कल्याण, सामाजिक विकास और मानव अधिकारों के साथ समाज कार्य संबंध	2	1	1		
	4. **समाज कार्य हस्तक्षेप के तकनीक** : विविध सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था में समस्या-समाधान विकल्पों पर हस्तक्षेप (सूक्ष्म, मध्यम एवं दीर्घ)	3	2	1		
मॉड्यूल-2 **वैश्विक परिदृश्य में समाज कार्य इतिहास**	1. **समाज कार्य का ऐतिहासिक विकास**: यू.के., यू.एस.ए. और भारत में समाज कार्य शिक्षा और व्यवसाय का विकास	2	2	1	16	26.66
	2. **भारत में सामाजिक सुधार :** सामाजिक पुनर्निर्माण की संकल्पना, सामाजिक परिवर्तन के लिए 19 वीं और 20 वीं सदी के सामाजिक सुधारकों का योगदान	3	2	2		
	3. **भारत में समाज कार्य शिक्षा:** वर्तमान मुद्दे, चुनौतियाँ और विकल्प	2	1	1		
मॉड्यूल-3 **व्यावसायिक समाज कार्य**	1. **एक व्यवसाय के रूप में सामाज कार्य**: व्यवसाय की बुनियादी आवश्यकताएं, भारत में व्यवसाय के रूप में समाज कार्य की वर्तमान स्थिति, समाज कार्य अभ्यास के लिए योग्यता एवं आचार संहिता	3	2	2	12	20.0
	2. समाज कार्यकर्ताओं की भूमिका: मध्यस्थी, वकालत, स्थिति प्रबंधन, शिक्षक, संबलदाता, वावस्था निर्माणकर्ता एवं प्रबंधक	3	1	1		
मॉड्यूल-4 **समाज कार्य के विविध आयाम**	1. **समाज कार्य अभ्यास बदलता स्वरूप**: चिकित्सीय दृष्टिकोण, व्यवस्था और पारिस्थितिक दृष्टिकोण एवं अन्य नवीन दृष्टिकोण	2	1	2	10	16.66
	2. **विभिन्न परिवेश में समाज कार्य अभ्यास** : बाल कल्याण, महिला कल्याण, श्रम कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल, वृद्ध कल्याण, युवा कल्याण, दिव्यांग कल्याण	3	1	1		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक सामाज कार्यों की प्रकृति और विकास की समझ निर्मित करना।	विभिन्न सामाजिक सेवा परंपराओं, सुधार आंदोलनों और कल्याण की समझ विकसित करना।	विभिन्न व्यवस्थाओं में काम करने वाले व्यवसायिक सामाज कार्यकर्ता द्वारा आवश्यक मूल्यों, नैतिकता, ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और तकनीकों की चेतना निर्मित करना।	व्यवसायिक समाज कार्य में नवीन दृष्टिकोण की समझ विकसित करना एवं कार्यकर्ता में व्यक्तित्व निमार्ण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**1.** Skidmore, A. A., Thackeray, M. G. & Farley O. W. (1997). *Introduction to social work*. Boston: Allyn & Bacon. 2. Siporin, M. (1975). *Introduction to social work practice*. New York: Macmillan Publishing Inc. 3. Zastrow, C. (1995). *The practice of social work* (5th ed.). California: Brooks/Cole Publishing Company. 4. Dubois, B. & Miley, K. K. (2002). *Social work: An empowering profession*. London: Allyn and Bacon. 5. Miley, K. K., O'Melia, M., & DuBois, B. L. (1998). *Generalist social work practice: An empowering approach*. Boston: Allyn & Bacon. 6. Clark, C. & Asquith, S. (1985). *Social work and social philosophy*. London: Routledge and Kegan Paul.

		7. Payne, M. (2005). *Modern social work theory.* New York: Palgrave/ MacMillan. 8. Dominelli, L. (2004). *Social work: theory and practice for a changing profession.* Cambridge: Polity Press. 9. Woodrofe, K. (1962). *From charity to social work*. London: Routledge and Kegan Paul. 10. Parsons, R. J., Jorgensen, J. D. & Hernandez, S. H. (1994). *The integration of social work practice*. California: Brooke/Cole. 11 Desai, M. (2002). *Ideologies and social work: Historical and contemporary analyse*. Jaipur,: Rawat Publications 14 Sajid S. M., & Jain, R. (2018). *Reflections on social work profession*. New Delhi: Bloomsburry 15. Bhatt, S., & Singh, A. P. (2015). *Social work practice: The changing context*. The Readers Paradise, New Delhi, ISBN: 978-93-82110-43-9 16 Bhatt, S., & Pathare, S. (2014). *Social work education and practice engagement.* ISBN: 9788175417571(HB), 9788175417953(PB), Shipra Publications, New Delhi, 17. Nair, T. K (2015). *Social Work Profession in India: An Uncertain Future*. Niruta Publication
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Pincus, A. &. Minnahan, A. (1973). *Social work practice: Model and method*. Itasca: Peacock. 2 Diwekar, V. D. (ed.) (1991). *Social reform movements in India: A historical perspective*. Bombay: Popular Prakashan. 3. Gore, M. S. (1993). *The social context of ideology: Ambedkar's social and political thought*. New Delhi: Sage Publishing. 4. Compton, B. & Galaway, B. (1984). *Social work processes*. Chicago: The Dorsey Press. 5. Brill, N. I. & Levine, J. (2002). *Working with people: The helping process*. Boston: Allyn and Bacon. 6. Reamer, F. G. (1999). *Social work values and ethics*. New York: Columbia University Press. 7. Timms, N. (1977). *Perspectives in social work*. London: Routledge and Kegan Paul. 8. Bailey, R. & Brake, M. (eds.) (1975). *Radical social work.* London: Edward Arnold (Publishers)Ltd. 9. Johnson, L. C. (1998). *Social work practice: A generalist approach.* Boston: Allyn and Bacon. 10. Trevithick, P. (2000). *Social work skills: A practice handbook*. Philadelphia: Open University Press. 11. Singh, S. & Srivastava, S. P. (2005). *Teaching and Practice of Social Work in India*. Lucknow, New Royal Book Company 12. Mohan, B. (2002). *Social work revisited*. Xillinis: Xillbris Corporation. 13. Bhatt, S., & Pathare, S. (2005). *Social work literature in India.* New Delhi, IGNOU, course material for BA and MA students 14 Bhatt, S., & Phukan, D. (2015). *Social work education in India*. New Delhi, AlterNotes Press 15 Balgopal, P. R., & Bhatt, S. (2013). *Social Work Response to Social Realities*. Lucknow: NRBC. ISBN: 978-93-80685-78-6
3	ई-संसाधन	https://www.ifsw.org/ https://www.iassw-aiets.org/ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_01_02_09_16.Pdf

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य
   (Name of the Course) : Social Case Work

2. **पाठ्यचर्या का कोड: MSW 02**
3. **क्रेडिट:** 4
4. **सेमेस्टर:** प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**28**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**17**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/क्षेत्र कार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	**15**
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण / (Description of Course):

यह पाठ्यचर्या सामाजिक व्यक्ति सेवा कार्य (केसवर्क) के रूप में ज्ञात प्राथमिक समाज कार्य विधियों में से एक के बारे में बोध प्रदान करता है। यह पाठ्यचर्या व्यक्तियों के साथ काम करने के तरीके और व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास एवं उसके सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास को प्रभावित करता है। यह विद्यार्थियों को व्यक्ति के साथ काम करने के लिए जोड़ता है जो कि एक बहुआयामी दृष्टिकोण से समस्याओं और मुद्दों को देखने व समझने की पद्धति के विकास में योगदान देता है। इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य चिकित्सकों को व्यक्ति की विशिष्टता, सामर्थ्य, मुद्दों, उनकी बाधाओं और कठिनाइयों से जोड़ना एवं उनकी समस्या को हल करने के लिए उनकी क्षमताओं और विकल्पों को बढ़ाकर लोगों के साथ काम करने के उद्देश्य से परिष्कृत कौशल का विकास कराना है। **व्यक्ति**, इस विधि का मुख्य केंद्र बिंदु है जिसे एक इकाई के रूप में माना जाता है। कार्यकर्ता इस विश्वास के साथ कार्य करता है कि कोई भी व्यक्ति समाज का एक महत्त्वपूर्ण घटक है और उस व्यक्ति का अस्तित्व समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका निभाने में अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।अतः इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यक्ति एवं व्यक्ति की मनोसामाजिक समस्याओं को समझने में सहायक सिद्ध होगा जिसके साथ ही मानवीय लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____ (Course Learning Outcomes)

- व्यक्तियों के साथ कार्य करने एवं सूक्ष्म स्तर पर हस्तक्षेप करने की समझ विकसित होगी।
- वैयक्तिक सेवा कार्य (केस वर्क) प्रैक्टिस के विभिन्न तरीकों, प्रक्रियाओं और हस्तक्षेपों की समझ एवं कौशल विकसित होंगें।
- विभिन्न परिप्रेक्ष्य (सेटिंग्स/प्रतिवेश) में व्यक्तियों के साथ काम करने का कौशल और तकनीक विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल एवं तकनीकी का विकास होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1 **वैयक्तिक सेवा कार्य का उद्भव एवं विकास**	**1. वैयक्तिक सेवा कार्य का उद्भव एवं विकास:** ऐतिहासिक विकास, व्यैक्तिक सेवा कार्य विधि का अर्थ, प्रकृति, परिभाषा, क्षेत्र, विकास	1	1	1	12	20.0
	2. दार्शनिक धारणाएं एवं मूल वैयक्तिक सेवा कार्य अवधारणाएं: सामाजिक भूमिकाएं और कामकाज, आवश्यकता, समायोजन, अनुकूलन, वातावरण में व्यक्ति, सेवार्थी के रूप में अद्वितीय व्यक्ति	2	1	1		
	3. वर्तमान संदर्भ में वैयक्तिक सेवा कार्य प्रैक्टिस एवं संचार कौशल: सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य की प्रविधियां एवं कुशलताए	2	2	1		
मॉड्यूल-2 **वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत एवं घटक**	**1.**अर्थ, प्रकृति और आवरण के संबंधों के तत्व, रिश्ते में परानुभूति, संक्रमण और काउंटर संक्रमण के मुद्दे, वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास के सिद्धांत	3	2	1	12	20.0
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य के घटक एवं वैयक्तिक सेवा कार्य में सांस्कृतिक संदर्भ का ज्ञान: व्यक्ति, समस्या, स्थान और प्रक्रिया एवं सांस्कृतिक संदर्भ का ज्ञान	3	2	1		
मॉड्यूल-3 **वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास दृष्टिकोण**	**1. वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास के लिए दृष्टिकोण**: नैदानिक, कार्यात्मक और मनोसामाजिक दृष्टिकोण उदार दृष्टिकोण, समस्या को सुलझाने के दृष्टिकोण, शक्ति आधारित,	2	1	2	12	20.0
	2. संकट हस्तक्षेप दृष्टिकोण और व्यवहार संशोधन दृष्टिकोण एवं टास्क केंद्रित कैसवर्क, रेडिकल कैसवर्क	3	2	2		
मॉड्यूल-4 **वैयक्तिक सेवा कार्य की प्रक्रिया, चरण, हस्तक्षेप की तकनीक**	1. विभिन्न परिप्रेक्ष्य में सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य की प्रक्रिया और तकनीक	2		1	12	20.0
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य के चरण: निदान, मूल्यांकन, हस्तक्षेप और अनुवर्तन	1	1	1		
	3. **वैयक्तिक सेवा कार्य हस्तक्षेप की तकनीक :** मनोचिकित्सा में परामर्श एवं गृह भेट भेट	3	1	2		
मॉड्यूल-5-- **वैयक्तिक सेवा कार्यकर्ता के कौशल**	1. **विभिन्न परिप्रेक्ष्य में वैयक्तिक सेवा कार्य :** परिवार, दत्तक एजेंसियां, सुधारात्मक और मानसिक स्वास्थ्य सेटिंग्स (प्रतिवेश), उत्पीड़ित और हाशिए पर समूह.	3	2	1	12	20.0
	2. **वैयक्तिक सेवा कार्यकर्ता के कौशल :** इंटरपर्सनल और इंट्रा पर्सनल स्किल्स, इंटरव्यूइंग स्किल्स, समानुभूति, परामर्श और प्रलेखन, कौशल	3	2	1		

योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य पद्धति की सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य पद्धति को समझना।	व्यक्तियों की विशिष्टता को स्वीकार करना और स्वयं सहायता के कौशल को बढ़ावा देकर सेवार्थी के व्यक्तित्व को मजबूत करने की दिशा में कार्य कौशल विकसित करना।	कार्य प्रक्रिया और हस्तक्षेप में समझ और कौशल विकसित करने के लिए ज्ञान एवं कौशल विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Beistek, F. P. (1957). *The casework relationship*. Chicago: Loyola University Press. 2. Davison, H. E. (1972). *Casework: A psychosocial therapy*. New York: Random House. 3. Fook, J. (1993). *Radical Casework: A Theory of Practice*. Australia: Allen & Unwin. 4. Frankel, A. J. (2011). *Case management: An introduction to concepts and skills* (3rd ed.). New York. USA: Oxford University Press 5. Hamilton, G. (2013). *Theory and practice of social case work*. New Delhi, India: Rawat Publications 6. Hollis, F. (1964). *Casework: A psychosocial therapy*. New York:McGraw Hills 7. Holosko, M. J. (2017). *Social work case management: Case studies from the frontlines*. California, USA: SAGE Publications 8 Hudson, J. (2014). Structural functional theory, social work practice and education. T*he journal of Sociology and Social Welfare*, 5. 2-18. 9. Mathew, G. (1992). *An introduction to social casework*. Bombay: Tata Institute of Social Science 10. Upadhyay, R. K. (2003). *Social casework: A therapeutic approach*. New Delhi, India: Rawat Publications 11 Siddiqui, H. Y . (2015). *Social work & human relations*. New Delhi, India: Rawat Publications 11. पाण्डेय, बा. एवं पाण्डेय ते. (२०१८) सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य, नयी दिल्ली: रावत प्रकाशन, ISBN: 9788131609439.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Pearlman, H. H. (1957). *Social casework: A problem solving process*. Chicago: The University of Chicago Press. 2 Pippins, J. A. (1980). *Developing casework skills*. California: Sage Publications. 3 Reid, W. J. (1978). *The task-centered system.* New York: Columbia University Press. 4 Richmond, M. E. (2010). *What is social case work? An introductory description* (1922). New York, USA: Kessinger Publishing 5 Robert, R.W. & Nee, R. H. (ed.) (1970). *Theories of social casework.* Chicago: The University of Chicago Press 6 Shahid M. & Jha M. (2014). Revisiting client-worker relationship: Biestek through a Gramscian Gaze. *Journal of Progressive Human Services 25*. 18-36. 7 Summers, N. (2011). *Fundamentals of Case Management Practice: Skills for the Human Services (*HSE 210 Human Services Issues) (4th ed.). CA, USA: Brooks Cole 8 Tracy, E. M., & Whittaker, J. K. (1989). *Social Treatment: An Introduction to interpersonal Helping in Social Work Practice.* New York: Aldinede Gruyter University of Chicago Press.
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw106%20all%20paper_12_07_16.Pdf**

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक समूह कार्य
Name of the Course: Social Group Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 03

3. क्रेडिट: 4

4. 4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधितकार्य हेतु अतिरिक्त समवर्ती क्षेत्र घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	13
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण/(Description of Course) :

सामाजिक समूह कार्य समाज कार्य अभ्यास की एक प्रत्यक्ष प्रविधि है, जिसमें समूह कार्य के अनुभव का प्रयोग समूह के व्यक्तित्व विकास करने के लिए किया जाएगा। विभिन्न समूह हितधारकों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने हेतु विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य के सैद्धांतिक पृष्ठभूमि से समृद्ध किया जाएगा ताकि विद्यार्थी सामाजिक समूह कार्य के विभिन्न तकनीक और उपागम का प्रयोग क्षेत्र कार्य अध्ययन में करते हुए सामाजिक समूह कार्य के समस्यओं और समस्याओं के समाधान के विभिन्न विकल्पों को रेखांकित करने में सक्षम हो पाए। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में यह समझ भी विकसित होगी कि सामाजिक समूह कार्य प्रत्यक्ष प्रविधियों के साथ-साथ समूह के साथ कार्य करने की, यह प्रक्रिया है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियो में सकारात्मक पारस्परिक संबंधों को विकसित करना, सामाजिक समूह कार्य के मूल्यों, सिद्धांतों, ज्ञान और तकनीकों को निर्माण करना और संबंधित कौशल का विकास करना हैजो बेहतर सामाजिक संरचना के पुनर्निर्माण में सहायक होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs/(Course Learning Outcomes) :

- समूह की एक गतिशील सामाजिक इकाई एवं हस्तक्षेप के लिए एक संसाधन के रूप में समझ निर्मित होगी।
- विभिन्न अभ्यास सेटिंग्स (प्रतिवेश) में समूह कार्य पद्धति के अनुप्रयोग की व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समूह कार्य अभ्यास के लिए विभिन्न सैद्धांतिक रूपरेखाओं और उनके अनुप्रयोगों की समझ विकसित होगी।
- प्रभावी सामाजिक समूह कार्य अभ्यास के लिए पेशेवर कौशल विकसित होंगे।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक समूहों की समझ**	1. **सामाजिक समूह**: परिभाषाएँ, महत्व और वर्गीकरण, सांस्कृतिक संदर्भ और समूहों में विविधता	2	1	1	8	13.33

	2. समूह व्यवहार और सामाजिक दृष्टिकोण एवं समूह की गतिशीलता और समाजमिति	2	1	1		
मॉड्यूल-2 **सामाजिक समूह कार्य विधि, प्रकार एवं मॉडल**	1. सामाजिक समूह कार्य विधि एवं प्रकार : समूह कार्य: परिभाषा, लक्ष्य, सिद्धांत और कार्यक्षेत्र	3	2	1	16	26.66
	2. समूह कार्य के चरण	2	2	1		
	3. समूह कार्य अभ्यास के लिए मॉडल: उपचारात्मक मॉडल, पारस्परिक या मध्यस्थता मॉडल, विकास मॉडल, एवं सामाजिक लक्ष्य मॉडल	2	2	1		
मॉड्यूल-3 **समूह कार्य प्रक्रिया और तकनीक**	1. गठन, टकराव, मानक निर्मिति एवं प्रदर्शन	2	1	1	16	26.66
	2. समूह नेतृत्व: नेतृत्व के प्रकार, निर्णय लेने की प्रक्रिया	2	1	1		
	3. हस्तक्षेप नियोजन: कार्यक्रम योजना, निगरानी और मूल्यांकन	2	1	1		
	4. हस्तक्षेप तकनीक: समूह चर्चा, समूह परामर्श और रिकॉर्डिंग	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **समूह कार्य सिद्धांत**	1. समूह कार्य के सिद्धांत	2	1	1	12	20.0
	2. समूह चिकित्सा एवं लेनदेन संबंधी विश्लेषण (Transactional Analysis)	3	1			
	3. गेस्टाल्ट थेरेपी एवं सहायता समूह	2	1	1		
मॉड्यूल-5 **समूह कार्यकर्ता की भूमिका**	1. समाज कार्य व्यवहार में समूह कार्य: बच्चों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य लोगों के साथ काम करना एवं कठिन परिस्थितियों में लोगों के साथ काम करना	2	1	1	8	13.33
	2. समूह कार्यकर्ता की भूमिकाएँ और कौशल: सक्रिय होकर सुनना। भावनात्मक बुद्धिमत्ता संगठन, गहन सोच, सहनशीलता, सीमाएँ निर्धारित करना, परानुभूति एवं संचार।	2	1	1		
योग		**30**	**17**	**13**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य

लक्ष्य	1	2	3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक समूह कार्य को व्यवसायिक समाज कार्य के एक प्रविधि के रूप में जानना।	समूह प्रक्रियाओं और समूह कार्य अभ्यास के विभिन्न आयामों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए कौशल निर्मित करना।	विविध व्यवस्थाओं और संरचनाओं में समूहों के साथ कार्य करने के लिए कौशल और दक्षता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Lindsay, T., & Orton, S. (2014). *Group work practice in social work*. Exetor: Sage 2. Crawford, K., Price, M., & Price, B. (2014). *Group work Practice for Social Workers.* London: Sage 3. Trevithick, P. (2016). *Group work: a handbook of effective skills and interventions.* McGraw-Hill Education 4 Sondra, B., & Camille, P. Roman. (2016). *Group work: skills and strategies for effective interventions.* Binghamton, NewYork: Haworth Press 5 Glassman, U. (2009). *Group work: A humanistic and skills building approach*. USA: Sage 6 Toseland, R. W., & Rivas, R. (2008). *An introduction to group work practice*. New York: McMillian. 7 Trecker, H. B. (1972). *Social group work: Principles and practices.* New York: Association Press. 8 Douglas, T. (1978). *Basic group work*. London: Tavistock. 9. Konopka, G. (1963). *Social group work: A helping process*. Englewood Cliffs: Prentice. 10. Reid, K. E. (1997). *Social work practice with groups: A clinical perspective* (Second Edition). Pacific Grove, CA: Cole. 11. Balgopal, P. R., & Vassil, T. V. (1983). *Groups in social work: An ecological perspective.* New York: Macmillan. 12. Brandler, S., & Roman, C. P. (1999). *Group work skills and strategies for effective interventions.* New York: The Haworth Press. 13. Helen, N., & Kurland, R. (2001). *Social work with groups* (3rd ed). New York: Columbia University Press. 14. Phillips, H. U. (1957). *Essential of social group work skills*. New York: Association Press. 15 Wilson, G., & Ryland, G. (1949). *Social group work practice.* Cambridge, MA: Houghton Mifflin 16. Latner, J. (1987). *The gestalt therapy book: A holistic guide to the theory, principles and techniques of gestalt therapy*. USA: The Julian Press 17 Furgeri, L. B. (2016). *The technique of group treatment*: The Collected Papers of Louis R. Ormont: USA, Library of Congress

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Henry, S. (1992). *Group skills in social work* (Second Edition). Pacific Grove, CA: Brooks/Cole. 2. Corey, G. (1997). *Groups: Process and practice*. Pacific Grove. CA: Brooks/Cole Publishing. 3. Hartford, M. E. (1971). *Groups in social work*. New York: Columbia University Press. 4. Alissi, A. S. (ed.) (1980). Perspectives on Group Work Practice. New York: Macmillan. 5. Gladding, S. T. (1999). *Group work: A counselling specialty*. New Jersey: Merrill. 6. Meculloude, M. K., & Ely, P. J. (1965). *Social work with groups*. London: Routledge and Kegan Paul. 7. McDermott, F. (2002). *Inside group work: A guide to reflective practice*. NSW: Allen and Unwin. 8. Wenocur, S. (1993). *Social work with groups: Expanding horizons.* New York: Hawroth Press. 9. Grief, G. L., & Ephross, P. H. (1997). *Group work with populations at risk*. New York: Oxford University Press. 10. Douglas, T. (1972). *Group processes in social work: A theoretical synthesis.* Chicester: Willey. 11. Macgowen, M. J. (2009). *A guide to evidence based group work practice*, OUP 12. Berne, E. (1999). *Transactional analysis in psychotherapy.* New Delhi: Rupa & Company 13 Joel, L. (1986). *The gestalt therapy.* USA: The Gestalt Journal Press Ltd 14 Erich, H. Witt., & James, H. Davis. (2003). *Understanding group behaviour small group processes and interpersonal relations.* New Jersey: Lawrence Erlbaum Associates Publishers 15 Scott, F. S. (1996). *Introduction to group therapy: A practical guide*. USA: Haworth Press
3	ई-संसाधन	1. Trevithick, P. (2012). Group work theory and practice. Available at https://www.researchgate.net/publication/307593723Groupwork_theory_and_practice 2. The Journal for Specialists in Group Work. Available at https://www.tandfonline.com/loi/usgw20 3. Principles for Diversity Competent Group Workers. Available at http://crystalbomeke.tripod.com/group_ethic.htm 4. Association for Specialists in Group Work: Best Practice Guidelines 2007. Available at http://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK64212/ 5. Journal: Social Work with Groups: a journal of community and clinical practice. Availabe at https://www.tandfonline.com/action/showAxaArticles?journalCode=wswg20 6. http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw07_17_10_16.Pdf

1. पाठ्यचर्या का नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य
Name of the Course: Concurrent field Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSWP 01

3. क्रेडिट: 6
4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	4
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	76
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	90

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सामाजिक कार्य शिक्षा में क्षेत्र कार्य सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है जिसका उद्देश्य प्रभावी सामाजिक कार्य अभ्यास के लिए आवश्यक ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल के विषयों में सामाजिक कार्य सीखने वाले में विकसित करना है। क्षेत्र कार्य के घटकों में छात्रों के अध्ययन को बढ़ाने, सामाजिक वास्तविकताओं के विश्लेषण एवं समाज कार्य हस्तक्षेप के विभिन्न तरीकों से विद्यार्थी को अनुभव प्रदान कराना है। क्षेत्र कार्य छात्रों को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में एजेंसियों से परिचित होने के लिए तैयार किया जाता है साथ ही क्षेत्र कार्य के माध्यम से विद्यार्थी हस्तक्षेप की विभिन्न रणनीतियों की अंतर्दृष्टि तथा नवीन कौशल प्राप्त करता है। **एम.एस.डब्ल्यू (MSW)** के लगातार चार सेमेस्टर में अलग-अलग गतिविधियाँ शामिल हैं। इन गतिविधियां में मुख्य रूप से अवलोकनात्मक भ्रमण **(OBSERVATIONAL VISITS)**, समवर्ती क्षेत्र कार्य भ्रमण(**concurrent field work visits),** फील्ड वर्क सेमिनार (**Field Work Seminar**), व्यक्तिगत चर्चा (**Individual conference)**, समुह परिचर्चा (**Group conference)**, कौशल प्रयोगशाला **(Skill Lab),** ब्लॉक प्लेसमेंट (Internship), ग्रामीण/ जनजातीय कैंप (**Tribal/ Rural camp)**, शैक्षणिक भ्रमण(**Study Tour**), शोध परियोजना (Research Project) और मौखिकी (**viva-voce)** शामिल हैं।

नोट: समवर्ती क्षेत्र कार्य में प्रत्येक सेमेस्टर में न्युनतम 90% उपस्थिति अनिवार्य है। क्षेत्र कार्य अभ्यास के अंतर्गत क्रियान्वित की जाने वाली गतिविधियां में 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 90% से कम उपस्थिति एवं गतिविधियां में 50% से कम अंक प्राप्त होने पर विद्यार्थी को अनुर्तीण माना जाएगा।

प्रथम सेमेस्टर

MSWP01	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 4 क्रेडिट + मौखिकी 2 क्रेडिट)	6 क्रेडिट

- **अवलोकनात्मक भ्रमण (OBSERVATIONAL VISITS)**

  अवलोकनात्मक भ्रमण का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक कार्य एजेंसियों और विकास परियोजनाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के प्रकार और सेवार्थी प्रणाली की आवश्यकताओं के प्रति समझ विकसित करना हैं।

- **अवलोकनात्मक भ्रमण की आवश्यकता (Requirements of Observational Visits) :**
  प्रथम सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थियों न्यूनतम 10 संस्थाओ का भ्रमण किया जाना आवश्यक हैं। वे छात्र जो भ्रमण की जाने वाली संस्था में अनुपस्थित रहते हैं, उनके संस्था भ्रमण संबंधी अंकों को काट लिया जाएगा। अवलोकनात्मक भ्रमण यात्राओं के बदले अनुपस्थित छात्र को कोई अन्य असाइनमेंट नहीं दिया जाएगा। अत: समस्त विद्यार्थियों हेतू अवलोकनात्मक संस्था भ्रमण आवश्यक हैं।

- **कौशल प्रयोगशाला (Skill Lab) :**
  अवलोकनात्मक संस्था भ्रमण के अतिरिक्त, विद्यार्थियों हेतू कौशल प्रयोगशाला विभिन्न कौशल से संबंधित अलग से आयोजित की जाएगी। इसमें व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास, स्वयं को समझना, संचार, रिपोर्टिंग, विकासशील नेतृत्व और अन्य संबंधित सामाजिक कार्य कौशल जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

- **समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास** सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **7 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **14 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। एक **सेमेस्टर में 30 दिनों** का समवर्ती क्षेत्र किया जाना आवश्यक है। इस प्रकार **एक** सेमेस्टर में क्षेत्र कार्य अभ्यास **210 घंटे** आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक छात्र जो भी संबंधित संस्था में अभ्यास करेंगे उन्हें उक्त संस्था से एक पर्यवेक्षक (संस्था पर्यवेक्षक) दिया जाएगा साथ ही महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा भी पर्यवेक्षण शिक्षक (क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक) नियुक्त किया जाएगा। संबंधित संस्था एवं केंद्र से प्रदान पर्यवेक्षक द्वारा क्षेत्र कार्य अभ्यास में पर्यवेक्षण किया जाएगा। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **एक वैयक्तिक कार्य** एवं **एक समूह कार्य** का अभ्यास उक्त संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा।
- प्रत्येक छात्र के क्षेत्र कार्य से संबंधित कम से कम **25 मिनट** का साप्ताहिक व्यक्तिगत सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए छात्रों के समूह सम्मेलन का भी संचालन कर सकता है। छात्र की जबावदारी होगी कि वह ऐसे व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के अभिलेख (Record) को बनाए रखे। प्रत्येक सप्ताह में एक दिन संभवतः सोमवार को सप्ताह का क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा एवं सप्ताह में एक दिन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के साथ समूह सम्मेलन करना अनिवार्य होगा (यह दिन विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की सुविधा नुसार तय होगा) साथ ही जरुरत पड़ने पर वैयक्तिक सम्मेलन विद्यार्थी आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से करना अपेक्षित है। दो सप्ताह में कम से कम एक बार मिश्रित सम्मेलन का भी आयोजन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। यह मिश्रित सम्मेलन में क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक, संस्था पर्यवेक्षक एवं विधार्थी उपस्थित होंगे। क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन में जर्नल, व्यक्ति सहाय कार्य फाइल, समूह कार्य फाइल, क्षेत्र कार्य उपस्थिति पंजिका, सम्मेलन उपस्थिति पंजिका एवं संस्था एवं समुदाय प्रोफाइल सम्मिलित होंगे।

- समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर के अंत में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के लिए उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इस तरह की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एक **आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक** द्वारा संचालित की जाएगी। बाह्य परीक्षक की नियुक्ति महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी के निदेशक द्वारा किया जाएगा। जो भी छात्र क्षेत्र कार्य अभ्यास की आंतरिक परीक्षा में **अनुपस्थिति रहेंगे या असफल (Fail) हो जाएगें,** आगामी सेमेस्टर में प्रोन्नति का पात्र नहीं होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों के लिए विद्यार्थियों में जोखिम उठाना और जिम्मेदारी लेने के प्रति विद्यार्थी प्रोत्साहित होंगे।
- एक संरचित कार्यक्रम व्यवस्था में व्यक्तियों और समूहों के साथ कार्य करने के लिए विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास होगा।
- एजेंसियों और संगठनों द्वारा दिए जा रहे जन कल्याण और जन हित सेवाओं की व्यापक जानकारी मिलेगी।

- विद्यार्थियों में नैतिकता और मानवीय मूल्यों के निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं स्तर बढ़ेगा।
- क्षेत्र कार्य अभ्यास एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों के प्रतिवेदन पुनरावलोकन के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	4.44
मॉड्यूल-2	संस्था भ्रमण (कुल 5)			5	5	5.55
मॉड्यूल-3	समवर्ती क्षेत्र कार्य			70	70	77.77
मॉड्यूल-4	वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मलेन			10	10	11.11
मॉड्यूल-5--	मौखिकी			1	1	1.11
योग		**4**		**86**	**90**	**100.00**

***** समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में 2 वैयक्तिक सेवा कार्य और एक सामाजिक समूह कार्य अभ्यास अनिवार्य होगा।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जन हितों और जरूरतों, और जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित सेवाओं की विविधताओं की गहराई से समझना।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने में ज्ञान और दक्षता निर्माण करना।	कार्यों के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर, साथ ही साथ मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण करना।	फील्डवर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं का

				निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

1. पाठ्यचर्या का नाम: समाज कार्य के क्षेत्र
Name of the Course: Fields of Social Work
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSWE 01 A
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: प्रथम
5. पाठ्यचर्या विवरण:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

समाज कार्य व्यवसाय के क्षेत्र का दायरा व्यापक और असीमित है। इसके अंतर्गत विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन और क्षेत्र सम्मिलित है, जो व्यक्ति, समूह, समुदाय, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समस्याओं की पहचान करता है। दूसरी ओर इस व्यावसायिक अनुशासन में वह क्षेत्र सम्मिलित हैं जो व्यक्ति, समूह, समुदाय, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समस्या के समाधान पर निरंतर कार्य करते हैं। इसके साथ-साथ यह सामाजिक क्षेत्र अभ्यास जैसे विभिन्न स्कूलों, अन्य युवा सेवारत संगठनों, अस्पतालों, चिकित्सालयों, नर्सिंग होम, मानसिक स्वास्थ्य एजेंसियों और कई अन्य क्षेत्रों के समस्या-समाधान हस्तक्षेप के सैद्धांतिकी से अवगत कराता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित होगी।
- समाज कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों की विकसित समझ।
- समाज कार्य के नवीन क्षेत्रों से अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1 **परिवार और बाल कल्याण**	1. **परिवार और बाल कल्याण परिचय:** संकल्पना, अर्थ, कार्य क्षेत्र, संस्थाएं और संगठन	2	1	1	9	15.0
	2. **भारत में परिवार और बाल कल्याण के लिए सेवाएं**: योजनाएं, एवं कार्यक्रम	2	2	1		
मॉड्यूल-2 **चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय**	1. **चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय समाज कार्य परिचय:** चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय सेवाओं में अंतर संकल्पना, अर्थ, कार्य क्षेत्र, संस्थाएं और	2	1	1	9	15.0

समाज कार्य	संगठन, योजनाएं					
	2. **भारत में चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय सेवाएं:** योजनाएं, एवं कार्यक्रम, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में कार्यक्रम और सेवाएं, सार्वजनिक स्वास्थ्य। मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य, विभिन्न चिकित्सीय दृष्टिकोण।	2	2	1		
मॉड्यूल-3 **श्रम कल्याण और कार्मिक प्रबंधन**	1. **श्रम कल्याण और कार्मिक प्रबंधन का परिचय:** श्रम कल्याण प्रशासन के क्षेत्र: श्रम कल्याण की अवधारणा, परिभाषा और अर्थ, श्रमिकों के लिए कल्याण का महत्व	2	1	1	9	15.0
	2. **भारत में मजदूरों के लिए प्रमुख कल्याण कार्यक्रम:** योजनाएं एवं कार्यक्रम	2	2	1		
मॉड्यूल-4 **अपराधशास्त्र एवं सुधार क्षेत्र**	1. **अपराधशास्त्र एवं सुधार क्षेत्र का परिचय:** परिभाषा, कारण और अपराध का वर्गीकरण	2	1	1	12	20.0
	2. भारतीय संदर्भ में अपराध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रणनीति	2	1	1		
	3. आपराधिक न्याय प्रणाली का परिचय	2	1	1		
मॉड्यूल-5 **सामुदायिक विकास**	1. सामुदायिक विकास परिचय: संकल्पना, अर्थ, परिभाषा, घटक एवं प्रकार	2	1	1	13	21.66
	2. शहरी, ग्रामीण और जनजातीय समुदाय परिचय: अवधारणा, अर्थ, एवं कार्यक्षेत्र	2	1	1		
	3. सामुदायिक विकास के लिए सरकारी कार्यक्रम : योजनाओं, कार्यक्रमों और सामुदायिक विकास, प्रमुख संस्थानों और संगठनों का परिचय	2	1	2		
मॉड्यूल-6 **समाज कार्य के समकालीन क्षेत्र**	1. स्कूल सामाजिक कार्य, जराचिकित्सा सामाजिक कार्य, जेंडर समानता, आपदा प्रबंधन	2	1	1	8	13.33
	2. पर्यावरण संरक्षण, आत्महत्या रोकथाम, मानव तस्करी, आघात प्रबंधन, युवा कल्याण और विकास	2	1	1		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित करना।	समाज कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों को समझाना।	समाज कार्य के उभरते हुए क्षेत्रों को समझाना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bhattacharya Sanjay: Social Work and Integrated Approaches, New Delhi Deep Publications. • Choudhary D.Paul: Introduction to Social work Encyclopedia of Social work (1987) Encyclopedia of social Work in India, New Delhi,Publication division, Ministry of welfare
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_03_samaj_kary_28_07_16.Pdf**

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक समस्याएँ
Name of the Course: Social Problems

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSWE 01 B
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: **प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	16
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त समवर्ती क्षेत्र घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:

सामाजिक समस्या नामक इस पाठ्यचर्या का सबसे महत्त्वपूर्ण लक्ष्य समाज, उसकी संरचना, विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों के समाजीकरण में उनकी भूमिकाओं के बारे में समाज कार्य के विद्यार्थियों को उन्मुख करना है। मानव समाज न तो कभी सामाजिक समस्याओं से पूर्णतः मुक्त रहा है और न ही रहने की संभावना निकट भविष्य में नजर आती है, परन्तु इतना तो निश्चित है कि आधुनिक समय में बढ़ती संचार क्रान्ति तथा शिक्षा के प्रति लोगों की जागरूकता के फलस्वरूप मनुष्य इन समस्याओं के प्रति संवेदनशील एवं सजग हो गया है। सामाजिक समस्याओं के प्रति लेगों का ध्यान आकर्षित करने में जन संचार के माध्यम, यथा-टेलीविजन, अखबार एवं रेडियो ने अति महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। समाज कार्य के विद्यार्थी को भी विभिन्न सामाजिक समस्याओं और मुद्दों के प्रति संवेदनशील और उन्हें समझने के लिए एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है और इस पाठ्यचर्या के माध्यम से वे इन संवेदनशील मुद्दों को समझ सकने में सक्षम होंगे। वर्तमान समय में भारतीय समाज अनेक सामाजिक समस्याओं से जकड़ा हुआ है जिनके निवारण के लिए राज्य एवं समाज द्वारा मिलकर प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय समाज की प्रमुख समस्याओं में जनसंख्या में बढ़ोतरी, निर्धनता, बेरोजगारी,असमानता, अशिक्षा, गरीबी, आतंकवाद, घुसपैठ, बाल श्रमिक, श्रमिक असंतोष, विद्यार्थी असंतोष, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, जानलेवा बीमारियां, दहेज़, बालविवाह, भ्रूण हत्या, विवाह विच्छेद की समस्या, बाल अपराध , जातिवाद और अस्पृश्यता की समस्या ये सभी सामाजिक समस्याओं के अन्तर्गत आती है। सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए यह आवश्यक है कि इनकी प्रकृति को समझाजाए एवं स्वरूपों की व्याख्या की जाए। भिन्न-भिन्न सामाजिक समस्याओं के मध्य पाए जाने वाले परस्पर संबंधों का विश्लेषण एवं अनुशीलन करने के लिए विद्यार्थियों में व्यावहारिक निराकरण के लिए एक नई सोच विकसित की जा सकती है। इसलिए यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में समकालीन भारतीय सामाजिक समस्याओं पर एक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करेगा। यह उन्हें समतावादी समाज के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त विकल्पों की तलाश करने में भी मदद करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामजिक समस्याओं एवं समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव की समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में सामाजिक विषमताओं और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में सामाजिक समस्याओं के विभिन्न रूपों की समझ विकसित हो सकेगी एवं विभिन्न सामाजिक समस्याओं और समाज पर इसके पड़ने वाले प्रभाव, विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों की समझ विकसित हो सकेगी।
- समाज कार्य के क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक समस्याएं की अवधारणा एवं विधान**	1. सामाजिक समस्याएं: परिचय, परिभाषाएं एवं प्रकृति एवं सामाजिक समस्याओं के कारण, प्रभाव, कारक, प्रचलन	1		1	7	23. 33
	2. संरचनात्मक संस्याएं: जातिवाद, धर्मवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद	1		1		
	3. संविधान एवं अधिनियम	2	1			
मॉड्यूल-2 **लैंगिक समस्याएं एवं विधान**	1. लैंगिक समस्याएं: लैंगिक विभेद, सम्पत्ति अधिकार, घरेलू हिंसा, शिक्षा, कार्य क्षेत्र में यौन उत्पीड़न	1		1	6	20.00
	2. संविधान एवं अधिनियम: संबंधित अनुच्छेद एवं अधिनियम	2	1	1		
मॉड्यूल-3 **ग्रामीण समस्याएं एवं विधान**	1. ग्रामीण समस्याएं: भूमिहीन श्रमिक, कृषक पलायन, कुटीर उद्योग एवं बेरोजगारी	1		1	5	16.66
	2. संविधान एवं अधिनियम: संबंधित अनुच्छेद एवं अधिनियम	2		1		
मॉड्यूल-4 **शहरी समस्याएं एवं विधान**	1. शहरी समस्याएं : मलिन बस्तियाँ, बाल श्रमिक एवं बाल अपराध, वेश्यावृति एवं बेरोजगारी	1		1	6	20.00
	2. संविधान एवं अधिनियम: संबंधित अनुच्छेद एवं अधिनियम	2	1	1		
मॉड्यूल-5- **समसामायिक समस्याएं एवं विधान**	1. वर्तमान समय में उत्पन्न होने वाली समस्याएं: नेतृत्व गुटवाजी, मीडिया संस्कृति, एवं राष्ट्र निमार्ण संहिता	1		1	6	20.00
	2. संविधान एवं अधिनियम: संबंधित अनुच्छेद एवं अधिनियम	2	1	1		
योग		**16**	**4**	**10**	**30**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि

तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव को समझना।	सामाजिक असमानताओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में तार्किक अंतर्दृष्टि का निर्माण करना।	सामाजिक समस्याओं के विभिन्न स्वरूपों को समझना।	समाज में व्यक्ति की भूमिकाओं और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव की समझ विकसित करना।	समाज कार्य क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में समझ विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Haralambos. (2014). *Sociology: Themes and perspectives*. Harper Collins, Eight edition 2. Deshpande, S. (2014). *The problem of caste*. New Delhi: Orient Blackswan. 3. Nagla, B. K. (2013). *Indian sociological thought*: Rawat Publication 4. Sudha, P. (2013). *Dalit assertion*: Oxford India Short Introductions 5. Ritzer, G. (2012). *Sociological theory*: Tata McGraw Hill Education 6. Surinder, S. J. (2012). *Caste*: Oxford India Short Introductions

		7. Tabassum, H. (2011). *Encyclopedia of contemporary social problems in India*: Anmol 8. Richard, T. S. (2010). *Sociology:* Tata McGraw-Hill Higher Education 9. Rao, S. N. S. (2008). *Sociology: Principles of sociology with an introduction to social thoughts*, S Chand (2008) 10. Menon, N., & Nigam, A. (2007). *Power and contestation: India since 1989* 11. Deshpande, S. (2003). *Contemporary India: A sociological*: Penguin India 12. Burce, S. (2000). *Sociology : A very short introduction* : Oxford University Press 13. आहूजा, रा. (२०१६) *सामाजिक समस्याएँ*, नयी दिल्ली: रावत प्रकास्शन, ISBN: 9788131607718, 8131607712 14. शर्मा, जी. एल. (२०१५) *सामाजिक मुद्दे*, नयी दिल्ली: रावत प्रकास्शन, ISBN: 9788131606940, 8131606945
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Adinarayan, S. P. (1964) Social Psychology, New Delhi: Allied Publishers Pvt. Ltd. 2. Ali, A.F. Iman (1992) Social Stratification Among Muslim-Hindu Community, New Delhi : Commonwealth Publishers. 3. Bhatnagar, Ved (1998) Challenges to India's Integrity: Terrorism, Casteism, Communalism, New Delhi: Rawat Publication. 4. Bhusan, Vidya & Sachdeva, D. R. (2000) An Introduction to Sociology, Allahabad :Kitab Mahal. 5. Desai, A. R. (1978, Reprinted 1994) Rural Sociology in India, Bombay: Popular Prakashan. 6. Flippo, Osella and Katy, Gardner (2003) Contraventions to Indian Sociology, Migration Modernity and Social Transformation in South Asia, New Delhi : Sage Publication 7. Gandhi P. Jagadish (1982) Indian Economy – some issues, Institute of Social Sciences and Research, Vellore. 8. Madan, G.R. 2002 (revised edition) Indian Social Problems, Mumbai : Allied Publishers Pvt. Ltd. 9. Mohanty, Manoranjan (2004) Class, Caste, Gender – Readings in Indian Government and Politics, New Delhi : Sage Publication. 10. Puniyani, Ram (2003) Communal Politics : Facts Versus Myths, New Delhi : SagePublication. 11. Shah, Ghanshyam (2001) Dalit Identity and Politics: Cultural Subordination and Dalit Challenge, New Delhi : Sage Publication. 12. Singh, Yogendra : Ideology and Theory in Indian Sociology, New Delhi : Rawat Publication.
3	ई-संसाधन	1. Govind, R. (2018). Ambedkar's lessons, ambedkar's challenges hinduism, hindutva and the Indian nation. *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2018_53/4/SA_LIII_4_270118_Rahul_Govind.pdf 2 Khosla, R. (2018). Changing india's urban and economic landscape. *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2018_53/15/SA_LIII_15_140418_Romi_Khosla.pdf 3 Ghunnar, P. P., & Hakhu, A. B. (2018). The aftermath of farmer suicides in survivor families of Maharashtra. *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2018_53/5/SA_LIII_5_030218_Pravin_Panditrao_Ghunnar.pdf 4 Jakubek, J., & Spencer, D. W. (2018). Emancipatory empiricism: The rural sociology of W.E.B. *Du Bois Sociology of Race and Ethnicity, Vol. 4*(1) 14–34

		5 Yadav, M. (2016). Mobility through sanskritisation an apparent phenomenon? *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2016_51/24/Mobility_through_Sanskritisation_0.pdf 6. Kumbhar, S. (2016). Everyday dalit experiences of living and the denials: *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2016_51/35/Everyday_Dalit_Experiences_of_Living_and_the_Denials_0.pdf 7 Deshpande, S. (2013). Caste and castelessness towards a biography of the 'general category: *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2013_48/15/Caste_and_Castelessness.pdf 8 Deshpande, S. (2006). Exclusive inequalities merit, caste and discrimination in Indian higher education today: *Economic and Political Weekly* 9 Gavaskar, M. (2002). Caste identity in changing India: *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2002_37/23/Caste_Identity_in_Changing_India.pdf 10 Jodhka, S. S. (2002). Caste and untouchability in rural punjab: *Economic and Political Weekly* http://www.epw.in/system/files/pdf/2002_37/19/Caste_and_Untouchability_in_Rural_Punjab.pdf 11 Heredia, R. C. (2000). Subaltern alternatives on caste, class and ethnicity: Contribution to Indian Sociology (n.s). *SAGE Publications, New Delhi. 4,* 1, http://journals.sagepub.com/doi/pdf/10.1177/006996670003400102 12 Rege, S. (1995). Feminist pedagogy and sociology for emancipation in India: *Sociological Bulletian, 44*(2) http://www.unipune.ac.in/snc/cssh/HistorySociology/A%20DOCUMENTS%20ON%20HISTORY%20OF%20SOCIOLOGY%20IN%20INDIA/A 20India/A%201%2018.pdf 13. http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_05_bharatiy_samajik_28_07_16.Pdf

द्वितीय-छमाही

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामुदायिक संगठन
Name of the Course: **Community Organization**

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: द्वितीय
5. पाठ्यचर्या विवरण:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

यह पाठ्यचर्या समाज कार्य की प्राथमिक विधियों में से एक महत्त्वपूर्ण विधि है जिसके अंतर्गत सामुदायिक मुद्दों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यचर्या समुदाय के महत्व को समझने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और परिवर्तन के लिए एक महत्त्वपूर्ण साधन के रूप में विद्यार्थियों को अवगत कराता है। इसमें समुदाय की अवधारणा और सामुदायिक कार्य को समझाने का प्रयत्न किया जाता है। सामुदायिक संगठन क्या है ? उसका इतिहास क्या है? समाज कार्य की एक प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन एवं सामुदायिक संगठन के विभिन्न प्रारूपों और दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत कराने एवं उनको व्यावहारिक जीवन में उपयोग में कैसे लाया जाय? इसको समझाने का प्रयत्न किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत में सामुदायिक संगठन के विभिन्न मुद्दों और सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता की भूमिका को रेखांकित किया गया है। यह पाठ्यचर्या 'समुदाय' की बारीकियों को समझने को आधार बनाता है जिसमें उन्हें काम करने की आवश्यकता होती है, साथ ही यह विस्तृत (मैक्रो) अभ्यास डोमेन से जुड़े अवधारणा, मूल्य आधार, सिद्धांत, दृष्टिकोण, मॉडल और कौशल को समझने एवं उनका विश्लेषण करने में यह विद्यार्थियों की सहायता करता है। समकालीन वैश्वीकरण और बहु-सांस्कृतिक संदर्भ में रखे गए आकर्षक समुदायों में सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए , यह पाठ्यचर्या सामुदायिक नियोजन और सामुदायिक कार्य से जुड़े मुख्य ज्ञान और महत्त्वपूर्ण कौशल/दक्षताओं को विद्यार्थियों को प्रदान कर उनके नींव को मजबूत आधार प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामुदायिक एवं सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास के विविध संदर्भों की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में सामुदायिक संगठन अभ्यास के समकालीन संदर्भों एवं सामुदायिक कार्य से संबंधित अवधारणाओं एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण की समझ बनेगी।
- सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्य अभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करेगा।

- विद्यार्थियों में सामुदायिक समझ, मूल्यांकन, आयोजन, योजना, विकास और प्रगतिशील सामाजिक परिवर्तन से संबंधित ज्ञान और कौशल का विकास होगा।
- वैचारिक दृष्टिकोण का पता लगाने एवं व्यावहारिक रूप से समाज कार्य हस्तक्षेप और विश्लेषण कौशल का विद्यार्थियों में विकास होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1 **सामुदायिक का परिचय**	1. सामुदायिक अभ्यास का परिचय समाज कार्यों हताक्षेप के सूक्ष्म से मध्यम, मध्यम से विस्तृत स्तर	2	1	1	12	20.00
	2. ग्रामीण, शहरी और जनजातीय समुदायों की विशेषताएं समुदाय और उनके निहितार्थों की विविध अवधारणाएँ: स्थान, अंतरिक्ष, रुचि, प्रतीकों, साझा विरासत और भावनाओं के रूप में समुदाय, समुदायों के नए और उभरते रूप	2	1	1		
	3. सामुदायिक विश्लेषण के लिए रूपरेखा एक प्रणाली के रूप में, शक्ति और संघर्ष का स्थल एवं 21 वीं सदी के समुदायों के लिए संदर्भ और चुनौतिया, पहचान, समावेशन और बहिष्करण	2	1	1		
मॉड्यूल-2 **सामुदायिक संगठन परिचय**	1. सामुदायिक संगठन परिचय अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, प्रक्रिया एवं क्षेत्र, समाज कार्य की एक प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन	2	1	1	14	23.33
	2. सामुदायिक संगठन के सिद्धांत एवं प्रारूप एम.जी.रॉस एवं गांधीवादी प्रारूप	3	2	2		
	3. सामुदायिक संगठन की रणनीतियां	2	1			
मॉड्यूल-3 **सामुदायिक संगठन के दृष्टिकोण, चरण एवं उपकरण**	1. सामुदायिक संगठन के सैद्धांतिक दृष्टिकोण	2	1	1	18	30.00
	2. सामुदायिक संगठन के चरण	3	1	2		
	3. सामुदायिक हस्तक्षेप के लिए उपकरण: सामुदायिक रूपरेखा, पीएलए, एलएफए	2	1	1		
	4. समस्या विश्लेषण : हितधारक विश्लेषण, बल क्षेत्र विश्लेषण और रणनीतिक योजना	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **सामुदायिक संगठन में रणनीतियाँ / उपकरण**	1. सामुदायिक संगठन में रणनीतियाँ / उपकरण : वकालत, सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (**PRA**), सहभागी तीव्र मूल्यांकन, जनहित याचिका (**PIL**), सामुदायिक बैठक, कैडर भवन, प्रशिक्षण, कार्य योजना एवं डेटा बैंक।	2	1	1	8	13.33
	2. सामुदायिक संगठन के स्वदेशी दृष्टिकोण	2	1	1		
मॉड्यूल-5 **समुदाय संघठक के कौशल**	1. समुदाय संघठक के कौशल: समुदाय तक पहुँच, नेतृत्व निर्माण, जनसंवाद, स्थितिगत एवं समस्या विश्लेषण, संसाधनों का इष्टतम उपयोग, संबल, संबंधित पक्षों का विश्लेषण	2	1	1	8	13.33

	2. दस्तावेजीकरण	2	1	1		
योग		**30**	**15**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	'समुदाय' को एक गतिशील इकाई के रूप में समझना और उसका विश्लेषण करना।	सामुदायिक संगठन अभ्यास की अवधारणा, दृष्टिकोण और मॉडल को समझने के लिए।	सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्यअभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।	सामाजिक न्याय और मानवाधिकार आधारित संदर्भ में समुदायों को संलग्न करने के लिए ज्ञान और क्षमता विकसित करना।	समुदायों के साथ काम करने के लिए प्रासंगिक व्यवहार और कौशल को एकीकृत करने के लिए।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Somerville, P. (2016). *Understanding community: Politics, policy and practice* (2nd edition). Polity Press and Social Policy Association 2. Etzioni, A. (1995). *The spirit of community: rights, responsibility and the communitarian agenda.* Fontana Press. 3 Popple, K. (2015). *Analysing community work: Theory and practice*. Open University Press. 4 Hardcastle, D. A., Powers, P. R., & Wenocur, S. (2004). *Community practice: Theories and skills for social workers*. Oxford University Press. 5 Weil, M., Reisch, M., & Ohmer, M. L. (2013). *The handbook of community practice* (2nd edition). Sage. 6 Ross, M. G. (1967). *Community organisation. Theory principles and practice*. Harper and Row. 7 Ledwith, M. (2013). *Community development: A critical approach* (2nd edition). Policy Press 8 Forde, C. & Lynch, D. (2013). *Social work and community development: A critical practice perspective*. Macmillan Palgrave 9 Gangrade K. D. (2001). *Working with community at the grassroots level: Strategies and programmes.* Radha Publications. 10 Hardina, D. (2002). *Analytical skills for community organization practice*. Columbia University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Bauman, Z. (2001). *Community: Seeking safety in an insecure world.* Polity Press. 2 Cohen, A. P. (1985). *Symbolic construction of community*. Tavistock Publications and Ellis Horwood Limited. 3 Stepney, P., & Popple, K. (2008). *Social work and the community: A critical context for practice.* Palgrave Macmillan. 4 Ife, J. (2013). *Community development in an uncertain world: Vision, analysis and practice.* Cambridge University Press. 5 Freire, P. (1972). *Pedagogy of the oppressed*. Penguin. 6 Ledwith, M., & Springett, J. (2010). *Participatory practice: Community-based action for transformative change*. The Policy Press 7 Mullaly, B. (2010). *Challenging oppression and confronting privilege* (2nd edition). Oxford University Press. 8 Gray, M., Coates, J., & Yellow Bird, M. (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice.* Ashgate. 9 Weil, M. (1996). *Community practice: Conceptual models*. The Haworth press Inc. 10 Pawar M. (2010). *Community development in Asia and the Pacific*. Routledge. 11 Gamble, Dorothy N., & Weil Marie University Press. (2010). *Community practice skills: Local to global perspectives.* Columbia University Press.
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw08_17_10_16.Pdf**

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** समाज कार्य अनुसंधान
   Name of the Course: **Social Work Research**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **MSW 05**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

समाज कार्य अनुसंधान ज्ञान प्राप्ति और ज्ञान उत्पादन की एक प्रक्रिया प्रक्रिया एवं विधि दोनों है। इसलिए समाज कार्य के विद्यार्थी के लिए अनुसंधान की बुनियादी योग्यता की आवश्यक होती है। यह पाठ्यक्रम सामाजिक अनुसंधान, नैतिक मुद्दों और अनुसंधान के विविध प्रविधियों, तकनीकों एवं उपकरण के उपयोग से परिचित कराता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थीयों में शोध समस्या की पहचान करने और उसके समाधान के लिए हस्तक्षेप करने के लिए कौशल और दक्षता विकसित करता है। इसके अलावा तथ्य संग्रह के प्रविधि और उपकरणों को तैयार करने, क्षेत्र से तथ्य संकलित करने, तथ्यों का विश्लेषण करने तथा उसकी व्याख्या करने के लिए अपेक्षित कौशल और दक्षता विकसित करने में मदद करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाज कार्य अनुसंधान के सैद्धांतिक दृष्टिकोण और व्यवहारिक पक्ष से अवगत होंगे।
- शोध के मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रविधि के अंतर्गत तथ्यों को एकत्र करना, उसका विश्लेषण करना और प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 **अनुसंधान परिचय**	1. वैज्ञानिक विधि प्रकृति और विशेषताओं, सामाजिक घटना के अध्ययन के लिए वैज्ञानिक पद्धति का अनुप्रयोग।	1	1	1	14	23.33
	2. सामाजिक अनुसंधान और समाज कार्य अनुसंधान परिचय एवं अंतर अर्थ, प्रकृति और उनका महत्व	1	1	1		

	3. सामाजिक अनुसंधान में गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान प्रतिमान: अर्थ, आवश्यक विशेषताएं, महत्व और दोनों प्रकार के अनुसंधान के सैद्धांतिक दृष्टिकोण, मिश्रित अनुसंधान एवं ट्रांगुलेशन	1	1	1		
	4. अनुसंधान प्रक्रिया	3	1	1		
मॉड्यूल-2 **अनुसंधान की चरण**	1. चर निर्धारण एवं संकल्पीकरण : चार निर्धारण, प्रकार एवं मापन स्तर संकल्पना निर्मिति	2	1	1	14	23.33
	2. मूल अनुसंधान प्रश्न निर्मिति एवं परिकल्पना परिचय: समस्या का विवरण, सिद्धांत, नीति और व्यवहार के संबंध। परिकल्पना संकल्पना, अर्थ, प्रकार एवं परीक्षण	3	1	1		
	3. अनुसंधान अभिकल्प परिचय: अनुसंधान अभिकल्प के प्रकार (अन्वेषणात्मक, वर्णनात्मक, निदानात्मक एवं प्रयोगात्मक अभिकल्प)।	3	1	1		
मॉड्यूल-3 **तथ्य संकलन एवं विश्लेषण**	1. विश्लेषण इकाई निर्धारण एवं चयन : विश्लेषण इकाई निर्धारण, सैद्धांतिकी एवं अनुसंधान विश्व जनगणना, प्रतिदर्श चयन पद्धति एवं उपकरण, अनुमापन तंत्र प्रकार एवं निर्माण	2	1	1	13	21.66
	2. तथ्य संकलन एवं प्रक्रियन : तथ्य स्त्रोत, प्रकार, तथ्य संकलन पद्धति एवं उपकरण, गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्य प्रक्रियन	3	1	1		
	3.तथ्य प्रदर्शन : तथ्यों का सारणीय एवं आरेखीय प्रदर्शन	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **सांख्यिकीय**	1. सांख्यिकीय परिचय : अर्थ, महत्त्व, उपयोग एवं सीमाएं, सारणी के प्रकार	1	1	1	11	18.00
	2. वर्णनात्मक सांख्यिकीय: केंद्रीय प्रवृत्ति के मापन, विचलन के मापन, एवं सहसंबंध के माप-	2	1	1		
	3. अधिशेष (Inferential) सांख्यिकीय: पैरामीट्रिक एवं नॉन पैरामीट्रिक संख्यकी (टी परिक्षण एवं काय वर्ग)	2	1	1		
मॉड्यूल-5 **अनुसंधान में कंप्यूटर अनुप्रयोग एवं प्रतिवेदन लेखन**	1. अनुसंधान में कंप्यूटर अनुप्रयोग : SPSS, KOBO, MS Office	2	1	1	8	13.33
	2. प्रतिवेदन लेखन : प्रतिवेदन लेखन प्रकार, प्रतिवेदन संरचना निर्माण एवं प्रतिवेदन लेखन के चरण एव उद्दरण, सदर्भ एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	1	1	1		
	3. समाज कार्य अनुसंधान में नैतिकता एवं महत्व	1				
योग		**30**	**15**	**15**	**60**	**100.0**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक गए हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग

उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य के आधारभूत ज्ञान को आगे बढ़ाने में वैज्ञानिक तरीकों के अनुप्रयोग को समझना।	समाज कार्य अभ्यास में अनुसंधान की प्रकृति, महत्व और संभावनाओं को समझना।	मात्रात्मक और गुणात्मक प्रतिमानों और तकनीकों का उपयोग करके शोध अवधारणा, अभिकल्प और कार्यान्वित करने में क्षमता विकसित करना।	सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और समानता के मुद्दों को संबोधित करने के लिए समाज कार्य अनुसंधान का रचनात्मक उपयोग करना

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Babbie, E. (2014). *The basics of social research,* 6th ed. New Delhi: Wadsworth. 2. Bordens, K. S., & Abbott, B. B. (2018). *Research design and methods: A process approach,* 10th ed. New York: McGraw-Hill. 3. Bryman, A. (2012). *Social research methods*, 4th ed. New Delhi: Oxford. 4. Christensen, L. B., Johnson, R. B., & Turner, L. A. (2014). *Research Methods, Design, and Analysis,* 12th ed. New York: Pearson. 5. Crano, W. D., Brewer, M. B., & Lac, A. (2015). *Principles and methods of social research*, 3rd ed. New Delhi: Routledge. 6. Creswell, J. W. (2014). *Research design: Qualitative, quantitative, and mixed methods approaches.* New Delhi: Sage. 7. Krysik, J. L., & Finn, J. (2010). *Research for effective social work practice*, 2nd ed. New York: Routledge. 8. Leavy, P. (2017). *Research design: Quantitative, qualitative, mixed methods, arts-based, and community-based participatory research approaches*. New York: Guilford Press. 9. Martin, W. E., & Bridgmon, K. D. (2012). *Quantitative and statistical research methods: From hypothesis to results.* San Francisco: Jossey-Bass. 10. Rajaretnam, T. (2015). *Statistics for social sciences*. New Delhi: Sage

		11. Rubin, A., & Babbie, E. R. (2011). *Research methods for social work*. Belmont: Brooks Cole. 12. Treiman, D. J. (2009) *Quantitative data analysis: Doing social research to test ideas.* San Francisco: Jossey-Bass.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Atkinson, P., & Delamont, S. (2011). *Qualitative research methods*. New Delhi: Sage. 2. Bandalos, D. L. (2018). *Measurement theory and applications for the social sciences*. New York: The Guilford Press. 3. Blalock, H. M. (1960). *Social statistics*. New York: McGraw-Hill 4. Cornelius, L. J., & Harrington, D. (2014). *A social justice approach to survey design and analysis.* New Delhi: Oxford. 5. Goodwin, C. J. (2010). *Research in psychology methods and design*, 6th ed. New Jersey: John Wiley & Sons. 6. Hammersley, M. (2013). *What is qualitative research?.* New York: Bloomsbury. 7. Hardwick, L., Smith, R., & Worsley, A. (2016). *Innovations in social work research: Using methods creatively*. London: Jessica Kingsley. 8. Hays, W. L. (1973). *Statistics for the social sciences.* New York: Rinchart and Winston 9. Mcnemar, Q. (1949). *Psychological statistics.* New York: John Willey 10. Mitchell, M. L., & Jolley, J. M. (2013). *Research design explained*, 8th ed. New Delhi: Wadsworth, Cengage Learning. 11. Novikov, A. M. & Novikov, D. A. (2013). *Research methodology: From philosophy of science to research design.* New York: CRC Press. 12. Thorat, S, Verma, S. (2017). *Social science research in india: status, issues, and policies.* New Delhi: Oxford 13. TISS (1985). Special issue: Research methodology. *Indian Journal of Social Work. Vol 46,* No 3. Mumbai: TISS 14. Wahab, S., Anderson-Nathe, B., & Gringeri, C. (2015). *Feminisms in social work research: Promise and possibilities for justice-based knowledge*. New York: Routledge. 15. Young, A., & Temple, B. (2014). *Approaches to social research: the case of deaf studies*. New Delhi: Oxford.
3	ई-संसाधन	https://socialresearchmethods.net/ http://journals.sagepub.com/home/rsw http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_12_31_01_17.Pdf

1. पाठ्यचर्या का नाम: मानववृद्धि, विकास एवं व्यवहार की गतिकी

Name of the Course:

Dynamics of Human Growth, Development and Behaviour

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त समवर्ती क्षेत्र घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSW 06**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: **द्वितीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास में मानवीय व्यवहार को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक संकल्पनाओं की समझ विकसित करना है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से व्यक्ति एवं उसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, सिद्धांत एवं व्यक्तित्व के निर्धारक तत्वों को समझने की अंतर्दृष्टि विद्यार्थियों में विकसित करनी है।पाठ्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को लागू करने में विद्यार्थियों को सक्षम करना है। मानव व्यवहार, उसका समायोजन एवं उसके असामान्य व्यवहार से विद्यार्थियों को अवगत कराना है जिससे वे विभिन्न मनोसामाजिक प्रक्रियाओं को समझ कर समाज में अभिप्रेरणा, सामाजीकरण, अभिवृति एवं संवेदना प्रत्यक्षीकरण को समझ कर कार्य कर सकें और समाज की मनोदशा को समझते हुए उनमे मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का विकास हो सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों के प्रति अंतर्दृष्टि विकसित होगी।
- मनुष्य के जीवन काल के विभिन्न चरणों में व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास की निर्मित किस प्रकार होती है उसकी समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में समायोजन और असमायोजन की प्रक्रियाओं की समझ विकसित होगी और मानव व्यवहार पर इसके पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या एवं उसका विश्लेषण करने में वे सक्षम होंगें।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1 **मानव वृद्धि की गतिकी**	1. मानव वृद्धि की गतिकी	1			12	20.00
	2. वृद्धि के सिद्धांत : जैवकीय, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, मनो-सामाजिक	1	1	1		
	3. मानव विकास: नैतिक एवं व्यक्तित्व विकास, व्यवसायिक एवं वैवाहिक अनुकूलन,	1	1	1		
मॉड्यूल-2 **मानव व्यवहार के सिद्धांत**	1. जीवन चक्र: जीवन चक्र में बदलाव, पीढ़ीगत अंतर एवं समस्या एवं जीवन चक्र की भारतीय अवधारण की समझ	3	1	1	14	23.33
	2. मानव विकास पर प्रभाव : मानव विकास पर समाज और संस्कृति का प्रभाव	2	1	1		
	3. मानव व्यवहार के सिद्धांत : शास्त्रीय अनुकूलन, स्फूर्त अनुकूलन, एवं अनुभूति अनुकूलन, सूझ अनुकूलन, प्रयत्न एवं भूल अनुकूलन, एवं अन्य अनुकूलन	3	1	1		
	4. मानव व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक : मानव व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक-वंशानुगतता, परिवेश एवं अन्यव अवधारणा सामाजिक-शारीरिक प्रक्रियाएं- संवेदना, अवबोध, लगाव, अर्जन, समाजीकरण, अभिप्रेरण, नजरिया, विश्वासज	3	1	1		
मॉड्यूल-3 **व्यक्तित्व– संकल्पना एवं सिद्धांत**	1. नेतृत्व परिचय : नेतृत्व- अवधारणा, प्रकार एवं प्रकार्य	2	1	1	13	21.66
	2. व्यक्तित्व– संकल्पना एवं सिद्धांत : ऑलपोर्ट, फ्रायड, जुंग, एडलर, लांका, रोजर्स एवं मासलोव	3	1	1		
	3. सामान्य एवं असामान्य : सामान्यता एवं असामान्यता की संकल्पना, व्यवहारगत विकार- तंत्रिका रोग, मनोविकृति, क्रियात्मक एवं कायिक/जैवीय विकार, मनोवैदिक विकार, मन: श्चिकित्सार, तकनीक	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **व्यक्तित्व विकास**	1. रक्षात्मक प्रतिक्रिया : रक्षात्मक प्रतिक्रिया एवं मानसिक विकारों का प्रबंधन	1	1	1	11	18.00
	2. सामाजिक स्व और संचार : सामाजिक और आत्म बोध, पूर्वाग्रह, रूढ़ि और भेदभाव, एवं दृष्टिकोण का गठन, परिवर्तन और माप	2	1	1		
	3. व्यक्तित्व विकास : मनोविश्लेषणात्मक, मानवतावादी और व्यवहारवादी	2	1	1		
मॉड्यूल-5 **समायोजन हस्तक्षेप और मनोचिकित्सा**	1. समायोजन हस्तक्षेप और मनोचिकित्सा : समायोजन की अवधारणा, तनाव प्रबंधन	2	1	1	10	16.66
	2. साइकोपैथोलॉजी : बाल विकार- ऑटिज्म, एडीएचडी - सिमप्टम्स एटियोलॉजी एंड मैनेजमेंट। बच्चों में व्यवहार संबंधी समस्याएं, पर्सनैलिटी डिसऑर्डर, ओल्ड एज डिसऑर्डर - अल्जाइमर एंड सेनील डिमेंशिया	1	1	1		
	3. व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास : व्यक्तिगत स्व एवं व्यवसायिक स्व	1	1	1		
योग		**30**	**15**	**15**	**60**	**100.0**

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों को समझने के लिए।	व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए।	समायोजन की प्रक्रियाओं को समझने और समायोजन न करने और मानव व्यवहार पर इसके प्रभाव को समझने के लिए।	जीवन काल में विभिन्न चरणों में व्यक्ति के विकास और विकास को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Prilleltensky, I., & Nelson, G. (2002). *Doing psychology critically: Making a difference in diverse settings.* Basingstoke, England: Palgrave 2. Kloos, B., Hill, J., Thomas, E., et al. (2012). *Community psychology: Linking individuals and communities* (3rd ed.). Belmont: CA: Wadsworth. 3. Weiten, W. (2011). *Themes and variations in psychology*. Wadsworth, Cengage learning. Belmont: USA 4. Ryan, R. M. (2012). *Oxford handbook of human motivation*. New York : Oxford 5. Khalakdina, M. (2008). *Human development in the Indian context: a socio-cultural focus.Vol. I* New Delhi: Sage Publications 6. Khalkdina, M. (2011). *Human development in the indian context: A socio cultural focus. Vol. II*. New Delhi: Sage Publications 7. Specht, J. (2017). *Personality development across the lifespan*. 1st Edition. London: Academic Press 9. Nicolson, P., & Bayne, R. (2014). *Psychology for social work. theory and practice.* London: Palgrave

		10. Field, M., & Hatton, C. S. (2015). *Essential abnormal and clinical psychology*. London: Sage 11 Kuppuswamy. (1980). *An introduction to social psychology.* Bombay: Media Promoters and Publishers Pvt Ltd 12 Garth S Jowett., & O'Donnell,V (2018). *Propaganda & Persuasion*. London: Sage7th ed. 8. Daniel, W. Barrett. (2016). *Social psychology-core concepts and emerging trends.* London: Sage
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Crisp, R. J., & Turner, R. N. (2014). *Essential social psychology*. London: Sage 2. Baron, R. A., Byrne, D., & Bhardwaj. G. (2014). *Social psychology* (12th Ed). New Delhi: Pearson 3. Tiwari, A. K. (2009). *Psychological perspectives on social issues and human development.* New Delhi: Concept 4. Kenneth, R. W., & Laursen, B. B. (2011). *Hand book of peer interactions relationships and groups.* New York: Guilford Publications 5. Venkatraman, S. (2017). *Social media in south India*. London: UCL press 6. Geoffrey Beattie Andrew W Ellis (2017). *The psychology of language and communication*. London: Routledge 7. Saraswathi, T. S. (2003). *Culture, socialization and human development: Theory, research and applications in India*. New Delhi: Sage Publications 8. Rao, K. R., & Paranjpe, A. C. (2017). *Psychology in the Indian Tradition*. New York: Springer 9. Kite, M. E., & Whitley, B. E. Jr. (2016). *Psychology of prejudice and discrimination* 3rd Edition New York: Routledge
3	ई-संसाधन	http://www.apa.org http://propaganda.mediaeducationlab.com/learn/ http://www.anthropology-news.org/index.php/2018/04/09/a- http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_04_ vyaktitw_and_vyawhar_28_07_16.Pdf

1. पाठ्यचर्या का नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य
Name of the Course: Concurrent field Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSWP 02

3. क्रेडिट: 6

4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	4
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्य	76
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	90

पाठ्यचर्या विवरण:

- **अवलोकनात्मक भ्रमण (OBSERVATIONAL VISITS)**

  अवलोकनात्मक भ्रमण का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक कार्य एजेंसियों और विकास परियोजनाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के प्रकार और सेवार्थी प्रणाली की आवश्यकताओं के प्रति समझ विकसित करना हैं।

- **अवलोकनात्मक भ्रमण की आवश्यकता (Requirements of Observational Visits) :**

  द्वितीय सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा न्यूनतम **5** संस्थाओ का भ्रमण किया जाना आवश्यक हैं। वे छात्र जो भ्रमण में अनुपस्थित रहते हैं, उनके संस्था भ्रमण संबंधी अंक प्राप्त नहीं होंगे। अवलोकनात्मक भ्रमण यात्राओं के बदले अनुपस्थित छात्र को कोई अन्य असाइनमेंट नहीं दिया जाएगा। अत: समस्त विद्यार्थियों के लिए अवलोकनात्मक संस्था भ्रमण आवश्यक हैं।

- **कौशल प्रयोगशाला (Skill Lab) :**

  अवलोकनात्मक संस्था भ्रमण के अतिरिक्त, विद्यार्थियों हेतू कौशल प्रयोगशाला विभिन्न कौशल से संबंधित अलग से आयोजित की जाएगी। इसमें व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास, स्वयं को समझना, संचार, रिपोर्टिंग, विकासशील नेतृत्व और अन्य संबंधित सामाजिक कार्य कौशल जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

- द्वितीय सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **7 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **14 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। द्वितीय **सेमेस्टरमें 30 दिनों** का समवर्ती क्षेत्र किया जाना आवश्यक है। इस प्रकार **द्वितीय सेमेस्टर** में क्षेत्र कार्य अभ्यास **210 घंटे** आयोजित किया जायगा। प्रत्येक छात्र जो भी संबंधित संस्था में अभ्यास करेंगे उन्हें उक्त संस्था से एक पर्यवेक्षक दिया जाएगा साथ ही महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा भी पर्यवेक्षण शिक्षक नियुक्त किया जाएगा। संबंधित संस्था एवं केंद्र से प्रदान पर्यवेक्षक द्वारा क्षेत्र

कार्य अभ्यास में पर्यवेक्षण किया जाएगा। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **दो वैयक्तिक कार्य** एवं **एक समूह कार्य** का अभ्यास उक्त संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा।

- प्रत्येक छात्र के क्षेत्र कार्य से संबंधित कम से कम **25 मिनट** का साप्ताहिक व्यक्तिगत सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए छात्रों के समूह सम्मेलन का भी संचालन कर सकता है। छात्र की जबावदारी होगी कि वह ऐसे व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के अभिलेख (Record) तैयार रखे। प्रत्येक सप्ताह में एक दिन संभवतः सोमवार को सप्ताह का क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा एवं सप्ताह में एक दिन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक साथ समूह सम्मेलन करना अनिवार्य होगा (यह दिन विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की सुविधा नुसार तय होगा) साथ ही जरुरत पड़ने पर वैयक्तिक सम्मेलन विद्यार्थी आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से करना अपेक्षित है। साथ ही दो सप्ताह में कम से कम एक बार मिश्रित सम्मेलन का भी आयोजन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। मिश्रित सम्मेलन में क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक, संस्था पर्यवेक्षक एवं विधार्थी उपस्थित होंगे। क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन में जर्नल, व्यक्ति सहाय कार्य फाइल, समूह कार्य फाइल, क्षेत्र कार्य उपस्थिति पंजिका, सम्मेलन उपस्थिति पंजिका, एवं संस्था एवं समुदाय प्रोफाइल सम्मिलित होंगे।
- **द्वितीय सेमेस्टर** के दौरान न्यूनतम **7 दिनों** की अवधि **(70 घंटे)** का निवासी ग्रामीण शिविर आयोजित किया जाना अनिवार्य होगा। यह ग्रामीण या जनजातीय प्रतिवेश (सेटिंग) में एक आवासीय शिविर आयोजित होगा। प्रत्येक छात्र को ग्रामीण/ जनजातीय शिविर में भाग लेना अनिवार्य होगा। शिविर से लौटने के पश्चात् अपने अनुभवों को सेमिनार के माध्यम से कक्षा में प्रस्तुत किया जाएगा। जिसकी समस्त रिर्पोट मुख्य आंतरिक परीक्षा की उपस्थिति में प्रस्तुत की जाएगी।
- **ग्रामीण / जनजातीय शिविर** छात्रों को ग्रामीण जीवन का अनुभव कराने तथा ग्रामीण वास्तविकताओं का अवलोकन करने, ग्रामीण गतिशीलता का विश्लेषण करने और स्थानीय स्वशासन तथा स्वैच्छिक संगठनों के साथ कामकाज का अवसर प्रदान करता हैं। यह स्वयं के समूह और स्थानीय लोगों के समूह एवं गतिविधियों की योजना बनाने में सहकर्मी की भागीदारी का अनुभव कराता है। इससे साथ-साथ काम करने की समझ पैदा होती हैं। इससे अनुभव, मूल्यांकन और रिपोर्ट करने के लिए कौशल विकसित करने में भी मदद करता है।
- द्वितीय सेमेस्टर समापन के पश्चात् छात्रों को 45 दिनों के वैकल्पिक ब्लॉक प्लेसमेंट (इंटर्नशिप) करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इंटर्नशिप सामाजिक कार्य व्यवहार के घटकों में से एक है, जिसमें आवश्यक क्षेत्र कार्य पूर्ण होने के बाद, शिक्षार्थी को उसकी रुचि के क्षेत्र में उनके कौशल और ज्ञान के आधार को मजबूत करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जाता है। जिससे कि छात्र संस्थाओं में कार्य की पद्वति को समझ सकते हैं।
- छात्र अपनी रूचि के अनुसार संस्था का चयन करने हेतू स्वंतंत्र होंगे। छात्रों को गैर-सरकारी संगठन, सरकारी संगठन, सामाजिक आंदोलन या वकालत समूह जैसी किसी एक संस्था का चयन करना होगा। यह एक पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग है। 45 दिन के ब्लॉक प्लेसमेंट (इंटर्नशिप) पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी संबंधित संस्था से प्राप्त प्रमाण पत्र केंद्र में जमा करेगा। तत्पश्चात् ही उनके दूसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।
- समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर के अंत में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के लिए उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इस तरह की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एक **आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक** द्वारा संचालित की जाएगी। बाह्य परीक्षक की नियुक्ति महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी के निदेशक द्वारा किया जाएगा। जो भी छात्र क्षेत्र कार्य अभ्यास की आंतरिक परीक्षा में **अनुपस्थिति रहेंगे या असफल (Fail) हो जाएगें,** आगामी सेमेस्टर में प्रोन्नति का पात्र नहीं होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों के लिए विद्यार्थियों में जोखिम उठाना और जिम्मेदारी लेने के प्रति विद्यार्थी प्रोत्साहित होंगे।
- एक संरचित कार्यक्रम व्यवस्था में व्यक्तियों और समूहों के साथ कार्य करने के लिए विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास होगा।
- एजेंसियों और संगठनों द्वारा दिए जा रहे जन कल्याण और जन हित सेवाओं की व्यापक जानकारी मिलेगी।
- विद्यार्थियों में नैतिकता और मानवीय मूल्यों के निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं स्तर बढ़ेगा।
- क्षेत्र कार्य अभ्यास एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों के प्रतिवेदन पुनरावलोकन के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	4.44
मॉड्यूल-2	संस्था भ्रमण (कुल 5)			5	5	5.55
मॉड्यूल-3	समवर्ती क्षेत्र कार्य			60	60	66.66
मॉड्यूल-4	वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मलेन			10	10	11.11
मॉड्यूल-5	ग्रामीण एवं जनजातीय शिविर			10	10	11.11
मॉड्यूल-6	मौखिकी			1	1	1.11
योग		**4**		**86**	**90**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जन हितों और जरूरतों, और जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित सेवाओं की विविधताओं की गहराई से समझना।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने में ज्ञान और दक्षता निर्माण करना।	कार्यों के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर, साथ ही साथ मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण करना।	फील्डवर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा
Name of the Course: Gandhian Concept of Social Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSWE 02 A**
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	15
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में गांधी दर्शन के मूल आधारों को स्पष्ट किया गया है। सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणा को समझने का प्रयास किया गया है कि महात्मा गांधी ने इन्हें किस रूप में व्याख्यायित किया और किन संदर्भों और तर्कों के माध्यम से इन्हें प्रस्तुत किया। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से गांधी के अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा को समझाने का प्रयास किया गया है साथ हीं साथ उनके रचनात्मक कार्यक्रम को बताया गया है जो अहिंसक समाज रचना की प्रविधि और क्षेत्रों को रेखांकित करते हैं। पाठ्यचर्या में एकादश व्रत और सर्वोदय की व्याख्या की गई है जो गांधीय समाज कार्य को स्पष्ट करता है। गांधीय दृष्टिकोण से समाज कार्य के कौन-कौन से क्षेत्र हो सकते हैं, उनकी चर्चा की गई है। इसके अंतर्गत साम्प्रदायिक सद्भाव, ट्रस्टीशिप, स्वदेशी, अस्पृश्यता उन्मूलन जैसे कार्यों और क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है। इस पाठ्यचर्या में गांधी के बाद हुए अहिंसक आंदोलनों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अंतर्गत भूदान, ग्रामदान और सम्पूर्ण क्रांति का उल्लेख किया गया है। इसके पश्चात सामाजिक आंदोलनों की गांधीय प्रविधिएवं नव सामाजिक आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। साथ ही वर्तमान समय में गांधी विचार की प्रासंगिकता की चर्चा की गई है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में गांधीवादी विचारधारा की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी गांधीवादी समाज कार्य की अवधारणा को समझ सकेंगें।
- विद्यार्थियों में गांधी के सैद्धांतिक ज्ञान, अहिंसा, रचनात्मक कार्यक्रम, आश्रम, और 10 प्रतिबद्धताओंकी समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

- समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा में लोगों के साथ काम करने के लिए आवश्यक गांधीवादी मूल्यों और कौशल की समझ का विद्यार्थियों में विकास हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1 **गांधीय समाज कार्य**	1. गांधी दर्शन में (मनुष्य एवं समाज): गांधी विचार के आधारभूत तत्व	1	1		6	20.00
	2. समाज कार्य की गांधी दृष्टि : अर्थ, आयाम एवं कार्य संस्कृति	1	1			
	3. गांधी और अहिंसा : हिंसा के आयाम	1	1			
मॉड्यूल-2 **ग्रामीण भारत और गांधी**	1. अहिंसक संघर्ष की गांधीवादी अवधारणा और उसका औचित्य : रचनात्मक कार्यक्रम: अहिंसक क्रांति,जनजागरण, आत्मनिर्भरता में वृद्धि, नेतृत्व में विश्वास तथा जनभागीदारी के उपकरण के रूप में इसकी विगत एवं समसामायिक प्रासंगिकता एवं आश्रम एवं एकादश व्रत, सात सामाजिक पातक	2	1	2	9	30.00
	2. गांधी और ग्रामीण भारत	1	1			
	3. गांधी के बाद सामाजिक आंदोलन	1	1			
मॉड्यूल-3 **गांधी उपागम**	1. सामाजिक बदलाव और सत्या ग्रह की गांधीवादी प्रविधि : आधारभूत मान्यताएं असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आंदोलन, चंपारन, खेड़ा एवं अहमदाबाद गांधी एवं अशक्तल/ कमजोर/ वंचित समूह	2	1	1	8	26.66
	2. सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया के गांधीवादी दृष्टिकोण : गांधीवादी तकनीक एवं उसका प्रयोग	1	1			
	3. अहिंसा की भूमिका : सामाजिक- आर्थिक- राजनीतिक बदलावों के संदर्भ में अहिंसक आंदोलनों का अध्ययन	1	1			
मॉड्यूल-4 **गांधी एक पाठ के रूप में**	1 गांधी द्वारा लिखी पुस्तकें, हिंद स्व राज, आत्म कथा एवं गांधी पर पुस्तिकें भीखू पारेख (गांधी: एन इंट्रोक्शन), एंथोनी जे परेल (हिंद स्वराज), राजमोहन गांधी (सत्याग्रह), जॉन बांडूयूँट (कनक्वेस्टट ऑफ वायलैंस)	2	1	1	7	23.33
	2. गांधी की आलोचना	2		1		
योग		**15**	**10**	**5**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	गांधीवादी विचारधारा को व्यावहारिक रूप में समझना।	गांधीवादी समाज कार्य की अवधारणा को समझना	सैद्धांतिक ज्ञान, अहिंसा, रचनात्मक कार्यक्रम, आश्रम, और प्रतिबद्धताओं के साथ शिक्षार्थियों को सक्षम बनाना।	समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा में दक्षता विकसित करना।	लोगों के साथ काम करने के लिए आवश्यक गांधीवादी मूल्यों और कौशल से शिक्षार्थियों को सक्षम करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. प्रभु, आर.के.एवं राव, यू.आर. (अनु. भवानी दत्त पंड्या) (1974). महात्मा गांधी के विचार. दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट. 2. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल. सुमन, श्री रामनाथ. (1967). सत्याग्रह : निष्क्रिय प्रतिरोध, असहयोग, सविनय एवं,

		सत्याग्रह बनारस: उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि. 3. आचार्य,नंद किशोर (2004). सभ्यता का विकल्प. बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन. 4. सुमन, श्री रामनाथ. (1967). सत्याग्रह : निष्क्रिय प्रतिरोध, असहयोग, सविनय एवं, सत्याग्रह बनारस: उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि. 5. भारत सरकार, सम्पूर्ण गांधी वाक्य(खंड 81 व 88) नई दिल्ली:भारत सरकार। 6. गांधी,मो.क.(नवंबर,2004). रचनात्मक कार्यक्रम : उसका महत्व और स्थान(अनुवादक काशिनाथ त्रिवेदी). अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर(पुनर्मुद्रण)। 7. गंगराड़े,के.डी.(2005).गांधियन एप्रोच टू डेवलपमेंट एंड सोशल वर्क नईदिल्ली: कान्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी। 8. भारती,के.एस.(1991). द सोशल फिलासफी ऑफ महात्मा गांधी.नईदिल्ली:कान्सेप्ट पब्लिकेशन। दिवाकर,आर.आर.(1946). सत्याग्रह इट्स टेक्निक्स एंड हिस्ट्री. बॉम्बे:हिंद किताब। 9. प्यारेलाल(1969). गांधीयन टेक्निक्स इन द मॉडर्न वर्ल्ड, अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर पुनर्मुद्रण)। 10. धर्माधिकारी,दादा (1962). अहिंसक क्रांति की प्रक्रिया वाराणसी:अखिल भारतीय सर्वसेवा संघ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल। 2. कुमारप्पा, भारत(1949). गांधी फॉर पेसिफिस्ट, अहमदाबाद :नवजीवन, पृ. 147। 3. गांधी,मो.क. (1957). फ्राम यर्वदा मंदिर : आश्रम ऑब्जर्वेंसेज (अनु.वी.जी.देसाई). अहमदाबाद: नवजीवन पब्लिशिंग हाउस.पू. 53-56। 4. सेठी, प्रो. जे.डी. (1979), द ग्रांड अल्टरनेटिव, ट्रस्टीशिप, (सं. भारतन, आर.के.) मद्रास : श्रीनिकेतन.पू. 62। 5. नारायण, श्रीमन(1973). गांधीजी कान्सेप्ट ऑफ ट्रस्टीशिप इट्स प्रेक्टिकल इम्पलिकेशन्स. सेवाग्राम: सेवाग्राम आश्रम फाउंडेशन, पू. 22। 6. प्रधान, वेणुधर(1980). द सोशलिस्ट थॉट ऑफ महात्मा गांधी (खण्ड-2). दिल्ली:श्री डी के पब्लिकेशन्स. पृ. 428। 7.सेठी, प्रो. जे.डी. (1986). ट्रस्टीशिप एंड द क्राइसिस इन इकानॉमिक थ्योरी, ट्रस्टीशिप: द गांधियन अल्टरनेटिव, (सं. सेठी प्रो. जे.डी.) नई दिल्ली: गांधी पीस फाउंडेशन, पृ. 92। 8. गुप्ता,एस.एस.(1994). इकानॉमिक फिलॉसफी ऑफ महात्मा गांधी. नई दिल्ली : कानसेप्ट पब्लिशिंग कंपनी.प्रा.142। 9. आचार्य, नंदकिशोर(1995). सभ्यता का विकल्प (गांधी दृष्टि का पुनरुविष्कार). बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन, पृ. 58। 10. आचार्य नंदकिशोर(2008). सत्याग्रह की संस्कृति, बीकानेर वाग्देवी प्रकाशन. पू. 76-78। 11. जोशी,शंभू(2018). अहिंसक श्रम दर्शन,बीकानेर:वाग्देवी प्रकाशन।
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/ msw_14_gandhi_samaj_karya.pdf

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक नीति एवं नियोजन
Name of the Course: **Social Policy and Planning**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSWE 02 B**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	15
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त समवर्ती क्षेत्र घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

सामाजिक नीति और नियोजन पाठ्यक्रम में सरकारी नीतियों, योजनाएँ और कार्यक्रमों पर संवेदनशीलता और महत्त्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं को दुनिया में अभावग्रस्तों के विश्लेषण हेतु लोगों के बीच विकल्प बनाने की जरूरत है। यह पाठ्यक्रम विकल्पों के निर्धारण और नीति बनाने में विभिन्न हितधारकों की भूमिका का अध्ययन करता है। इस पाठ्यक्रम का मौजूदा उद्देश्य नीति का महत्त्वपूर्ण विश्लेषण एवं जीवन गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए उनके विकल्पों को विकसित करने का इरादा रखता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- यह पाठ्यक्रम विशिष्ट सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संदर्भों की समझ विकसित करेगा।
- सामाजिक नीति निर्माण, हितधारक भागीदारी, कार्यान्वयन तंत्र और न्याय संबंधी चिंताओं की समझ विकसित करेगा।
- सामाजिक नीति विश्लेषण में विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ विकसित करेगा।
- सामाजिक नीति विश्लेषण में कौशल प्रदर्शन विकास करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		

मॉड्यूल-1 **सामाजिक नीति**	1. **सामाजिक नीति परिचय :** संकल्पना, सिद्धांत और मूल, संदर्भ, निरूपण और कार्यान्वयन तंत्र	1			7	23.00
	2. **सामाजिक नीति कल्याण :** कल्याण, विकास और अधिकारिता के साथ अंतर-संबंध	1	1	1		
	3. **वैश्वीकरण के लिए सामाजिक नीति प्रतिक्रिया :** डब्ल्यू.टी.ओ एवं संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन का प्रभाव	2	1			
मॉड्यूल-2 **कल्याणकारी राज्य**	1. **कल्याणकारी राज्य : कल्याण:** संकल्पना और सिद्धांत गरीबी: अवधारणा, प्रकार और कार्यक्रम	1	1		5	16.66
	2. **कल्याणकारी राज्य और विचारधाराएँ :** ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और समकालीन चुनौतियाँ एवं कल्याण और तुलनात्मक कल्याण विश्लेषण के मॉडल	2	1			
मॉड्यूल-3 **सामाजिक नियोजन**	1. **सामाजिक नियोजन :** सामाजिक योजना: अवधारणा, प्रक्रिया और मॉडल	1	1		8	26.00
	2. विशेष समूह : बच्चे, महिला, युवा, हाशिए का समाज	1	1			
	3. **भारत में विकास योजना:** पूर्वव्यापी और संभावना: सेवा आधारित नीतियां: गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, रोजगार,	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **नीति विश्लेषण एवं हस्तक्षेप**	1. **नीति विश्लेषण और अभ्यास :** सामाजिक नीति विश्लेषण, दृष्टिकोण और उपकरण	1	1	1	10	33.33
	2. **नीतिगत हस्तक्षेप : निगरानी और मूल्यांकन:** अनुसंधान और वकालत की रणनीति	2	1	1		
	3.**उत्कृष्ट प्रचलन :** कल्याण और अधिकार आधारित नीति प्रथाएं	1	1	1		
योग		**15**	**10**	**5**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	समकालीन सांस्कृतिक/ सामाजिक राजनीतिक,	नीति विश्लेषण और नीति निर्माण	नीतियों, संस्थागत तंत्र और हितधारक	हस्तक्षेप की रणनीतियों और व्यापक स्थितियों के लिए उनके	नीति विश्लेषण, निर्माण और कार्यान्वयन के

अधिगम परिणाम की प्राप्ति	आर्थिक संदर्भों में सामाजिक नीति की प्रकृति की समझ विकसित करना।	प्रक्रियाओं का ज्ञान प्राप्त करना	भागीदारी के काम में महत्त्वपूर्ण अंतर्दृष्टि विकसित करना	आवेदन की जांच करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप में सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करें।	क्षेत्र में आवश्यक कौशल विकसित करना

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Alcock, P., Haux, T., May, M., & Wright, S. (eds.) (2016). *The student's companion to social policy* 5th Edn. Oxford: Blackwell /Social Policy Association 2. Weimer. D. L., & Vining, A. R. (1994). *Policy analysis: Concepts and practice*. New Jersey: Prentice Hall 3. Denny, D. (1998). *Social policy and social work*. Oxford: Clarendon Press. 4. Dean, H. (2006). *Social policy*. UK: Polity 5. Drake, R. F. (2001). *The principles of social policy*. New York: Palgrave 6. Hudson, J., & Lowe, S. (2007). *Understand the policy process*. New Delhi: Rawat 7. Spicker, P. (2008). *Social policy: Themes and approaches* 2nd Edition. UK: The Policy Press 8. Surender, R., & Walker, R. (Eds.) (2013). *Social policy in a developing world. cheltenham*. Edward Elgar Publishing Ltd. 9. Pierson, C., & Francis, C. (2007). *The welfare state: reader,* 2nd Edition. UK: Polity 10. Lister, R. (2010). *Theories and concepts in social policy*. Bristol. Policy Press 11. Farnsworth, K., & Zoe, I. (2011). *Social policy in challenging times.* UK: The Policy Press 12. Midgley, J., & Michelle, L. (Eds.) (2009). *The handbook of social policy.* USA: Sage 13. Pathak, S. H. (2013). *Social policy, social welfare and social development.* Bangalore: Niruta 14. Livingstone, A. (2011). *Social policy in developing countries.* UK: Routledge 15. Kennett, P. (2011). *Comparative social policy.* London: Open University Press
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Titmuss, R. (1974). *Social policy*. Routledge 2. Chakraborty, B., & Chand, P. (2016). *Public policy: Concept, theory and practice*. Sage 3. Chatterjee, U.(2000). *The mammaries of the welfare state*.Viking 4. Hill, M. (2006). *Social policy in modern world*. UK: Blackwell Publishing 5. Kennett, P. (ed.) (2013). *A handbook of comparative social policy.* Cheltenham: Edward Elgar Publishing Ltd , pp. 205-224. 6. Lavalette, M., & Pratt, A. (Eds.) (2006). *Social policy: Theories, concepts and issues*, 3rd Edition. New Delhi: Sage 7. Fernandez, B. (2012). *Transformative policy for poor women.* London. Routledge
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_16_

		sambidhan_evam_manavadhikaar.pdf http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/ msw10_17_10_16.Pdf

तृतीय छमाही

1. पाठ्यचर्या का नाम: मानव संसाधन प्रबंधन
Name of the Course: **Human Resource Management**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSW 07 A**

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: **तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

मानव संसाधन प्रबंधन का पाठ्यक्रम समाज कार्य के विद्यार्थियों में मानव कार्य-बल, उत्पादन के प्राकृतिक तथा कृत्रिम संसाधनों के प्रबंधन के लिए कौशल और दक्षताओं को विकसित करता है। आधारभूत रूप से यह पाठ्यक्रम समाज कार्य व्यवसाय के कौशल, मूल्यों और सिद्धांतों का उपयोग कर विद्यार्थी संगठनों में मानव संसाधन के सम्पूर्ण उप-प्रणालियों की समझ विकसित करता है। पाठ्यक्रम उन पेशेवरों विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण पर केंद्रित है जो विभिन्न प्रकार के संगठनों में मानव संसाधनों के प्रबंधन के साथ-साथ मानव के सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- संगठनों में मानव संसाधन प्रणालियों की समझ विकसित करेगा।
- संगठनों में मानव व्यवहार की समझ विकसित करेगा ।
- संगठनों में लागू श्रम कानूनों की जानकारी देगा।
- मानव संसाधनों के प्रबंधन और विकास में उचित कौशल और दक्षता विकास करेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **मानव संसाधन प्रबंधन**	1. **मानव संसाधन प्रबंधन:** सिद्धांत और व्यवहार अवधारणा और दृष्टिकोण	2			11	18.33
	2. मानव संसाधन नियोजन	2	1	1		
	3. **प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली, मुआवज़ा प्रबंधन एवं कर्मचारी प्रतिधारण :** पद्धति एवं उपकरण	3	1	1		
मॉड्यूल-2 **मानव संसाधन का विकास**	1. **मानव संसाधन का विकास करना**: एचआरडी एक अवधारणा, लक्ष्य और दृष्टिकोण के रूप में एवं **शिक्षण संगठन-** अवधारणाएँ, विधियाँ और पद्धतियाँ	2	2	1	16	26.66
	2. कर्मचारी की व्यस्तता और विविधता प्रबंधन: पद्धति एवं उपकरण	3	2	1		
	3. संगठनों में निर्णय लेने और संघर्ष का समाधान: तनाव का प्रबंधन, नौकरी का विवरण तैयार करना, परामर्श, साक्षात्कार, कार्य जीवन संतुलन	2	2	1		
मॉड्यूल-3 **संगठनात्मक व्यवहार**	1. **संगठनात्मक व्यवहार**: अवधारणा और सिद्धांत, संगठन संस्कृति, काम संगठनों में संचार, टीमों और संगठनों में समूह, एवं संगठनात्मक पुर्नरचना और पुनर्गठन - केस स्टडीज	2	2	1	15	25.00
	2. **नेतृत्व** : लक्षण, टाइपोलॉजी, और सिद्धांत	2	2	1		
	3. **प्रेरणा :** सिद्धांत, आवश्यकता और महत्व, तरीके और अभ्यास	2	2	1		
मॉड्यूल-4 **प्रबंधन हेतु विधान**	1.**व्यवहार के क़ानूनी आधार (संरचनात्मक)** : कारखाना अधिनियम, 1948, अनुबंध श्रम अधिनियम, 1970, ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (औद्योगिक विवाद, हड़ताल और तालाबंदी के निपटारे से संबंधित विशेष प्रावधान। लेट और छंटनी), औद्योगिक रोजगार स्थायी आदेश अधिनियम, 1946,	5	3	1	18	30.00
	2. **व्यवहार के क़ानूनी आधार (व्यक्ति केंद्रित) :** मजदूरी से संबंधित विधान - मजदूरी अधिनियम 2017 पर संहिता (न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, मजदूरी का भुगतान, 1936, समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976, बोनस अधिनियम, 1965 का भुगतान), कार्य स्थल, अधिनियम, 2013 में यौन उत्पीड़न, श्रमिकों का मुआवजा अधिनियम, ईएसआई अधिनियम, 1948 और मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961	5	3	1		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार के प्रबंधन और विकास की समझ विकसित करना।	संगठनों में मानव संसाधन से संबंधित समस्याओं के पहचान और उनके समाधान के लिए कौशल निर्मित करना।	मानव संसाधनों के प्रबंधन में उचित कौशल और दक्षता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1 Armstrong, M., Taylor, S. (2017). *A handbook of human resource management practice* (14th ed.). London: Kogan Page. 2 Daft, R. L. (2016). *Organization: Theory and design* (12th ed.). Mason,Ohio,USA: Cengage Learning 3 Robbins, S. P., Judge, T. A., Millet, B., & Boyle, M. (2013). *Organizational behavior,* (7th). Australia : Pearson 4 Mathis, R. L., Jackson, J. H., Valentine, S. R., & Maglich, P. A. (2016). *Human resource management,* (15th ed.). Boston, USA: Cengage Learning

		5. Silvera, D. M. (1990). *Human resource management: The Indian experience*. New Delhi: New India Publications. 6. Pareek, U., & Rao, T. V. (2003). *Designing and managing H R systems* (3rd ed). New Delhi: Oxford & IBH Publishing. 7 Pareek, U. (2016). *Understanding organisational behavior.* New Delhi: OUP. 8. Mallick, P. L. (2002). *Industrial law*. Lucknow: Eastern Book Company 9. Verma, A., Kochan, A. T., & Lansbury, R. D. (1995). *Employment relations in the growing Asian economics.* London: Routledge 10 Ramnarayan, S., & Rao, T. V. (2011). *Organization development: Accelerating learning and transformation.* New Delhi: Sage Publications 11 Roychowdhury, A. (2018). *Labour law reforms in India: All in the name of Jobs*. New York: Routledge
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Agarwala, T. (2007). *Strategic human resource management.* New Delhi: OUP. 2 Bratton, J., & Gold, J. (2017). *Human resource management, theory and practice.* London: Macmillan Press Ltd. 3 Bridger, E. (2015). *Employee engagement.* USA: Kogan Page. 4 Gordon, J. R. (2002). *Organizational behaviour: A diagnostic approach* (7th ed.) New Jersey: Pearson Education. 5 Cohen, D. S. (2009). *The talent edge: A behavioural approach to hiring, developing and keeping top performers*. New York: John Wiley. 6 Malhotra, O. P. (2015). *The law of industrial disputes. 1 & 2*. New Delhi: Lexis Nexis . 7 Cameron, K. S., & Quinn, R. E. (2011). *Diagnosing and changing organisational culture*. SFO, CA,USA: Jossey- Bass 8 Rao, T. V. (2014). *HRD audit: Evaluating the human resource functions for business improvement.* New Delhi, India: Sage 9 Schein, E. H. (2017). *Organisational culture and leadership.* SFO, CA,USA: Jossey- Bass 10. Monappa, A., Nambudiri, R., & Selvaraj, P. (2012). *Industrial relations and labour laws*. New Delhi: Tata Mc Graw
3	ई-संसाधन	

या / OR

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** स्वास्थ्य देखभाल समाज कार्य अभ्यास
Name of the Course: Health Care Social Work Practice

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **MSW 07 B**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** तृतीय
5. **पाठ्यचर्या विवरण**

इस पाठ्यक्रम की प्रकृति वैकल्पिक है, जिसका उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास के संदर्भ में सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्रासंगिकता से परिचय कराना है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य स्वास्थ्य और सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका से संबंधित महत्त्वपूर्ण मुद्दों को समझना है। इस पाठ्यक्रम का औचित्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों और उन्हें सुधारने के तरीकों के बारे में जागरूक करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सार्वजनिक स्वास्थ्य की अवधारणा और पहलुओं की समझ विकसित करना।
- स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के विभिन्न आयामों को समझेगें।
- सामाजिक विकास को एक पहलू के रूप में स्वास्थ्य की बदलती अवधारणा के रूप में जानेगे।
- देश में स्वास्थ्य परिदृश्य के संदर्भ में स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों का एक महत्त्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य के प्रति समझ विकसित होगी।
- विभिन्न स्वास्थ्य व्यवस्था में प्रासंगिकता और समाज कार्य हस्तक्षेप की प्रकृति को समझेंगे।
- स्वास्थ्य और सामाजिक विकास पर अलग-अलग दृष्टिकोण की प्राप्ति और समाज कार्य व्यवसाय की समझ विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1 **स्वास्थ्य देखभाल**	1. **स्वास्थ्य और रोग की अवधारणा:** स्वास्थ्य: अर्थ, घटक, स्वास्थ्य के निर्धारक, एक समुदाय में लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के संकेतक - एमएमआर, आईएमआर, जीवन प्रत्याशा, रोग: कारण और रोकथाम, रोगों का वर्गीकरण	2	1		9	15.00
	2. **विश्व का स्वास्थ्य परिदृश्य**: सामाजिक विकास के एक पहलू के रूप में स्वास्थ्य एवं सकारात्मक स्वास्थ्य की अवधारणा	2	1	।		
	3. **चिकित्सा के प्रकार एवं हस्तक्षेप :** सामाजिक चिकित्सा, निवारक चिकित्सा, सामुदायिक चिकित्सा का विकास और विकास तथा हस्तक्षेप के स्तर।	2	1			
मॉड्यूल-2 **भारत में स्वास्थ्य**	1. **भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य**: स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और रोग, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य की अवधारणा, एक समुदाय में स्वास्थ्य के संकेतक	2	1		9	15.00
	2. **भारत का स्वास्थ्य परिदृश्य:** महामारी विज्ञान, प्रमुख संचारी और गैर-संचारी रोग और उसकी कारण मीमांसा (एटियलजि)	2	1			
	3. **सार्वजनिक स्वास्थ्य और सीमांत समूह :** उपलब्धता, सुगमता और मितव्ययिता के मुद्दे	2	1			
मॉड्यूल-3 **संस्थागत स्वास्थ्य देखभाल**	1. **हेल्थकेयर समाज कार्य और सामुदायिक स्वास्थ्य** : स्वास्थ्य सेटिंग्स (प्रतिवेश) में समाज कार्य अभ्यास का ऐतिहासिक विकास, समुदाय आधारित समाज कार्य दृष्टिकोण, बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण	2	2		12	20.00
	2. **संस्थागत स्वास्थ्य सेवाओं में समाज कार्य अभ्यास के क्षेत्र:** व्यवहार परिवर्तन संचार, सामाजिक सहायता, सामाजिक सहायता रणनीतियों, उपचार के पालन की समस्याएं, परामर्श और पुनर्वास, धर्मशाला और उपशामक देखभाल	3	2			
	3. **स्वास्थ्य विस्तार और सामुदाय की पहुँच में सेवाएं:** सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की डिजाइनिंग, कार्यान्वयन और निगरानी, इंटरसेक्टोरल सहयोग की सुविधा, सामुदायिक दृष्टिकोण और स्वास्थ्य व्यवहार।	2	1			
मॉड्यूल-4 **विभिन्न परिवेश में समाज कार्य**	1. **विभिन्न सेटिंग्स (प्रतिवेश) में चिकित्सकीय सामाज कार्य:** एक संगठन के रूप में अस्पताल, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं के कार्य	2	2		8	13.33
	2. **सेटिंग्स (प्रतिवेश) 'अ' :** सामान्य अस्पताल, सरकारी, कॉर्पोरेट और निजी, विशिष्ट रोग अस्पताल, विशेष क्लिनिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रक्त बैंक, नेत्र बैंक, स्वास्थ्य शिविर	2	2			
	3. **सेटिंग्स (प्रतिवेश) 'ब'**: शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग, आश्रयालय, शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांगों के लिए आवासीय संस्थान तथा स्कूल।	2	2			
मॉड्यूल-5	1. **स्वास्थ्य सेवा में उभरती चिंताएं :** सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्वास्थ्य देखभाल में सहयोग:	2	1		18	30.00

स्वास्थ्य चुनौतियां एवं समाज कार्यकर्ता	व्यापक स्वास्थ्य देखभाल में एनजीओ और निजी क्षेत्र की भूमिका					
	2. **जमीनी स्तर पर सामाजिक लामबंदी (जुटाव) :** पीपुल्स हेल्थ मूवमेंट्स, **RCH:** अवधारणा, घटक, रणनीति और प्रजनन अधिकारों पर जोर, जमखेड परियोजना, शोधग्राम (**SEARCH**), आनंदवन, लोक बिरादरी प्रकल्प, आम्ही आमच्या आरोग्यासाठी, लेप्रेसी फाउंडेशन, स्वास्थ्य पर्यटन	3	2	10		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की अवधारणा को समझना।	सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज कार्यहस्तक्षेप के लिए कौशल विकसित करना।	स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों से संबंधितमहत्त्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानना।	सामुदायिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास पर मुख्य समझ विकसित करना।	सामाजिक विकास के एक पहलू के रूप में स्वास्थ्य की बदलती अवधारणा को समझना।	देश में स्वास्थ्य परिदृश्य के संदर्भ में स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के प्रति एक महत्त्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य विकसित करना।	विभिन्न स्वास्थ्य सेटिंग्स (प्रतिवेश) में प्रासंगिकता, क्षेत्रऔर समाज कार्य हस्तक्षेप की प्रकृति को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Carver, J., Ganus, A., Ivey, J. M., Plummer, T., & Eubank, A. (2016). The impact of mobility assistive technology devices on participation for individuals with disabilities. Disability and Rehabilitation: Assistive Technology, 11(6), 468-477. 2. Jensen, L. (2014). User perspectives on assistive technology: a qualitative analysis of 55 letters from citizens applying for assistive technology. World Federation of Occupational Therapists Bulletin, 69(1), 42-45. 3. McKenzie, K., Milton, M., Smith, G., & Ouellette-Kuntz, H. (2016). Systematic review of the prevalence and incidence of intellectual disabilities: current trends and issues. Current Developmental Disorders Reports, 3(2), 104-115. 4. Grech, S., Soldatic, K. (Eds.) (2016). Disability in the global south, critical handbook. Springer, Cham. 5. Gupta, J., & Vegelin, C. (2016). Sustainable development goals and inclusive development. International environmental agreements: Politics, law and economics, 16(3), 433-448. 6. Rousso, H. (2015). Education for All: a gender and disability perspective. UNESCO 7. Liasidou, A. (2014). Critical disability studies and socially just change in higher education. British Journal of Special Education, 41(2), 120-135. 8 Lancioni, G. E., & Singh, N. N. (Eds.). (2014). Assistive technologies for people with diverse abilities. Springer Science & Business Media. 9 Federici, S., Scherer, M. J., & Borsci, S. (2014). An ideal model of an assistive technology assessment and delivery process. Technology and disability, 26(1), 27-38. 10 Lancioni, G., & Singh, N. (2014). Assistive technologies for people with diverse abilities. New York: Springer. 11 Ahmad, F. K. (2015). Use of assistive technology in inclusive education: Making room for diverse learning needs. Transcience, 6(2), 62-77. 12 World Bank (2007). Disability in India: From Commitments to Outcomes. Working Paper, 2007, Washington DC 13 Goodley, D. (2016). Disability studies: An interdisciplinary introduction. Sage. 14 Mitra, S., Posarac, A., & Vick, B. (2013). Disability and poverty in developing countries: a multidimensional study. World Development, 41, 1-18 15 ILO (2014). World Social Protection Report 2014/15: Building economic recovery, inclusive development and social justice 16 WHO/World Bank (2017). World Report on Disability, http://apps.who.int/iris/bitstream/handle/10665/70670/WHO _NMH_VIP_11.01_eng.pdf,jsessionid= 418934372B87E60641686BA00 ABB4C25?sequence=1 17 Lockwood, E., & Tardi, R. (2014). The inclusion of persons with disabilities in the implementation of the 2030 agenda for sustainable development. *Development, 57*(3-4), 433-437. 18 Albrecht, G. L., Seelman, K. D., & Bury, M. (eds.) (2001). *Handbook of Disability Studies*. California: Sage Publications.

		19 Karna, G. N. (2001). *Disability studies in India: Retrospect and prospects.* New Delhi: Gyan Publishing House. 20 Puri, M., & Abraham, G. (eds.) (2004). *Handbook of inclusive education for educators, administrators and planners: within walls, without boundaries*. New Delhi: Sage Publications. 21 Halder, S., Assaf, L. C., & Keeffe, M. (2011). Disability and Inclusion: Current Challenges. *In Inclusion, Disability and Culture* (pp. 1-11). Springer, Cham.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Baru, R.V. 1998 Private Health Care in India: Social Characteristics and Trends. New Delhi: Sage Publications. 2. Burman, P. & Khan, M.E. 1993 Paying for India's Health Care. New Delhi: Sage Publications. 3. Dasgupta, M. & Lincoln, C. C. 1996 Health, Poverty and Development in India. New Delhi: Oxford University Press. 4. Dhillon, H.S. & Philip, L. 1994 Health Promotion and Community Action for Health in Developing Countries. Geneva: WHO. 5. Drinka, T. J. K. & Clark, P.G. 2000 Health Care Teamwork: Interdisciplinary Practice and Teaching. Westport, CT: Auburn House. 6. Germain, C.B. 1993 Social Work Practice in Health Care: An Ecological Perspective. New York: The Free Press. 7. Katja, J. (Ed.) 1996 Health Policy and Systems Development. Geneva: WHO. 8. Oak, T.M. (Ed.) 1991 Sociology of Health in India. Jaipur: Rawat Publications. 9. Park, K. 2011 Textbook of Prevention and Social Medicine (21st edition). Jabalpur: Banarsidas Bhanot. 10. Phillips, D. R. & Verhasselt, Y. 1994 Health and Development. London: Routledge. 11 . Pragna Pai ,2002 ,effective Hospital management , National book depo. 12. WHO 1978 Primary Health Care: A Joint Report by Director General of WHO and Director of UNICEF. International Conference on Primary Health Care. Alma Ata: USSR. 12. Yesudian, C.A.K (ed.) 1991 Primary Health Care. Mumbai: Tata Institute of Social Sciences. 13. Hiramani, A.B. 1996 Health Education: An Indian Perspective. New Delhi: B. R. Publishing Corporation. 14. Macdonald, G. & Peterson, J. L. (Eds.) 1992 Health Promotion: Disciplines and Diversities. London: Routledge. 15. McLeod, E., & Bywaters, P. 2000 Social Work, Health and Equality. London: Routledge. 16. Nadkarni, V.V. 1985 Proceedings of the Seminar on Changing Trends in Healthcare and Implications for Social Work. Bombay: Tata Institute of Social Sciences. 17. Rao, M. (Ed.) 1999 Disinvesting in Health: The World Bank's Prescriptions for Health. New Delhi: Sage Publications. 18. Sundaram, T. 1996 Reaching Health to the Poor, Sourcebook on District Health Management. New Delhi: VHAI. 19. Voluntary Health Association of India 1995 Reproductive Health and Reproductive Rights. New Delhi: VHAI. 20. Voluntary Health Association of India 1997 Report of the Independent Commission on Health in India. New Delhi: VHAI. 21. Voluntary Health Association of India 1992 State of India's Health. New Delhi: Voluntary Health Association of India 22 essentials of public health &Sanitation Part II, 2002by All India Institute of local self-government
3	ई-संसाधन	http://nhsrcindia.org/community-processes http://164.100.158.44/index1.php?lang=1&level=1&sublinkid=6471&lid=4270 https://mohfw.gov.in/ http://www.who.int/publications/en/

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामुदायिक विकास परिचय
Name of the Course: Community Development Introduction

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 07 C

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) **:**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

यह पाठ्यक्रम सामुदायिक विकास की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से संबोधित करता है। इसमें विद्यार्थियों के लिए एक संसाधन के रूप में कार्य करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। इसका उपयोग विद्यार्थियों को बेहतर बनाने हेतु समुदाय की अवधारणा, सामुदायिक विकास का इतिहास, सामुदायिक विकास हेतु कार्यरत संगठन, वर्तमान सामुदायिक विकास को प्रभावित करने वाली स्थितियाँ, परिस्थितियाँ, रणनीतियों और तकनीक का उचित प्रयोग करना सिखाता है। साथ ही यहा विद्यार्थियों में सामुदायिक संगठन की द्वैत अवधारणा से परिचित करता है और द्वैत अवधारणा के प्रक्रियागत स्वरूप में विद्यार्थियों को अभ्यास करने के विभिन्न दक्षताओं को परिपूर्ण करता है। इस पाठ्यक्रम की सभी जानकारी समुदाय को बेहतर बनाने के लिए कई तरीकों को सिखाता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

- समुदाय का अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं विशेषताओं की समझ विकसित करेगा।
- विकास के विमर्श एवं विकास की बदलती संकल्पना को समझ पाएगा।
- वृद्धि एवं विकास के भेद की समझ विकसित करेगा।
- सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों की पहचान करेगा।

- सामुदायिक विकास में समाज कार्य हस्तक्षेप की समझ होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **समुदाय की अवधारणा**	1. **समुदाय का परिचय:** समुदाय का अर्थ संकल्पना, भिन्नताएँ, संस्कृति, धार्मिक, सामाजिक, राजकीय अंग	2	1		11	18.33
	2. **समुदाय के उभरते प्रकार** : समुदाय के पारंपरिक एवं समकालीन प्रकार	2	1			
	3. समुदाय की संरचनाएं : संस्कृति, धार्मिक, सामाजिक, एवं राजकीय संरचनाएं	2	1	2		
मॉड्यूल-2 **विकास की अवधारणा**	1. **विकास का परिचय :** अर्थ, संकल्पना, घटक	2	1		11	18.33
	2. **सामाजिक विकास :** अर्थ, संकल्पना, घटक	2	1	2		
	3.**आर्थिक विकास :** अर्थ, संकल्पना, घटक	2	1			
मॉड्यूल-3 **वृद्धि एवं विकास**	1. **वृद्धि एवं विकास :** अर्थ, संकल्पना, घटक एवं अंतर	2	2		13	21.66
	2. **विकास के निर्धारक :** सामाजिक, आर्थिक एवं राजकीय निर्धारक एवं आतंरिक एवं बाह्य निर्धारक	2	2	2		
	3. **विकास के सिद्धांत :** सामाजिक एवं आर्थिक विकास सिद्धांत	2	1			
मॉड्यूल-4 **विभिन्न अर्थव्यवस्थाएं**	1. **समाजवादी, पूंजीवादी एवं लोकतान्त्रिक अर्थव्यवस्था** : अर्थ, संकल्पना, घटक एवं अंतर	2	2		14	23.33
	2. कल्याणकारी राज्य : अर्थ, संकल्पना, घटक एवं भारतीय संविधान के प्रावधान	2	2	2		
	3.योजना आयोग, निति आयोग, एवं एन. एस. एस. ओ.: अर्थ, संकल्पना, कार्य	2	2			
मॉड्यूल-5 **आर्थिक सुधारों की नीति**	1. उदारीकरण, नवउदारवाद, नगरीकरण, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण: अर्थ, संकल्पना एवं भारतीय समाज पर प्रभाव	2	2		11	18.33
	2. अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं सामुदायिक विकास : डब्ल्यू. टी. ओ, सयुक्त राज्य, वैश्विक बैंक	2	2			
	3. **यू एन डी पी :** अर्थ, संकल्पना एवं कार्य एवं एच डी आई	2	1			
योग		**30**	**22**	**8**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समुदाय का अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं विशेषताओं की समझ विकसित करना।	विकास के विमर्श एवं विकास की बदलती संकल्पना को समझ विकसित करना।	वृद्धि एवं विकास के भेद की समझ विकसित करना।	सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों की पहचान करना।	सामुदायिक विकास में समाज कार्य हस्तक्षेप की समझ विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Ahluwalia, I. J., Kanbur, S. M. R., & Mohanty, P. K. (2014). *Urbanization in India: challenges, opportunities and the way forward.* New Delhi: Sage 2. Chakravarty, S., Negi, R., & Chakravarty, S. (2016). *Space, planning and everyday contestations in Delhi*. New Delhi: Springer India. 3. DeFilippis, J., & Saegert, S. (2012). *The community development reader*. New York: Routledge. 4. Ferguson, R. F., & Dickens, W. T. (1999). *Urban problems and community development*. Washington, D.C.: Brookings Institution Press. 5. Jayaram, N. (2017). *Social dynamics of the urban: studies from india*. New Delhi: Springer. 6. Lemanski, C., & Marx, C. (2015). *The city in urban poverty.* New York: Palgrave Macmillan.

		7. Joshi, Deepali Pant (2006) Poverty and sustainable Development, New Delhi : GyanBooks. 8. Mishra & Puri (1995) Indian Economy, Mumbai: Himalaya Publication House. 9. Petras, James & Veltmeyer, Henry (2001) Globalization Unmasked- Imperialisminthe 21st Century,NewDelhi: Madhyam Books. 10. Pillai, G.M(Ed.) (1999) Challengesof Agricultureinthe21st Century, Pune: Maharashtra Councilof AgriculturalEducation andResearch. 11. Simon David,Narman Anders (1999) Developmentas Theory and Practice– Current Perspectiveson Development,Longman– UK.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1, Kalam Abdul A.P.J. & Singh Srijan Pal, Advantage India from Challenge to Opportunity, 2015, 2. Bhowmik, Debesh(2007) Economics of Poverty, New Delhi : Deep & Deep Publications. 3. Dutta,RudarS.,(1985) Indian Economy,NewDelhi : S. Chand&Company 4. Hajela,T.N.CYearcooperation Principles Problems andPractice(6thEdition),Delhi :Konark Publishers. 5. Higgott,RichardA.(1982) PoliticalDevelopment Theory:The Contemporary Debates Taylor& Francis Group. 6. Jhunjhunwala , Bharat. Globalization and Indian Economy, New Delhi :Gyan Book Pvt. Ltd. 7. Mazumdar, S., & Sharma, A. N. (2013). *Poverty and social protection in urban India: targeting efficiency and poverty impacts of the targeted public distribution system*. New Delhi: Institute for Human Development. 8. Morgan, B. (2011). *Water on tap: Rights and regulation in the transnational governance of urban water services*. Delhi: Cambridge University Press. 9. Mukherjee, J. (2018). *Sustainable urbanization in india: challenges and opportunities.* Singapore: Springer. 10. Rajeev, M., & Vani, B. (2017). *Financial access of the urban poor in India: a story of exclusion*. New Delhi: Springer. 11. Saglio-Yatzimirsky, M. C., & Landy, F. (2014). *Megacity slums: Social exclusion, space and urban policies in Brazil and India*. London: Imperial College Press. 12. Kala, S. S., & Wan, G. (2016). *Urbanization in Asia: governance, infrastructure and the environment.* New Delhi: Springer India. 13. Van den Dool, L., Hendriks, F., Gianoli, A., & Schaap, L. (2015). *The quest for good urban governance: Theoretical reflections and international practices.* Wiesbaden: Springer. 14. Williams, C. (2016). *Social work and the city: Urban themes in 21st-century social work.* London: Macmillan.
3	ई-संसाधन	http://mohua.gov.in/ https://unhabitat.org/

1. पाठ्यचर्या का नाम: कार्पोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर)
Name of the Course: Corporate Social Responsibility (CSR)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	22
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 08 A
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

कार्पोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) इस विशेष पाठ्यक्रम की मूल अवधारणा में निहित व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ सामाजिक लक्ष्यों का परिचय देता है। यह विद्यार्थियों को यह समझने में मदद करता है कि कॉर्पोरेट व्यावसायिक लक्ष्यों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है और यह कॉर्पोरेट को समाज के प्रति कैसे सामाजिक समस्या और उनके समाधान के प्रति जागरूक करने मदद कर सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का उद्योग या संगठन में समाज की रुचि के प्रति रुझान लाई जा सकती है। इसके साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में एक संगठन के भीतर सीएसआर के नियमों और उसके लागू करने की विभिन्न प्रविधियों की समझ विकसित करता है। इससे केवल आर्थिक संरचनाओं में ही बदलाव नहीं होगा वरन सामाजिक संरचनाओं में भी अवश्यसंभावी परिवर्तन होंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- कार्पोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी (CSR), कॉरपोरेट गवर्नेंस (CG) और दुनिया के सामने आने वाले व्यापारिक तथा उससे संबंधित सामाजिक मुद्दों और दृष्टिकोणों के बीच आंतरिक अंतर्निर्भरता की समझना विकिसित करेगा।
- विश्व के भिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में CSR के बीच अंतर्निहित सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाएगा।
- 'जिम्मेदारी' के संदर्भ में सरकारों, निगमों, कानूनी प्रणालियों, समाजों, व्यक्तियों और पर्यावरण की भूमिकाओं को बताएगा।

- कंपनियों के लिए सीएसआर जनादेश का विश्लेषण करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सीएसआर एवं समाज कार्य**	1. **सीएसआर का परिचय:** सीएसआर का अर्थ और परिभाषा एवं इतिहास और विकास, परोपकार की अवधारण	2	1		**11**	**18.33**
	2. **सीएसआर और नीतिगत प्रशासन के बीच संबंध:** स्वरूप एवं संरचना	2	1	1		
	3. **सीएसआर एवं व्यावसायिक समाज कार्य :** संकल्पना, अर्थ एवं भूमिका	2	1	1		
मॉड्यूल-2 सीएसआर विधान	1. **सीएसआर विधान :** भारत एवं वैश्विक	2	1		**10**	**16.66**
	2. **कंपनी अधिनियम 2013 :** कंपनी अधिनयम 2013 की धारा 135	2	1			
	3. **सीएसआर गितिविधियां :** अनुसूची **VII** के तहत सीएसआर गितिविधियों के लिए स्कोप	2	1	1		
मॉड्यूल-3 **भारत में सीएसआर**	1. **भारत में सीएसआर उद्भव :** ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान और भारत के सीएसआर के ड्राइवर्स	2	2		**12**	**20.00**
	2. **भारत में सीएसआर के मॉडल :** सांस्कृतिक एवं समकालीन	2	2			
	3. भारत में सीएसआर पहल : जरूरत एवं उपयोग और इतिहास एवं वर्तमान	2	1	1		
मॉड्यूल-4 **सीएसआर और सामाजिक संगठन एवं समाज कार्यकर्ता**	1. **सीएसआर समाज कार्यकर्ता की भूमिकाएं :** सीएसआर के प्रमुख हितधारकों की पहचान करना और उनकी भूमिकाए एवं सीएसआर को लागू करने में गैर लाभकारी और स्थानीय स्वशासन की भूमिका	2	2	2	**15**	**25.00**
	2. **सीएसआर के समकालीन मुद्दे :** संरचनात्मक, सामजिक, आर्थिक एवं राजकीय	2	2	1		
	3. निगमित फाउंडेशन की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां : चुनौतियां एवं अवसर	2	2			
मॉड्यूल-5 **वर्तमान सीएसआर मामले**	1. सीएसआर में वर्तमान रुझान और अवसर : सतत विकास के लिए एक रणनीतिक व्यापार उपकरण के रूप में सीएसआर	2	2	1	**12**	**20.00**
	2. सीएसआर की सफल कॉर्पोरेट पहलों और चुनौतियों की समस्या	2	2			
	3. प्रमुख सीएसआर पहल केस स्टडीज	2	1			
योग		**30**	**22**	**8**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सीएसआर के दायरे और जटिलता को समझना।	सीएसआर से संबंधित बहु हितधारक को रेखांकित करना॥	बड़े पैमाने पर समाज को कॉर्पोरेट की दृष्टि और मिशन की समझ निर्मित करना।	विभिन्न संगठनों के सीएसआर के प्रति प्रतिबद्धता के स्तर का मूल्यांकनकरना।	कॉर्पोरेट संस्कृति पर सीएसआर के प्रभाव का विश्लेषण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी- पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Corporate Social Responsibility: An Ethical Approach - Mark S. Schwartz 2. The World Guide to CSR - Wayne Visser and Nick Tolhurst 3. Innovative CSR by Lelouch, Idowu and Filho 4. Corporate Social Responsibility in India - Sanjay K Agarwal 5. Handbook on Corporate Social Responsibility in India, CII, 6. Handbook of Corporate Sustainability: Frameworks, Strategies and Tools - M. A.

		Quaddus, Muhammed Abu B. Siddique 7. Growth, Sustainability, and India's Economic Reforms - Srinivasan 8. Corporate Social Responsibility: Concepts and Cases: The Indian - C. V. Baxi, Ajit Prasad 9. Mallin, Christine A., Corporate Governance (Indian Edition), Oxford University Press, New Delhi 10. Blowfield, Michael, and Alan Murray, Corporate Responsibility. Oxford University Press. 11. Francesco Perrini, Stefano, and Antonio Tencati, Developing Corporate Social Responsibility-A European Perspective, Edward Elgar. University of Delhi. 12. Sharma, J.P., Corporate Governance, Business Ethics & CSR, Ane Books Pvt Ltd, New Delhi. 13. Sharma, J.P., Corporate Governance and Social Responsibility of Business, Ane Books Pvt. Ltd, New Delhi.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामुदायिक स्वास्थ्य: नीतियां एवं योजनाएं
Name of the Course: Community Health: Policies and Plans

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 08 B

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

इस पाठ्यक्रम की प्रकृति वैकल्पिक है, जिसका उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास के संदर्भ में सामुदायिक स्वास्थ्य और संबंधित नीतियों एवं योजनाओं की प्रासंगिकता से परिचय कराना है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य सामाजिक कार्यकर्ता को सामुदायिक स्वास्थ्य और संबंधित नीतियों एवं योजनाओं के जानकारी से परिपूर्ण करना है। इस पाठ्यक्रम का औचित्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों और उन्हें सुधारने के तरीकों के बारे में जागरूक करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- सार्वजनिक स्वास्थ्य की अवधारणा और पहलुओं की समझ विकसित होगी।
- स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के विभिन्न आयामों की समझ विकसित होगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों की समझ विकसित होगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं की समझ बनेगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों एवं योजनाओं कि उपलब्धता, पहुँच और मितव्ययिता की समझ विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1 **स्वास्थ्य सेवाएँ और कार्यक्रम**	1. स्वास्थ्य सेवाएँ और कार्यक्रम	2	1			11	
	2. भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की संरचना: प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर स्वास्थ्य सेवा संरचना और उनके कार्य	2	1		1		
	3. प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा: अवधारणा, उपलब्धता के मुद्दे, स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और पहुंच, भारत में पोस्ट अल्मा घोषणा पहल, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	2	1		1		
मॉड्यूल-2 **स्वास्थ्य योजना और नीति**	1. स्वास्थ्य योजना और नीति का महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन : राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियां और कार्यक्रम, वर्तमान स्वास्थ्य नीतियां और स्वास्थ्य योजना, **WHO** की भूमिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे यूनिसेफ आदि।	2	1			11	
	2. स्वास्थ्य योजना और नीति : राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017, आरसीएच और एनसीडी पर फोकस के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा नेटवर्क	2	1		1		
	3. स्वास्थ्य सांख्यिकी : एचएमआईएस, एनएफएचएस, एसआरएस, जनगणना और पंचवर्षीय योजनाओं में स्वास्थ्य योजना।	2	1		1		
मॉड्यूल-3 **प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य**	1. प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य : जननी शिशु सुरक्षा कार्यकम (**JSSK**), राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यकम (**RKSK**), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कल्याण (**RBSK**), यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम मिशन इन्द्रधनुष, जननी सुरक्षा योजना (**JSY**), प्रधानमंत्री सुरक्षा अभियान अभियान (**PMSMA**), नवजात शिशु सुरक्षा अभियान (**NSSK**), परिवार नियोजन का राष्ट्रीय कार्यक्रम	2	2			14	
	2. राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम : राष्ट्रीय आयोडीन की कमी विकार नियंत्रण कार्यक्रम, शिशु और युवा बच्चों के लिए **MAA (**मदर्स एब्सोल्यूट अफेक्शन) कार्यक्रम, फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीएफ), एनीमिया नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल, राष्ट्रीय विटामिन ए प्रोफिलैक्सिस प्रोग्रेम, एकीकृत बाल विकास सेवा (**ICDS**), मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	3	2		1		
	3. स्वास्थ्य प्रणाली कार्यक्रमों को मजबूत बनाना : आयुष्मान भारत योजना प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (**PMSSY**), **LaQshya** का कार्यक्रम (श्रम कक्ष गुणवत्ता सुधार पहल), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (**NDHM**	2	1	)	1		
मॉड्यूल-4 **संचारी रोग गैर - संचारी रोग**	1. संचारी रोग : एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (**IDSP**), संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (**RNTCP**), राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (**NLEP**), राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (**NACP**), पल्स पोलियो कार्यक्रम, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम, एंटी माइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) के कंटेनर पर राष्ट्रीय कार्यक्रम	2	2			14	
	2. गैर - संचारी रोग : राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (**NTCP**), कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (**NPCDCS**),	2	2		1		

	व्यावसायिक रोगों के नियंत्रण उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, बधिरता की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, अंधापन और दृश्य हानि के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य देखभाल हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (**NPHCE**), बरनिंग इंजुरिज की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (**NPPMBI**), राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम						
	3. सम्बंधित मंत्रालय एवं संस्थाए महिला एवं बाल विकास, स्वस्थ एवं परिवार कल्याण, आयुष, AIIMS, ICMR	2	2		1		
मॉड्यूल-5 **स्वास्थ्य देखभाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और सहयोग**	1. स्वास्थ्य देखभाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और सहयोग स्वास्थ्य देखभाल में एनजीओ और निजी क्षेत्र की भूमिका, स्वास्थ्य सेवा वितरण में गुणवत्ता- एनएबीएच और अन्य मान्यता	2	1		1	10	
	2. संक्रमण की रोकथाम और अपशिष्ट प्रबंधन आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का महत्व, जनसांख्यिकी और स्वास्थ्य बीमा को समझना।	3	2		1		
योग		**30**	**20**	**10**		**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सार्वजनिक स्वास्थ्य की अवधारणा और पहलुओं की समझ निर्मित करना।	स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के विभिन्न आयामों को समझना।	सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बंधित नीतियों को समझना।	सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बंधित योजनाओं को समझना।	सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों एवं योजनाओं कि उपलब्धता, पहुँच और मितव्ययिता की समझ विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Carver, J., Ganus, A., Ivey, J. M., Plummer, T., & Eubank, A. (2016). The impact of mobility assistive technology devices on participation for individuals with disabilities. Disability and Rehabilitation: Assistive Technology, 11(6), 468-477. 2. Jensen, L. (2014). User perspectives on assistive technology: a qualitative analysis of 55 letters from citizens applying for assistive technology. World Federation of Occupational Therapists Bulletin, 69(1), 42-45. 3. McKenzie, K., Milton, M., Smith, G., & Ouellette-Kuntz, H. (2016). Systematic review of the prevalence and incidence of intellectual disabilities: current trends and issues. Current Developmental Disorders Reports, 3(2), 104-115. 4. Grech, S., Soldatic, K. (Eds.) (2016). Disability in the global south, critical handbook. Springer, Cham. 5. Gupta, J., & Vegelin, C. (2016). Sustainable development goals and inclusive development. International environmental agreements: Politics, law and economics, 16(3), 433-448. 6. Rousso, H. (2015). Education for All: a gender and disability perspective. UNESCO 7. Liasidou, A. (2014). Critical disability studies and socially just change in higher education. British Journal of Special Education, 41(2), 120-135. 8 Lancioni, G. E., & Singh, N. N. (Eds.). (2014). Assistive technologies for people with diverse abilities. Springer Science & Business Media. 9 Federici, S., Scherer, M. J., & Borsci, S. (2014). An ideal model of an assistive technology assessment and delivery process. Technology and disability, 26(1), 27-38. 10 Lancioni, G., & Singh, N. (2014). Assistive technologies for people with diverse abilities. New York: Springer. 11 Ahmad, F. K. (2015). Use of assistive technology in inclusive education: Making room for diverse learning needs. Transcience, 6(2), 62-77. 12 World Bank (2007). Disability in India: From Commitments to Outcomes. Working Paper, 2007, Washington DC 13 Goodley, D. (2016). Disability studies: An interdisciplinary introduction. Sage. 14 Mitra, S., Posarac, A., & Vick, B. (2013). Disability and poverty in developing countries: a multidimensional study. World Development, 41, 1-18 15 ILO (2014). World Social Protection Report 2014/15: Building economic recovery, inclusive development and social justice 16 WHO/World Bank (2017). World Report on Disability, http://apps.who.int/iris/bitstream/handle/10665/70670/WHO _NMH_VIP_11.01_eng.pdf,jsessionid= 418934372B87E60641686BA00 ABB4C25?sequence=1 17 Lockwood, E., & Tardi, R. (2014). The inclusion of persons with disabilities in the implementation of the 2030 agenda for sustainable development. *Development,* 57(3-4), 433-437. 18 Albrecht, G. L., Seelman, K. D., & Bury, M. (eds.) (2001). *Handbook of Disability Studies.* California: Sage Publications. 19 Karna, G. N. (2001). *Disability studies in India: Retrospect and prospects.* New Delhi: Gyan Publishing House.

		20 Puri, M., & Abraham, G. (eds.) (2004). *Handbook of inclusive education for educators, administrators and planners: within walls, without boundaries*. New Delhi: Sage Publications. 21 Halder, S., Assaf, L. C., & Keeffe, M. (2011). Disability and Inclusion: Current Challenges. *In Inclusion, Disability and Culture* (pp. 1-11). Springer, Cham.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Baru, R.V. 1998 Private Health Care in India: Social Characteristics and Trends. New Delhi: Sage Publications. 2. Burman, P. & Khan, M.E. 1993 Paying for India's Health Care. New Delhi: Sage Publications. 3. Dasgupta, M. & Lincoln, C. C. 1996 Health, Poverty and Development in India. New Delhi: Oxford University Press. 4. Dhillon, H.S. & Philip, L. 1994 Health Promotion and Community Action for Health in Developing Countries. Geneva: WHO. 5. Drinka, T. J. K. & Clark, P.G. 2000 Health Care Teamwork: Interdisciplinary Practice and Teaching. Westport, CT: Auburn House. 6. Germain, C.B. 1993 Social Work Practice in Health Care: An Ecological Perspective. New York: The Free Press. 7. Katja, J. (Ed.) 1996 Health Policy and Systems Development. Geneva: WHO. 8. Oak, T.M. (Ed.) 1991 Sociology of Health in India. Jaipur: Rawat Publications. 9. Park, K. 2011 Textbook of Prevention and Social Medicine (21st edition). Jabalpur: Banarsidas Bhanot. 10. Phillips, D. R. & Verhasselt, Y. 1994 Health and Development. London: Routledge. 11 . Pragna Pai ,2002 ,effective Hospital management , National book depo. 12. WHO 1978 Primary Health Care: A Joint Report by Director General of WHO and Director of UNICEF. International Conference on Primary Health Care. Alma Ata: USSR. 12. Yesudian, C.A.K (ed.) 1991 Primary Health Care. Mumbai: Tata Institute of Social Sciences. 13. Hiramani, A.B. 1996 Health Education: An Indian Perspective. New Delhi: B. R. Publishing Corporation. 14. Macdonald, G. & Peterson, J. L. (Eds.) 1992 Health Promotion: Disciplines and Diversities. London: Routledge. 15. McLeod, E., & Bywaters, P. 2000 Social Work, Health and Equality. London: Routledge. 16. Nadkarni, V.V. 1985 Proceedings of the Seminar on Changing Trends in Healthcare and Implications for Social Work. Bombay: Tata Institute of Social Sciences. 17. Rao, M. (Ed.) 1999 Disinvesting in Health: The World Bank's Prescriptions for Health. New Delhi: Sage Publications. 18. Sundaram, T. 1996 Reaching Health to the Poor, Sourcebook on District Health Management. New Delhi: VHAI. 19. Voluntary Health Association of India 1995 Reproductive Health and Reproductive Rights. New Delhi: VHAI. 20. Voluntary Health Association of India 1997 Report of the Independent Commission on Health in India. New Delhi: VHAI. 21. Voluntary Health Association of India 1992 State of India's Health. New Delhi: Voluntary Health Association of India 22 essentials of public health &Sanitation Part II, 2002by All India Institute of local self-government
3	ई-संसाधन	http://nhsrcindia.org/community-processes http://164.100.158.44/index1.php?lang=1&level=1&sublinkid=6471&lid=4270 https://mohfw.gov.in/ http://www.who.int/publications/en/

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: जनजातीय सामुदायिक विकास
Name of the Course: Tribal Community Development
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 08 C
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: तृतीय
5. पाठ्यचर्या विवरण:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

यह पाठ्यक्रम जनजातीय सामुदायिक विकास प्रक्रिया को पूर्ण रूप से संबोधित करता है। इसमें विद्यार्थियों के लिए एक संसाधन के रूप में कार्य करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। इसका उपयोग विद्यार्थियों में जनजातीय समुदाय की समझ को बेहतर बनाने हेतु जनजाति की अवधारणा, उनकी सामाजिक स्थितियों, संस्कृति, रीति-रिवाजों, शक्ति संरचना, जनजातीय विकास की अवधारणा, जनजातीय विकास योजनाएं, सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिकाएं एवं एकीकृत जनजातीय विकास की अवधारणा आदि पर पाठ्यक्रम का केंद्र रहा है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जनजातीय समूह के साथ कार्य करने में सक्षम बनाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____ (Course Learning Outcomes)

- जनजाति की अवधारणा, अर्थ और परिभाषा, उनकी सामाजिक स्थितियों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और शक्ति संरचना की समझ विकसित करेगा।
- विशेष रूप से, कमजोर जनजातीय समूहों एवं जनजातीय मुद्दे की समझ विकसित करेगा।
- आदिवासी विकास योजनाओं की समझ विकसित करना।
- जनजातीय समाज की सामाजिक, स्वास्थ्य समस्याएँ और आर्थिक एवं राजनीतिक चिंताओं से परिचित होगा।
- आदिवासी विकास के संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिकाओं की पहचान करेगा।
- एकीकृत जनजातीय विकास की अवधारणा, परिभाषा और अर्थ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **जनजाति परिचय एवं संवैधानिक प्रावधान**	1. **जनजाति की पहचान:** जनजातियों और अनुसूचित जनजाति की परिभाषा, संकल्पना और चरित्र, जनजातीय जनसांख्यिकी, भारत में प्रमुख जनजातियां,	2	1		11	18.33
	2. **आदिवासी समाज:** परंपराएं और संस्कृति आदिवासी परिवार, विवाह और रिश्तेदारी, युवागृह, आदिवासी कबीले संगठन, आदिवासी रीति-रिवाज, लोकगीत	3	1			
	3. **जनजातीय आर्थिक प्रणाली का परिचय**: जनजातीय और वन अर्थव्यवस्था, वन माल और हाल के कानूनी प्रावधान: माल विनिमय (वस्तु विनिमय) विधि, संयुक्त वन प्रबंधन	3	1			

मॉड्यूल-2 **जनजातीय विकास और सरकार एवं समाज कार्य के अवसर**	1. **जनजातीय विकास और सरकार की भूमिका:** अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक प्रावधान, आदिवासी विकास योजनाएं। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के तहत जनजातीय विकास, स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका	2	1		11	18.33
	2. आदिवासी विकास में समाज कार्य के अवसर: एक क्षेत्र के रूप में एवं प्रयुक्त पद्धतियां, चुनौतियां एवं अवसर	3	1			
	3. **जनजातीय राजनीतिक प्रणाली और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs) :** जनजातीय शक्ति संरचना - पारंपरिक और संवैधानिक, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्र का विस्तार) अधिनियम **1997 (PESA),** परिभाषा, अवधारणा, चरित्र और महाराष्ट्र के **PVTGs** की जनसांख्यिकी।	3	1			
मॉड्यूल-3 **जनजातीय सामाजिक सरोकार एवं समस्याएँ**	1. **जनजातीय समाज की सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ: सामाजिक सरोकार:** संस्कृति और परंपराओं के संबंध में प्रवासन, शैक्षिक स्थिति, चुनौतियाँ, जाति प्रमाण पत्र और उसकी वैधता	2	1		11	18.33
	2. **स्वास्थ्य समस्याएँ:** कुपोषण, सिकल सेल रोग, त्वचा रोग, महिलाओं के स्वास्थ्य, पारंपरिक प्रथाएं, पेयजल और स्वास्थ्य	3	1			
	3. **आर्थिक और राजनीतिक चिंताएं:** लघु वनोपज (एमएफपी), रोजगार, विकासात्मक परियोजनाओं का प्रभाव, विस्थापन-अलगाव, भूमि अलगाव, वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में आदिवासियों की स्थिति	3	1			
मॉड्यूल-4 **जनजातीय विकास प्रशासन**	1. **नक्सली आंदोलन और आदिवासी:** नक्सली आंदोलन का आदिवासियों पर प्रभाव	2	1		11	18.33
	2. **जनजातीय विकास के लिए प्रशासनिक संरचना:** केंद्रीय, राज्य स्तर की भूमिका और आदिवासी विकास में प्रशासन की संरचना और कार्य	3	1			
	3. **जनजातीय योजनाएं:** आदिवासी उप-योजनाए, एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी), संशोधित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण और मिनी माडा अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्र।	3	1			
मॉड्यूल-5 **जनजातीय विकास संस्थान**	1. जनजातीय विकास के लिए संस्थान : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग **(NCST),** जनजातीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान **(TRTI),** भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ, जाति सत्यापन और वैधता समिति, आदिवासी विकास निगम	2	1		16	26.66
	2. संवैधानिक प्रावधान : अनुच्छेद : **342, 366, 15**, **16**, **19**, **46**, **335, 330**, **332, 334** एवं **338** ए	3	1			
	3. प्रमुख स्वैछिक कार्य : वनवासी कल्याण आश्रम, शोधग्राम, लोक बिरदारी प्रकल्प एवं अन्य	3	1	5		
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि

तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जनजाति की अवधारणा, अर्थ और परिभाषा, उनकी सामाजिक स्थितियों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और शक्ति संरचना को समझना।	विशेष रूप से, कमजोर जनजातीय समूहों एवं जनजातीय मुद्दे से परिचित होना।	जनजातीय समाज की सामाजिक, स्वास्थ्य समस्याएँ और आर्थिक एवं राजनीतिक चिंताओं से परिचित होना।	आदिवासी विकास के संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका से परिचित होना।	एकीकृत जनजातीय विकास की अवधारणा, परिभाषा और अर्थ के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Bogaert, M. V. D. et al (1975) : Training Tribal Entrepreneures : an experiment in social change, Social change, 5, (1-2), June, 1975. 2. Bogaert, M. V. D. et al (1973) : Tribal Entrepreneurs, ICSSR Research and Abstract Quarterly, July, 1973. 3. Gare, G.M., (1974) : Social Change Among the Tribals of Western Maharashtra. 4. Jain, P. O., Tribal Agrarian Movement: Case Study of the Shil Movement of Rajasthan. 5. Mishra, R. N., Tribal Cultural and Economy. Ritu Publication. 6. Ministry of Tribal Affairs (GOI): Annual Report 2016-2017 7. National Institute of Community Development, Hyderabad, 1974. Perspectives on Tribal

		Development and Administration : Proceedings of the Workshop held at NICD. 8. National Institute of Community, Integrated Tribal Development, Hyderabad, Proceedings of a seminar held at NICD, May, 1975. 9. Orissa, Tribal and Rural Development Department, Dec., 1975, Bhuvaneshwar: Seminar on Integrated Tribal Developments projects. 10. Patil K. S. (2014) Scheduled Tribes in India: issues and Challenges in 21st Century, Nagpur: BSPK Publication, ISBN: 978-93-84198-04-6 11. Pandey, G. (1979): Government's Approach to Tribal's Development: Some Rethinking, Prashasanika, 8 (1), 56-68, 1979. 12. Patel, M. L. (Ed.) (1972): Agro-economic problems of tribal India. Bhopal: Progress Publishers. 13. Problems and prospects of tribal development in Rajasthan. Vanyajati 23 (1) 3-12, Jan., 1975. 14. Rao, Ramona D.V.V., Tribal Development New Approaches. New Delhi: Discovery Publishing House. 15. Roy, P. K. M. (1980): Struggle against economic exploitation achievements by Mah. State Co.-op. Tribal Development Corporation. 1980. 16. Sachchidananda (1980) : Transformation in tribal society, issues, and policies, Journal of Social and Economic Studies, March, 1980. 17. Sharma, B. D. (1977): Administration for tribal Development, Indian Journal of Public Administration, 23 (3), July, 1977 18. Shah, D.V., (1979): Education and social change among Tribal in India 19. Shah, V. P. & Patel, T. (1985): Social Contexts of Tribal Education. New Delhi: Concept Publishing. 20. Sharma, K. S. : Agro-Forest based industries for accelerated growth of tribals, Indian Cooperative Review, Jan., 1975. 21. Shashi, Bairathi, Tribal Culture, Economy and Health. New Delhi: Rawat Publications 22. Singh, Ajit (1984): Tribal Development in India. Delhi: Amar Prakashan. 23. Vidyarthi, L. P. (ed.) : Tribal Development and its Administration, New Delhi, Concept, 1981.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Baviskar, Amita (2004) : In the Belly Of The River : Tribal Conflicts over Development in theNarmada Valley. New Delhi: Oxford University Press, Second Edition. 2. Beteille, A., (2006) :Society and Politics in India: Essays in a Comparative Perspective. Berg: Oxford International Publishers (reprinted). 3. Chauhan, V.S., (2009) : "Crystallizing Protest into Movement: Adivasi Community in History, Society and Literature" in G.N. Devy, Geoffrey V. Davis and K.K. Chakravarty (eds) Indigeneity: Culture and Representation, Hyderabad : Orient BlackSwan. 4. Mehta, B. H., (1984) : Gonds of the Central Indian Highlands : A Study of the Dynamics of Gond Society, (Volume One & Two). New Delhi : Concept Publishing House. 5. Munda, Ram Dayal [Undated]: "Introduction" in Indigenous and Tribal Solidarity, 6. Souvenir brought out by the Indian Confederation of Indigenous and Tribal People : New Delhi. 7. Madan, T. N., (1999) : "Introduction" In Religion in India (Ed) T.N. Madan, New Delhi: Oxford University Press. 8. Maharatna, Arup (2005) : Demographic Perspectives on India's Tribes New Delhi: OUP. 9. Patil K. S. (2014) Scheduled caste in India: issues and Challenges in 21st Century, Nagpur: BSPK Publication, ISBN: 978-93-84198-04-6 10. Patnaik, N., 1972 : Tribes and their Development, at study of two tribal development blocks in Orissa. Hyderabad : NICD. 11. Puri, V. K., 1978 : Planning for Tribal, Development, Yojana. 12. Report of All India Tribal Conference and National Seminar on Tribal Development, Guwahati, 1979. 13. Sendoc Bull, 1979: Role of Banks in Tribal Development, II, 7 (5). 14. Roy, Prodipto, (Ed.) 1964 : A study of the benefits accruing to the tribals in special multi-

		purpose tribal blocks, NICD, Hyderabad. 15. Sharma B. D. 1978 : Tribal Development – The concept and the Fame. 16. Sharma, B. D. 1981 : Planning for Dispersed Tribals, Kurukshetra. 17. Sinha, S. P. : Planned Change in tribal areas, Journal of Public Administration, 19 (3), July-Sept.1977. 18. Singh, B. 1977: tribal Development at Cross Road : a Critique and a Plea, Man in India, July. 19. Sub-plan for tribal development in Tamil Nadu, Vanyajiti, July, 1978. 20. Umapathi, B. E, 1979 : Review of Tribal Development in Karnataka, Man in India, July-Sept.1979. 21. Vidyarthi, L. P. : Tribal Development in Independent India and it's future, Man in India, Jan.,1974. 22. Vidyarthi, L. P., 1976: Development plans of the tribes of Andamana and Nicobar Island : An action oriented report, Journal of Social Research, 19 (2), Sept. 23. Xaxa, Virginius (2008): State, Society and Tribes: Issues in Post-Colonial India. New Delhi: Pearson-Longman. 24. Yadav and Misra 1980 : Impact of the tribal development programmes on employment, incomeand asset formation in Bastar, M.P.
3	ई-संसाधन	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** सामाजिक क्रिया
   Name of the Course: Social Action
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** MSW 09
   (Code of the Course)
3. **क्रेडिट:** 2
4. **सेमेस्टर:** तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	17
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं
कौशल विकास गतिविधियाँ	3
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य की प्रणालियों में से द्वितीयक प्रणाली सामाजिक क्रिया से परिचय कराता है और उन्हें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि कैसे समाज कार्य में बृहद अभ्यास को सामूहिकता और सामूहिक गतिविधि या हस्तक्षेप के माध्यम से संचालित किया जाता है। सामाजिक क्रिया प्रणाली सामाजिक न्याय के मूल्यों को बहाल करने और समाज कार्य अभ्यास में समानता और पुनर्वितरण, सशक्तिकरण एवं संरचनात्मक परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस पाठ्यक्रम का दूसरा भाग विद्यार्थियों को परिवर्तन और न्याय प्राप्ति में सामाजिक आंदोलनों की क्रियाविधि और उसके परिणाम की सराहना करने में सक्षम बनाता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य के मुख्य घटकों के रूप में जुडाव और अभ्यास में कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- सामाजिक वास्तविकताओं को बदलने के लिए सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांत की समझ विकसित होगी।
- संगठनात्मक संरचना , निर्णय लेने की प्रक्रिया, लक्ष्य, अंतर्निहित विचारधारा, रणनीति और रणनीति के संदर्भ में सामाजिक आंदोलनों का विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- अंक विश्लेषण, वकालत, पैरवी, प्रत्यक्ष गतिविधि और गठबंधन निर्माण में कौशल हासिल करना और उन्हें सामाजिक परिवर्तन लाने में उपयोग करना के लिए दक्ष होंगे।
- दुनिया भर में आयोजित सामाजिक आंदोलनों को अवलोकित करेंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक क्रिया परिचय**	1. सामाजिक क्रिया की अवधारणा, समाज कार्य हस्तक्षेप की एक विधि के रूप में सामाजिक क्रिया, सामाजिक विरोध, सामूहिक कार्रवाई, वकालत	1			5	16.66
	2. सामाजिक क्रिया का इतिहास और विकास	1	1			
	3. **सामाजिक क्रिया अवधारणाएँ और रणनीतियाँ :** सामाजिक क्रिया में संदर्भ और ट्रिगर, दबाव समूह, गैर-पार्टी राजनीतिक गठन, प्रोटेक्ट टैक्टिक्स	1	1			

मॉड्यूल-2 **सामाजिक क्रिया एवं सामुदायिक संगठन**	1. मार्गदर्शक विचारधारा / समाज कार्य का दर्शन	1			5	16.66
	2. **समाज कार्य दृष्टिकोण:** हिंसा, कट्टरपंथी, दमन-विरोधी और अनुकरणीय सामाजिक कार्य	1	1			
	3.**सामाजिक क्रिया एवं सामुदायिक संगठन :** अंतर एवं अंतरसंबंध	1	1			
मॉड्यूल-3 **सामाजिक आंदोलन**	1. सामाजिक आंदोलन विचारधारा, सिद्धांत और सहभाग	1			6	20.00
	2. **आंदोलनों के प्रकार:** पहचान, राजनीतिक जोर और स्वायत्तता, आंदोलन विश्लेषण-विचारधारा, संरचना, नेतृत्व, प्रक्रिया और परिणाम	1				
	3. **आंदोलन में सहभागिता एवं गैर सहभागिता:** सामाजिक आंदोलन में निर्धारण प्रक्रिया, सोशल मीडिया और बड़े पैमाने पर जुटना	1	1			
	4. सामाजिक आंदोलन के सिद्धांत	1	1			
मॉड्यूल-4 **नए सामाजिक आंदोलन**	1. **नए सामाजिक आंदोलन:** प्रकृति और प्रकार सामाजिक परिवर्तन के लिए कट्टरपंथी गतिविधि और कट्टरपंथी आंदोलन का मानचित्रण	1			5	16.66
	2. **सामाजिक आंदोलन (प्राचीन एवं समसामयिक) :** पुराने और नए (नारीवादी आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन, राज्य आंदोलन, धार्मिक / नए धार्मिक आंदोलन, एलजीबीटी आंदोलन)	1	1			
	3. **किसान, आदिवासी और श्रमिक आंदोलन :** अतीत और वर्तमान	1	1			
मॉड्यूल-5 **सामाजिक क्रिया व्यवहार एवं उपयुक्त तकनीकें**	1. **सामाजिक क्रिया व्यवहार:** एक सामाजिक कार्रवाई, अभियान, सामाजिक वकालत, नेटवर्किंग की कौशल, संपर्क, गठबंधन बिल्डिंग, लॉबिंग व्यष्टि अध्ययन, लैटिन अमेरिका में लिबरेशन थियोलॉजी, गुटियारे-विचारधारा, प्रक्रियाओं और परिणाम	1		1	9	30.00
	2. **आंदोलनों पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य:** मई 1968, अरब स्प्रिंग, ज़ापातिस्ता, परमाणु-विरोधी आंदोलन, कब्जे वाली वॉल स्ट्रीट	1	1			
	3.**सामाजिक क्रिया में उपयुक्त तकनीकें:** वकालत और सार्वजनिक हित मुकदमेबाजी और कदम, आर टी आई,	2	1	2		
योग		**17**	**10**	**3**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	असंतुष्ट और हाशिये के लोगों के लिए सामाजिक न्याय हासिल करने के लिए समाज कार्य में एक विधि के रूप में सामाजिक कार्रवाई के महत्व की सराहना करना।	महत्त्वपूर्ण सामाजिक वास्तविकता को समझने और प्रतिक्रिया देने के लिए सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलन अवधारणाओं का उपयोग करने में दक्षताओं का विकास करना।	दुनिया भर में आयोजित सामाजिक कार्रवाई और सामाजिक आंदोलनों का अवलोकन प्राप्त करना।	सामाजिक कार्रवाई और आंदोलनों के लिए प्रासंगिक विभिन्न रणनीतियों और तकनीकों के उपयोग में कौशल विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Mullaly, B. (2006). *The new structural social work: Ideology, theory, practice* (3rd Edition). Oxford University Press 2. Dominelli, L. (2004). *Social work: Theory and practice for changing profession.* Polity Press 3. Porta, D. D., & Diani, M. (Eds.) (2015). *The Oxford handbook of social movements.* Oxford University Press 4. Snow, D. A., Soule, S. A., & Kriesi, H. (2007). *The Blackwell companion to social movements*. Wiley Blackwell 5. Smelser, N. J. (Author), Gary T. Marx (Introduction) (2011). *Theory of Collective Behavior*. Quid Pro Books 6. Alinsky, S. (1989). *Rules for radicals: A practical primer for realistic radicals*. Vintage Books 7. Freire, P. (2005). *Pedagogy of the oppressed*. Continuum 8. Ray, R., & Katzenstein, M. F. (Eds.) (2005). *Social movements in India: Poverty, power, and politics*. Rowman and Littlefield 9. van Wormer, K. S. (2012). *Confronting Oppression, Restoring Justice: From Policy Analysis to Social Action.* CSWE Press

		10. Ferguson, I., & Woodward, R. (2009). *Radical social work in practice: Making a difference.* Polity Press
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Berger, S. & Nehring, H. (Eds.) (2017). *The history of social movements in global perspective*. A Survey, Palgrave 2 Porta, D. D., & Diani, M. (2006). *Social movements: An introduction*. Blackwell 3 Dominelli, L. (2002). *Anti-Oppressive social work: Theory and practice.* Palgrave Macmillan 4 Gurr, T. (2016). *Why men rebel.* Routledge 5 Shah, G. (2004). *Social movements in India: A review of literature.* Sage India 6 Castells, M. (2012). *Networks of outrage and hope: Social movements in the internet Age*. Polity Press
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समाज कल्याण प्रशासन
Name of the Course: **Social Welfare Administration**
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 10
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

समाज कल्याण प्रशासन समाज कार्य अभ्यास के प्रमुख छह पद्धतियों में से एक परोक्ष पद्धति है। यह सेवा वितरण प्रणाली का एक व्यापक क्षेत्र है। जिसमें विद्यार्थी सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुँचने में महती भूमिका निभाता है। वर्षों से, कल्याणकारी प्रशासन सहित समाज कार्य हस्तक्षेपों के दृष्टिकोण और ध्यान में एक प्रमुख बदलाव आया है। समकालीन समय में, सामाजिक कल्याण प्रशासन प्रणाली के कई कारक या घटक जुड़े हैं। विकास संगठनों के प्रबंधन के दृष्टिकोण, रणनीति और तौर-तरीके वैश्वीकरण और सामाजिक परिवर्तनों के संदर्भ में बदल गए हैं। समाज कार्य के विद्यार्थियों को समाज कल्याण और विकास सेवाओं के प्रशासन में ज्ञान और क्षमता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और उन्हें सुशासन प्रथाओं को निष्पादित करने में निपुण होना चाहिए। इस संबंध में, यह पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- समाज कल्याण प्रशासन की प्रकृति, इतिहास और संभावित क्षेत्र की समझ विकसित करेगा।
- गैर-लाभकारी / मानव सेवा / विकास संगठनों और एक विकास संगठन के संचालन की बारीकियों के बारे में ज्ञान की प्राप्ति होगी।
- प्रशासन के घटकों और सुशासन की रणनीतियों की समझ बनेगी।
- प्रशासन, कार्यक्रम योजना और कार्यान्वयन के क्षेत्र में आवश्यक कौशल विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **समाज कल्याण प्रशासन**	1. **कल्याण और विकास प्रशासन:** अवधारणा, प्रकृति, इतिहास और कार्य क्षेत्र	2	1		12	20.00
	2. **प्रशासन के प्रकार :** सार्वजनिक, सामाजिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा	3	1			
	3. **प्रशासन के कारक:** प्रकृति, प्रकार और विभिन्न सेवा प्रदाताओं के कार्य (**GO, NGO,** कॉर्पोरेट, सहकारी) एवं प्रशासन को प्रभावित करने वाले कारक: सांस्कृतिक मूल्य, आर्थिक प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय नीतियां और घोषणाएं	3	1	1		
मॉड्यूल-2 **कर्मचारी प्रशासन**	1. **प्रशासन के घटक:** योजना और संगठन	2	1		12	20.00
	2. **कर्मचारी भर्ती, प्रशिक्षण और विकास:** दिशा,	3	1			

	समन्वय और पर्यवेक्षण					
	3. दस्तावेजीकरण एवं बजट उपयोग एवं प्रकार	3	1	1		
मॉड्यूल-3 **संगठनात्मक प्रणाली संचार**	1. **प्रशासन में संचार :** अंतर-संगठनात्मक संचार निर्णय लेने, संघर्ष समाधान	2	1		12	20.00
	2. **संगठनात्मक संचार और मानव व्यवहार पर प्रभाव : संचार में प्रौद्योगिकी:** ई-गवर्नेंस के मॉडल	3	1			
	3. संचार में रणनीतियाँ : व्यवहार परिवर्तन संचार, सामाजिक विपणन	3	1	1		
मॉड्यूल-4 **प्रशासन की रणनीति और तंत्र**	1. **प्रशासन की रणनीति और तंत्र:** संसाधन जुटाना और प्रबंधन	2	1		12	20.00
	2. जनसंपर्क और नेटवर्किंग जाँचना और परखना	3	1			
	3. **पारदर्शिता, जवाबदेही एवं क्षमता निर्माण और स्थिरता:** उपयोग एवं प्रकार	3	1	1		
मॉड्यूल-5 **मानव संस्थागत संसाधनों का निर्माण**	1. **मानव सेवा संगठनों का प्रबंधन :** संगठन, प्रासंगिक विधानों का गठन	2	1		12	20.00
	2. **संगठनात्मक संरचना और प्रबंधन:** परियोजना, योजना, निगरानी और मूल्यांकन	3	1			
	3. **मानव और संस्थागत संसाधनों का निर्माण:** प्रकार एवं प्रक्रिया	3	1	1		
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाज कल्याण प्रशासन की प्रकृति, प्रासंगिकता, घटकों और सिद्धांतों की व्यापक समझ विकसित करना।	गैर-लाभ / मानव सेवा / विकास संगठन के प्रबंधन में कौशल विकसित करना।	कल्याण और विकास कार्यक्रमों के प्रशासन में रणनीति और तंत्र विकसित करने में विशेषज्ञता हासिल करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Patti, R. J. (2008).*The handbook of human service management*. Sage Publications. 2. Bhattacharya, S. (2006). *Social work administration & development.* New Delhi: Rawat Publications 3. Palekar, S. A. (2012). *Development administration.* Phi Publications 4. Skidmore, R. A. (1994). *Social work administration: dynamic management and human relationships*. Pearson Education. 5. Chandra, S. (2001). *Non-governmental organizations: structure, relevance and function*. New Delhi: Kanishka Publishers 6. Lewis, J. A., Lewis, M. D., & Others (2000). *Management of human service programs.* Pacific Grove, CA.: Books/Coles. 7. Kaushik, A. (2013). *Welfare and development administration in India.* New Delhi: Global Vision Publishing House 8. Pynes, J. E. (2004.) *Human resources management for public and nonprofit organizations*. Jossey-Bass. 9. Padaki, V., & Vaz, M. (2004). *Management development and non-profit organizations.* New Delhi: SAGE 10. Brody, R. (2004). *Effectively managing human service organizations.* Sage Publications. 11. Dadrawala, N. H. (2004). *The art of successful fund raising*. New Delhi: CAP 12. Netting, F. E., & O'Connor, M. K. (2002). *Organization practice: A social worker's guide to understanding human services.* Allyn & Bacon. 13. Kettner, P. M., Moroney, R. M., & Martin, L. L. (2017). *Designing and managing programs: an effectiveness based approach* (5th Edn). Sage
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Weinbach, R.W. (2002). *The social worker as manager: a practical guide to success.* Allyn & Bacon. 2 Dadarwala, N. H. (2005). *Good governance and effective boards for voluntary/non-profit organisations.* New Delhi: CAP 3. Banerjee, G. (2002). *Laws relating to foreign contributions in India*. New Delhi: Commercial Law Publications. 4. Bryson, J. M. (2004). *Strategic planning for public and nonprofit organizations: A guide to strengthening and sustaining organizational achievement.* Jossey-Bass. 5. Yuen, F. K.O., & Terao, K. L. (2002). *Practical grant writing and program evaluation*. Wadsworth Publishing 6. Norton. M., & Culshaw, M. (2000). *Getting started in fund raising*. New Delhi: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw%20108%20full%20paper_05_07_16.Pdf http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw10_17_10_16.Pdf

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** समवर्ती क्षेत्र कार्य
   Name of the Course: Concurrent field Work
2. **पाठ्यचर्या का कोड: MSWP 03**

3. **क्रेडिट:** 6
4. **सेमेस्टर:** तृतीय
5. **पाठ्यचर्या विवरण:**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	4
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	76
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	90

- **तृतीय** सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **7 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **14 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। **तृतीय सेमेस्टरमें 30 दिनों** का समवर्ती क्षेत्र किया जाना आवश्यक है। इस प्रकार **तृतीय सेमेस्टर** में क्षेत्र कार्य अभ्यास **210 घंटे** आयोजित किया जायगा। प्रत्येक छात्र जो भी संबंधित संस्था में अभ्यास करेंगे उन्हें उक्त संस्था से एक पर्यवेक्षक दिया जाएगा साथ ही महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा भी पर्यवेक्षण शिक्षक नियुक्त किया जाएगा। संबंधित संस्था एवं केंद्र से प्रदान पर्यवेक्षक द्वारा क्षेत्र कार्य अभ्यास में पर्यवेक्षण किया जाएगा। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **दो वैयक्तिक कार्य** एवं **एक समूह कार्य** का अभ्यास उक्त संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा।
- **तृतीय सेमेस्टर के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास विद्यार्थी को ऐसी संस्था में करना आवश्यक होगा जोकि छात्र द्वारा चयन किए गए विशेषज्ञता वाले विषय से संबंधित हो।**
- नोट: सामुदायिक विकास विशेषज्ञता को चयन करने वाले विद्यार्थियों के लिए वैयक्तिक कार्य अनिवार्य नहीं हैं उसकी जगह उनको आवंटित समुदाय में चार सामाजिक समस्याओ की पहचान कर उस पर हस्तक्षेपकारी भूमिका निभानी होगी साथ ही इनके लिए सामुदायिक संघठन प्रयोग अनिवार्य होगा। चिकित्सा एवं मनोचिकित्सीय समाज कार्य विशेषज्ञता वाले विद्यार्थियों को एक छमाही चिकित्सा उन्मुख संस्था में क्षेत्र करना एवं एक छमाही मनोचिकित्सीय उन्मुख संस्था में क्षेत्र करना अनिवार्य होगा। '
- प्रत्येक छात्र के क्षेत्र कार्य से संबंधित कम से कम 25 मिनट का साप्ताहिक व्यक्तिगत सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए छात्रों के समूह सम्मेलन का भी संचालन कर सकता है। छात्र की जबावदारी होगी कि वह ऐसे व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के अभिलेख (Record) तैयार रखे। प्रत्येक सप्ताह में एक दिन संभवतः सोमवार को सप्ताह का क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा एवं सप्ताह में एक दिन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक साथ समूह सम्मेलन करना अनिवार्य होगा (यह दिन विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की सुविधा नुसार तय होगा) साथ ही जरुरत पड़ने पर वैयक्तिक सम्मेलन विद्यार्थी आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से करना अपेक्षित है। साथ ही दो सप्ताह में कम से कम एक बार मिश्रित सम्मेलन का भी आयोजन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। मिश्रित सम्मेलन में क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक, संस्था पर्यवेक्षक एवं विधार्थी उपस्थित होंगे। क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन में जर्नल, व्यक्ति सहाय कार्य फाइल, समूह कार्य फाइल, क्षेत्र कार्य उपस्थिति पंजिका, सम्मेलन उपस्थिति पंजिका, एवं संस्था एवं समुदाय प्रोफाइल सम्मिलित होंगे।
- **तृतीय सेमेस्टर** के दौरान विद्यार्थियों के लिए **शैक्षिणिक भ्रमण (EducationTour)** अनिवार्य होगा। **शैक्षिणिक भ्रमण** का उद्देश्य छात्रों को क्षेत्र की वास्तविकताओं के बारे में छात्रों को उन्मुख करने के लिए एक वर्गीकृत गतिविधि है

और सामाजिक कार्य और इसकी चुनौतियों में सेटिंग्स के बारे में शिक्षार्थियों को एक्सपोज़र देता है। **शैक्षिणिक भ्रमण** 5-10 दिनों की अवधि का होगा और यह छात्रों की विशेषज्ञता के आधार पर या तो शहरी **प्रतिवेश(सेटिंग)** या ग्रामीण **प्रतिवेश(सेटिंग)** या शहरी **प्रतिवेश(सेटिंग)** और ग्रामीण **प्रतिवेश(सेटिंग)** का मिश्रण होगा। शैक्षिक दौरे के दौरान, छात्रों को न्यूनतम चार विकासात्मक एजेंसियों का दौरा करना चाहिए, जिसमें से कम से कम दो को उनके विशेषज्ञता समूह के लिए प्रासंगिक होना चाहिए।

- तृतीय सेमेस्टर के दौरान क्षेत्र कार्य संबंधी समस्त गतिविधियों की जैसे: समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास, **दो वैयक्तिक कार्य प्रतिवेदन** एवं **एक समूह कार्य प्रतिवेदन** एवं **शैक्षिणिक भ्रमण** का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा।प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर के अंत में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के लिए उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इस तरह की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एक **आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक** द्वारा संचालित की जाएगी। बाह्य परीक्षक की नियुक्ति महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी के निदेशक द्वारा किया जाएगा। जो भी छात्र क्षेत्र कार्य अभ्यास की आंतरिक परीक्षा में **अनुपस्थिति रहेंगे या असफल (Fail) हो जाएगें,** आगामी सेमेस्टर में प्रोन्नति के पात्र नहीं होंगे।

लघु शोध प्रबंध

- **परिचय (Introduction) :** विद्यार्थी को लघु शोध प्रबंध (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में) करना अनिवार्य होगा। यह घटक विद्यार्थी को सीखने, उपयोग करने, मूल्यांकन करने, व्यवस्थित करने और सेवाओं को विकसित करने और सुधारने के लिए लघु शोध परियोजना के रूप में तैयार करता है। इस गतिविधी के माध्यम से विद्यार्थी में समाज कार्य के क्षेत्र में शोध (Research) संबंधी कौशल का विकास किया जाता हैं। तृतीय सेमेस्टर में लघु शोध प्रबंध की रुपरेखा (Synopsis), साहित्य पुनर्वलोकन, एवं तथ्य संकलन तंत्र का निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- **उद्देश्य:** इस गतिविधी का मुख्य उद्धेश्य अनुसंधान कौशल विकसित करना है साथ ही चर और संकेतकों के अन्वेषण से संबंधित अभ्यास; नमूनाकरण: डेटा एकत्र करने के लिए सरल उपकरण तैयार करना; साक्षात्कार; अवलोकन; प्रतिक्रियाओं और टिप्पणियों की रिकॉर्डिंग; डेटा की कोडिंग; सरल सांख्यिकीय उपकरण, ग्रंथ सूची और रिपोर्ट लेखन के डेटा उपयोग की चित्रमय और सारणीबद्ध प्रस्तुति करना शामिल है।
- **अनुसंधान परियोजना के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश:**

- प्रत्येक छात्र एक शोध परियोजना पर काम करेगा।
- प्रत्येक छात्र अनुसंधान परियोजना का अनुमोदन अनुमोदित संकाय पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा।
- अनुसंधान परियोजना महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा निर्धारित समाज कार्य अभ्यास दिनों में आयोजित की जाएगी।
- अनुसंधान **परियोजना का विषय कोर डोमेन, सहायक डोमेन, अंत:विषय डोमेन और** सामाजिक कार्य शिक्षा के वैकल्पिक डोमेन के तहत संकेतित व्यापक क्षेत्रों से संबंधित होना चाहिए।
- अनुसंधान परियोजना की रुपरेखा (Synopsis), कम से कम 10 साहित्य पुनर्वलोकन एवं तथ्य संकलन तंत्र की **3 प्रतियां** तृतीय सेमेस्टर अवधि के अंत के दस दिनों से पहले केंद्र को शोध निदेशक के द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों के लिए विद्यार्थियों में जोखिम उठाना और जिम्मेदारी लेने के प्रति विद्यार्थी प्रोत्साहित होंगे।
- एक संरचित कार्यक्रम व्यवस्था में व्यक्तियों और समूहों के साथ कार्य करने के लिए विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास होगा।
- एजेंसियों और संगठनों द्वारा दिए जा रहे जन कल्याण और जन हित सेवाओं की व्यापक जानकारी मिलेगी।
- विद्यार्थियों में नैतिकता और मानवीय मूल्यों के निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं स्तर बढ़ेगा।
- क्षेत्र कार्य अभ्यास एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों के प्रतिवेदन पुनरावलोकन के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	4.44
मॉड्यूल-2	संस्था भ्रमण (कुल 5)			5	5	5.55
मॉड्यूल-3	समवर्ती क्षेत्र कार्य			70	70	77.77
मॉड्यूल-4	वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मलेन			10	10	11.11
मॉड्यूल-5--	शैक्षिक भ्रमण					
मॉड्यूल-6--	मौखिकी			1	1	1.11
योग		**4**		**86**	**90**	**100.00**

***** समवर्ती क्षेत्र कार्य दौरान तीन वैयक्तिक सेवा कार्य एक सामाजिक समूह कार्य एवं एक समुदाय संघगन अभ्यास अनिवार्य होगा। सामुदायिक विकास विशेषीकरण प्राप्त विद्यार्थियों को तीन वैयक्तिक सेवा कार्य के स्थान पर चार सामाजिक विकास संबंधी मुद्दों पर कार्य करना अनिवार्य होगा।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जन हितों और जरूरतों, और जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित सेवाओं की विविधताओं की गहराई से समझना।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने में ज्ञान और दक्षता निर्माण करना।	कार्यों के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर, साथ ही साथ मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण करना।	फील्डवर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **आपदा प्रबंधन**
Name of the Course: Disaster Management
2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSW 11**
3. क्रेडिट: 2
4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	15
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) **:**

आपदा, चाहे प्राकृतिक हों या मानव निर्मित, समाज के लिए हानिकारक हैं। यह भारी आर्थिक और सामाजिक क्षति का कारण बनती है। यह पाठ्यक्रम आपदाओं और आपदा संबंधी अवधारणाओं, आपदा तैयारियों और बचाव पर केंद्रित है। यह समाज कार्य के दृष्टिकोण से आपदाओं के मनोवैज्ञानिक प्रभाव आदि के बारे में विद्यार्थियों के बीच एक समझ विकसित करने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत में मौजूद विभिन्न संस्थागत और नीतिगत ढाँचों के बारे में उन्मुख करना है। साथ ही विश्व स्तर पर आपदाओं से निपटने, भेद्यता को कम करने और स्थानीय समुदायों की क्षमताओं को बढ़ावा देने का भी कार्य करता है। यह पाठ्यक्रम प्रशिक्षु सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए महत्त्वपूर्ण है जो आपदा प्रबंधन व्यवस्था में काम करना चाहते हैं क्योंकि यह उन्हें प्रभावी आपदा प्रबंधन हस्तक्षेप के लिए प्रासंगिक कौशल और जानकारी से अवगत करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- विद्यार्थी आपदाओं से तबाह हुए समुदायों और समाजों के विस्थापन के लिए समाज कार्य ज्ञान और कौशल का उपयोग करेगा।
- सामुदायिक पूर्व-आपदा नियोजन और प्रबंधन में संगठित और सहभाग संबंधी समझ विकसित करेगा।
- केंद्रित कमजोर समूहों हेतु हस्तक्षेप और विकसित योजना निर्माण में कौशल प्राप्त होगा।
- आपदा स्थितियों में आपातकालीन योजना और प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण कौशल के इस्तेमाल संबंधी समझ विकसित करेगा।
- आपदा के बाद की स्थितियों में भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं की विस्तृत श्रृंखला की पहचान करने और प्रतिक्रिया देने में कौशल प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 आपदा की अवधारणा एवं	1. **आपदा संबंधी अवधारणाएँ और परिभाषाएँ :** खतरा, जोखिम, भेद्यता, लचीलापन, आपदा: प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के विभिन्न रूप	1			6	20.00

प्रभावित घटक	2. **आपदाओं का प्रभाव**: शारीरिक, आर्थिक, राजनीतिक, मनोसामाजिक, पारिस्थितिक और अन्य, समाज कार्य की भूमिका	1	1			
	3. भेद्यता प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के लिए भेद्यता बढ़ाने वाले कारक, क्षेत्रीय भेद्यता, जलवायु भेद्यता, कमजोर समूह और समुदाय (महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, हाशिए समाज, विकलांग व्यक्ति)	1	1	1		
मॉड्यूल-2 **आपदा प्रशासन एवं भागीदारी उपकरण और तकनीक**	1. भागीदारी उपकरण और तकनीक भागीदारी उपकरण और तकनीकों पर विशेष जोर देने के साथ जोखिम, जोखिम और आकलन।	1			6	20.00
	2. आपदा प्रशासन आपदा प्रबंधन चक्र और इसके घटक, आपदा प्रबंधन में प्रतिमान परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और विकास योजना का एकीकरण	1	1			
	3. आपदा प्रबंधन में वैश्विक पहल कोबे (2005) से सेंदाई फ्रेमवर्क (2015-2030), **UNISDR** स्ट्रैटेजिक फ्रेमवर्क 2016-2021।	1	1	1		
मॉड्यूल-3 **आपदा प्रबंधन नीति एवं प्रशासनिक प्रणाली**	1. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति आपदा प्रबंधन अधिनियम, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ढांचा। राष्ट्रीय दिशानिर्देश और आपदा के विभिन्न पहलुओं पर कार्यक्रम।	1			6	20.00
	2. आपदा प्रबंधन के लिए प्रशासनिक और संस्थागत संरचना। तकनीकी-कानूनी ढांचा।	1	1			
	3. समुदाय आधारित हस्तक्षेप (तैयारी और प्रतिक्रिया) समुदाय आधारित आपदा तैयारी (**CBDP)** और प्रबंधन (**CBDM):** घटक, **CBDP** योजना, समुदाय-आधारित जोखिम प्रबंधन और प्रतिक्रिया योजनाओं की तैयारी, आपदा नियोजन में मीडिया और सहभागी भू-प्रौद्योगिकी का उपयोग करना।	1	1	1		
मॉड्यूल-4 **आपदा प्रबंधन एवं हस्तक्षेप**	1. आपदा जोखिम न्यूनीकरण (**DRR)** विकासात्मक योजना में बचाव और तैयारी, आपदा और निर्मित वातावरण	1			6	20.00
	2. आपदा पाश्च्यात हस्तक्षेप खोज और बचाव का समन्वय**:** राहत, जुटाना और प्रबंधन, निकासी और शिविर प्रबंध, सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन।	1	1			
	3.पूर्वावस्था प्राप्ति एवं पुनर्वास हस्तक्षेप आपदा पूर्वावस्था प्राप्ति और पुनर्निर्माण में आजीविका सुरक्षा तथा सामाजिक न्याय	1	1	1		
मॉड्यूल-5 **आपदा में मनोसामाजिक देखभाल**	1. **उत्तरजीवियों की मनोसामाजिक देखभाल आपदा के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम:** दु: ख की प्रतिक्रियाएं, अभिघातजन्य तनाव के बाद के विकार	1			6	20.00
	2. उत्तर आघात (पोस्ट ट्रॉमा) देखभाल और परामर्श पोस्ट ट्रॉमा देखभाल और परामर्श जिसमें जीवित बचे लोगों के साथ दु:ख परामर्श, मास कैथरिस प्रबंधन और करियर की देखभाल शामिल है एवं अनाथों, विकलांगों और निराश्रितों का सामना करने वाली	1	1			

	सामाजिक देखभाल					
	3. मनोवैज्ञानिक देखभाल के सिद्धांत आपदा के बाद की स्थितियों में मनोवैज्ञानिक देखभाल के सिद्धांत और तकनीकबच्चों, महिलाओं, वृद्धों और विकलांग व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों की विशिष्ट मनोसामाजिक आवश्यकताएं	1	1	1		
योग		**15**	**10**	**5**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	आपदाओं और आपदा प्रबंधन की समझ और उसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका का विकास करना।	भारत में आपदा प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचे, संस्थागत संरचनाओं और कार्यक्रमों के एक महत्त्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य को प्राप्त करें	आपदा तैयारी और शमन में समुदायों के साथ काम करने की प्रक्रियाओं और तकनीकों के बारे में जानें।	आपदा प्रबंधन में मनोवैज्ञानिक देखभाल की प्रकृति के बारे में जानें और हस्तक्षेप की संभावनाएं

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Zakour, M., & Gillespie, D. F. (2013). *Community disaster vulnerability theory, research, and practice*. Springer. 2 Gillespie, D. F., & Danso, K. (2010). *Disaster concepts and issues: A guide for social work education and practice.* Council on Social Work Education. 3 Parasuraman, S., & Krishnan, U. (Eds.) (2013). *India disasters report II redefining disasters.* Oxford University Press. 4 Shaw, R. (2012). *Community-based disaster risk reduction.* Emerald Books. 5 Pal, I., & Shaw, R. (Eds.) (2017). *Disaster risk governance in India and cross cutting issues.* Springer. 6 Miller, M. (2012). *Psychosocial capacity building in response to disasters*. Columbia University Press. 7 Bankoff, G., Frerks, G., & Hilhorst, D. (Eds.) (2004). *Mapping vulnerability: Disasters, development and people.* Earthscan. 8 Dass-Brailsford, P. (2009). *Crisis and disaster counseling: Lessons learned from Hurricane Katrina and other disasters.* Sage Publishing. 9 López-Carresi, A., Fordham, M., & Wisner, B. (2013). *Disaster management: International lessons in risk reduction, response and recovery.* Routledge. 10 Kelman, I., Mercer, J., & Gaillard, J. (2017). *The Routledge handbook of disaster risk reduction including climate change adaptation*. Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Huong Ha, R., Lalitha, S., Fernando, & Mahmood, A. (Eds.) (2015). *Strategic disaster risk management in Asia*. Springer. 2 Coppola, D. P., & Maloney, E. K. (2009). *Communicating emergency preparedness: Strategies for creating a disaster resilient public*. CRC Press/Taylor & Francis Group 3. Boon, H. J., Cottrell, A., & King, K. (2018). *Disasters and social resilience: A bioecological approach*. Routledge. 4. Forino, G., Bonati, S., & Calandra, L. M. (Eds.) (2018). *Governance of risk, hazards and disasters: Trends in theory and practice.* Routledge. 5. Marsh, G., Ahmed, I., Mulligan, M., Donovan, J., & Barton S. (Eds.) (2018). *Community engagement in post-disaster recovery.* Routledge.
3	ई-संसाधन	

चतुर्थ छमाही

1. पाठ्यचर्या का नाम: श्रम अर्थशास्त्र और भारतीय श्रम समस्याएं

Name of the Course: Labor Economics and Indian Labor Problems

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 12 A

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

श्रम अर्थशास्त्र और भारतीय श्रम समस्याओं का पाठ्यक्रम समाज कार्य के विद्यार्थियों के बीच श्रम का अर्थशास्त्र, बाजार का अर्थशास्त्र और समाज का अर्थशास्त्र पर केंद्रित है। यह वैश्विक और भारतीय श्रम समस्याओं से परिचित कराता है और उनके समाधान के विकल्प को तलाशने में समाज कार्य व्यवसाय के कौशल, मूल्यों और सिद्धांतों का उपयोग करना सिखाता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उत्पादन साधन, श्रम बल, बाजार की प्रकृति और उपभोग की प्रक्रिया की समझ विकसित करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- श्रम अर्थशास्त्र और उद्योग के व्यापकता और दायरे की समझ विकसित होगी।
- आर्थिक विकास और औद्योगिक नीतियों की समझ विकसित होगी।
- श्रम कल्याण और इसके प्रभाव से परिवर्तित सामाजिक संरचना को समझने में मदद मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **श्रम का अर्थशास्त्र**	1. **श्रम अर्थशास्त्र :**श्रम अर्थशास्त्र की अवधारणा, प्रकृति और महत्व एवं आबादी के एक हिस्से के रूप में श्रम बल, संरचना, संरचना और श्रम की विशेषताएं, मांग और आपूर्ति के पहलू	3	1		15	25.00
	2. **नई आर्थिक और औद्योगिक नीतियां**: तकनीकी उन्नति, युक्तिकरण, आधुनिकीकरण, स्वचालन और औद्योगिक संगठन में परिवर्तन, उत्पादन	4	1	1		
	3. **वैश्विक परिदृश्य और श्रम बाजार**: नौकरी के अवसर, रोजगार की स्थिति और नौकरी की सुरक्षा पर इसका प्रभाव	4	1			
मॉड्यूल-2	1. **रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता :** रोजगार के	3	2	1	19	31.66

रोजगार, बाजार एवं उत्पादकता	तहत और रोजगार की अवधारणा और सिद्धांत, बेरोजगारी और पूर्ण रोजगार के आयाम, बेरोजगारी की समस्या, कारक और उपचार					
	2. **रोजगार बाजार में मौजूदा रुझान** : बहु-कौशल और कौशल उन्नयन की आवश्यकता, मजदूरी की अवधारणा और इसके प्रकार, मजदूरी का अर्थशास्त्र, मजदूरी के सिद्धांत और मजदूरी भुगतान के तरीके	5	1	1		
	3. **उत्पादकता के आयाम :** अवधारणा, संकेतक, उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारक, माप उपकरण और उत्पादकता की तकनीक, समय और गति का अध्ययन।	4	1	1		
मॉड्यूल-3 **ग्रामीण श्रम एवं संगठित और असंगठित श्रमिक की समस्याएं**	1. **भारत में संगठित और असंगठित श्रमिक की समस्याएं** : प्रवासी और ग्रामीण श्रम की समस्याएं: श्रम का अर्थ, श्रमिक समस्याओं का उदय, श्रम समस्याओं की प्रकृति और कारण प्रवासन, अनुपस्थिति, ऋणग्रस्तता, बंधुआ मजदूर, महिला और बाल श्रम, अनुबंध श्रम, कृषि श्रम, मथाडी मज़दूर	5	2	1	15	25.00
	2. **भारत में प्रवासी और ग्रामीण श्रम के लक्षण** : श्रम बल में उन्नयन और अतिरेक, भारतीय श्रम और औद्योगिक महानगर में आवास और मलिन बस्तियों की समस्याएं।	5	2			
मॉड्यूल-4 **औद्योगिक संगठन**	1. **औद्योगिक अशांति:** अवधारणा, प्रकृति, भारत में श्रम अशांति के लिए जिम्मेदार कारक	3	2		11	18.33
	2. **आधुनिक औद्योगिक संगठनों में नए आयाम:** उभरती हुई समस्याएं और कर्मचारी अशांति	2	1			
	3. **मजदूरी भेदभाव और लिंग विविधता:** स्वरूप एवं प्रकार	2	1			
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	श्रम अर्थशास्त्र और उद्योग की प्रकृति की समझ विकसित करना।	आर्थिक विकास और औद्योगिक नीतियों के बारे में जानना।	श्रम समस्याओं तथा इसके प्रभाव एवं आर्थिक विकास से परिचित होना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Bhagoliwal, T. N. (1976) Economics of Labour & Social Welfare, Agra : Sahitya Bhawan. 2. Kumar, H. L. (1990) Labour Problems & Remedies, Delhi : University Book Traders. 3. Mamoria, C. B. & Mamoria S. (1991) Dynamics of Industrial Relations in India, Bombay : 4. Himalaya Publication House. 5. Mathur, D. C. (1992) Personnel Problems & Labour Welfare, New Delhi : Mittal Publications. 6. Mathur, D.C (1993) Personnel Problems and Labour Welfare, New Delhi : Mittal Publications. 7. Mehrotra, S. N (1981 Ed3) Labour Problems in India, New Delhi : S. Chand and Co. 8. Mamoria, C. B. (1966) Labour Problems & Social Welfare in India, Alahabad : Kitab Mahal Publications. 9. Pant, S. C. (1976) Indian Labour Problems, Alahabad : Chaitanya Publication House. 10. Pratap, K. (1992) Rural Labour in India, Problems & Welfare Scheme, New Delhi : Deep & Deep Publications. 11. Saxena, R. C. (1974) Labour Problems and Social Welfare, Meerut : K. Nath and Co. 12. Sharma, A.M. (1994. Ed. 5th) Aspects of Labor Welfare & Social Security, Mumbai : Himalaya Publications. 13. Tyagi, B. P. (1986) Labour Economics and Social Welfare, Meerut : Jai Prakash Nath
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: मनोचिकित्सकीय समाज कार्य अभ्यास
Name of the Course: Psychotherapeutic Social Work Practice

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 12 B

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

मनोचिकित्सकीय अभ्यास समाज कार्य व्यवसाय के सभी क्षेत्रों का एक महत्त्वपूर्ण अंग है क्योंकि इसने मानसिक स्वास्थ्य डिस्कोर्स और अभ्यास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। यह पाठ्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में एक वैचारिक स्पष्टता और सैद्धांतिक समझ प्रदान करता है। यह विभिन्न सेटिंग्स (प्रतिवेश) में व्यक्तियों, परिवारों और उनके सामाजिक समूहों के साथ काम करने के लिए विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन और हस्तक्षेप से संबंधित ज्ञान और कौशलप्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- मानसिक स्वास्थ्य सेटिंग्स (प्रतिवेश) में व्यक्तियों, परिवारों और छोटे समूहों के साथ काम करने के लिए दृष्टिकोण और मूल्य, ज्ञान और कौशल का विकास होगा।
- जैव-मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य से सेवार्थी की स्थितियों का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
- मानव अधिकारों और सामाजिक न्याय के संबंध में मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक बीमारी की अवधारणाओं का विश्लेषण और मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
- सैद्धांतिक ढांचे के भीतर मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक बीमारी के ज्ञानका एकीकरण का कौशल सीखेगें।
- मानसिक स्वास्थ्य समाज कार्य के अभ्यास हेतु आवश्यक उचित कौशल और दृष्टिकोण विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **मानसिक स्वास्थ्य एवं**	1. **मानसिक स्वास्थ्य और बीमारी की अवधारणाएं** : सामाजिक विज्ञान और मनोरोग के बीच संबंध, सामान्य और असामान्य व्यवहार को समझना, मानसिक स्वास्थ्य की परिभाषाएं और दृष्टिकोण, मानसिक स्वास्थ्य के घटक।	3	1		12	20.00

मनोविज्ञान	2. **मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा :** मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा के बीच संबंध, मानसिक और व्यवहार संबंधी विकारों का वर्गीकरण, वर्गीकरण का उपयोग और इसका महत्व	3	1	1		
	3. **मानसिक और व्यवहार संबंधी विकारों की व्युत्पत्ति:** भारत के संदर्भ में विशिष्ट सामाजिक सांस्कृतिक कारक	2	1			
मॉड्यूल-2 **मनोविकार**	1. **मनोचिकित्सा विकार :** कारण, लक्षण, उपचार (निबटान और प्रबंधन करने के लिए)	3	1		13	21.66
	2. **मेजर (साइकोटिक) मनोरोग संबंधी विकार** : सिज़ोफ्रेनिया, मूड विकार और इसके प्रकार, लक्षण और उपचार	3	1	1		
	3. **माइनर (न्यूरोटिक) मनोरोग संबंधी विकार:** **i)** चिंता विकार, **ii)** फोबिया, **iii)** जुनूनी बाध्यकारी विकार, **iv)** पोस्ट अभिघातजन्य तनाव विकार (**PTSD**)	3	1			
मॉड्यूल-3 **सोमाटोफोर्म एवं अन्य विकार**	1. **सोमाटोफोर्म विकार:** **i)** रूपांतरण विकार **ii)** हाइपोकॉन्ड्रियासिस	2	1	1	7	15.16
	2. अन्य विकार : विघटनकारी विकार, यौन रोग, लिंग पहचान संबंधी विकार।	2	1			
मॉड्यूल-4 **व्यक्तित्व विकार**	1.**व्यक्तित्व विकार के आयाम** : क) विकारी व्यक्तित्व, ख) नींद संबंधी विकार, ग) मनोदैहिक विकार, घ) आत्महत्या, च) पदार्थ संबंधी विकार, छ) खाने के विकार।		1		16	26.67
	2. **बचपन के मनोरोग विकार** : कारण, लक्षण, उपचार और प्रबंधन	3	1	1		
	3. **व्यक्तित्व विकार :** कारण, लक्षण, उपचार और प्रबंधन	2	1			
	4. **बचपन के मनोरोग विकार के आयाम** : क) मानसिक मंदता, ख) आत्मकेंद्रित सहित विकास संबंधी विकार, ध्यान में कमी विकार, ग) व्यवहार संबंधी विकार, घ) उन्मूलन विकार।	3	1			
मॉड्यूल-5— **मानसिक स्वास्थ्य एवं समाज कार्य हस्तक्षेप**	1. **मानसिक स्वास्थ्य में समाज कार्य हस्तक्षेप :** परिचय, प्रकार एवं विधियां	2	1		12	20.00
	2. **मानसिक स्वास्थ्य समाज कार्य में सैद्धांतिक दृष्टिकोण** : संस्थागत और गैर संस्थागत सेटिंग्स (प्रतिवेश) में अभ्यास एवं मनोसामाजिक पुनर्वास	3	1	1		
	3. **मानसिक स्वास्थ्य समाज कार्य में कौशल** : आकलन और हस्तक्षेप	3	1			
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जीवन की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता के रूप में मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।	मामूली और प्रमुख मनोरोग संबंधी विकारों उनके कारणों, लक्षणों, निदान, अभिव्यक्तियों और प्रबंधन की समझ विकसित करना।	बाल और वयस्क मनोचिकित्सकीय सेट-अप में मनोचिकित्सकीय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए कौशल विकसित करना।	मानसिक स्वास्थ्य में समाज कार्य हस्तक्षेप की प्रासंगिकता, प्रकृति और प्रकारों को समझें।	मानसिक स्वास्थ्य समाज कार्य के अभ्यास के लिए आवश्यक उचित कौशल और दृष्टिकोण विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Batchelor, Ivor (1969): Text book of Psychiatry for Students and Parishioners. 2. Desai , Arvind (1988) : Psychiatric and Modern Life, New Delhi : Sterling Publishers Pvt. Ltd. 3. Faulk, Malcom (1988) : Basic Forensic Psychiatry, London : Blackwell Scientific Publications 4. Henderson & Gilespie's Revised edition, London : Oxford University Press 5. Hillard, James Randolph, (1992) : Manual of Clinical Emergency Psychiatry, New Delhi : Jaypee Brothers. 6. Coleman, James & Broen, William (1970): Abnormal Psychology and Modern Life. Bombay: D.B. Tarporewala Sons & Co. 7. Gelder, Michaelll Gath, et al (1996) : Oxford Textbook of Psychiatry, Delhi, Oxford University Press. 8. Kaplan and Saddock, Wippincott, Williams and Wilkins withedition (1998) Synopsis of Psychiatry , NewYork, Lippricot. 9. Kolbe & Brodie (1982): Modern Clinical Psychiatry, London: W.B. Saunders Co. 10. Lois Meredith French (1948) : Psychiatric Social Work. New York : Commonwealth Fund. 11. Patel, Vikram (2002): Where there is No Psychiatrist, New Delhi : Voluntary Health Association of India. 12. Priest, Robert & Woolfson, Gerald (1986) :Handbook of Psychiatry. Delhi: CBS.

		13. Sarason, Irwin & Sarason, (1998) : Barbara Abnormal Psychology, New Delhi : Prentice Hall of India Pvt. Ltd. 14. Shah, L. P. & Shah, Hema (1988) : A Handbook of Psychiatry, Mumbai : UCB Pvt. Ltd. 15. Slater, Eliot & Roth, Martin (1992) : Clinical Psychiatry, New Delhi : All India Traveler Book Seller. 16. Stafford, David, Clark (1964) : Psychiatry for Students, London : George Allen & Unwin Ltd. 17. Verma, Ratna (1991) : Psychiatric Social Work in India, New Delhi : Sage Publications. 18. Vyas & Ahuja (1992) : Postgraduate Psychiatry, Delhi: B.I. Publications
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Taylor, L.E. (2010). *Mental health in social work: A casebook on diagnosis and strengths-based assessment.* Boston: Pearson 2. Steen, M., & Thomas, M. (2016). *Mental health across lifespan*. New York: Rutledge 3. Butcher, J. N., Hooley, J. M., & Mineka, S. M. (2017). *Abnormal psychology and modern life*. New Delhi: Pearson Education. 4. Coppock, V., & Dunn, B. (2010). *Understanding social work practice in mental health*. Los Angeles/ London/ New Delhi: Sage 5. Ramsden, P. (2013). *Understanding abnormal psychology: Clinical and biological perspectives*. Sage 6. Bhugra, D., Tse, S., & Roger, N. G. (2015). *Handbook of psychiatry in Asia*. London and New York: Routledge 7. Sutherland, J. D. (ed.) (2003). *Towards community mental health.* London: Routledge. 8. Callicutt, J. W., & Lecca, P. J. (eds.) (1983). *Social work and mental health*. New York: The Free Press. 9 Patel, V., & Thara, R. (2002). *Meeting the mental health needs of developing countries: NGO innovations in India.* New Delhi: Sage Publications 10 Francis, A. (2014). *Social work in mental health: Contexts and theories for practice*. Sage 11 Rosenberg, J., & Rosenberg, S. (Eds.) (2018). *Community mental health: Challenges for the 21st century*. New York: Rutledge 12. King, R., Lloyd, C., & Meehan, T. (2007). *Handbook of psychosocial rehabilitation*. Oxford, UK: Blackwell Publishing. 13 Caplan, G. (2011). *An approach to community mental health.* Rutledge 14 Chavan, B. S., Gupta, N., Sidana, A., Priti, A., & Jadav, S. (2013). *Community mental health in India*. New Delhi: Jaypee Brothers Medical Pub 15 Thornicroft, G., Szmukler, G., Mueser, K. T., & Drake, R. E. (2011). *Oxford textbook of community mental health.* New York: Oxford
3	ई-संसाधन	

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: ग्रामीण सामुदायिक विकास
Name of the Course: Rural Community Development
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 12 C
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अंतर-अनुशासनात्मक ढांचे का उपयोग करके ग्रामीण समुदायों को समझने और सरकार और सिविल सोसायटी के अनुभवों से ग्रामीण समुदायों के साथ अपने काम में ज्ञान और योग्यता विकसित करने में सक्षम करेगा। विद्यार्थियों में ग्रामीण विकासात्मक संदर्भों और उनकी स्थूल नीति और आर्थिक संदर्भों की एक महत्त्वपूर्ण समझ विकसित करेगा। पंचायत राज के अंतर्गत आने वाली ग्रामीण विकास योजनाओं एवं परियोजनाओं की समझ। ग्रामीण स्तर पर कृषि विकास, स्वैच्छिक कार्य, भूमि अधिग्रहण, सहकारिता इत्यादि की जानकारी कराएगा। यह पाठ्यक्रम संवेदनशीलता विकसित करने और ग्रामीण समुदायों के साथ काम करने से संबंधित कौशल से परिचित करने में सक्षम होंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- ग्रामीण विविधता, आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और प्राकृतिक वास्तविकताओं की समझ विकसित होगी।
- ग्रामीण आजीविका, असमानताओं के संबंध में संवेदनशीलता समझ का निर्माण होगा।
- कृषि, आजीविका और बुनियादी सेवाओं में ग्रामीण नीतियों और कार्यक्रमों की महत्त्वपूर्ण समझ विकसित होगी।
- सामुदायिक विकास के दृष्टिकोण और हस्तक्षेप की महत्त्वपूर्ण समझ विकसित होगी।
- ग्रामीण समुदायों के साथ भागीदारी कार्यक्रम नियोजन, मूल्यांकन और सामुदायिक आयोजन से संबंधित कौशल निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **ग्रामीण सामुदायिक विकास की संस्थाएँ एवं ग्रामीण शासन**	1. **ग्रामीण सामुदायिक विकास की संस्थाएँ एवं ग्रामीण शासन:** पंचायत राज व्यवस्था और इसके कार्य, 73 वां संवैधानिक संशोधन और इसके प्रभाव	3	1		12	20.00
	2. **ग्राम सभा** : संकल्पना, महत्व, संरचना और शक्तियाँ। ग्रामीण नेतृत्व अवधारणा और वर्तमान परिदृश्य	3	1	1		

	3. **ग्रामीण विकास के लिए संस्थान :** कपार्ट, एनआईआरडी, नाबार्ड, डीआरडीए, केवीआईसी, ग्रामीण सहकारिता।	2	1			
मॉड्यूल-2 **ग्रामीण आजीविका एवं समस्याएं**	1. **ग्रामीण आजीविका, गरीबी और समकालीन चिंताएँ** : ग्रामीण रोजगार: रुझान और प्रकार-खेत, गैर खेत, वेतन और स्व-रोजगार कार्यक्रम एवं ग्रामीण गरीबों की प्रविष्टियाँ: कॉमन्स, भूमि, खाद्य, ऊर्जा न्याय और सुरक्षा	3	1		13	21.66
	2. **ग्रामीण गरीबी और ऋणग्रस्तता** : कारण, आयाम और मापन के मुद्दे, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम	3	1	1		
	3. **ग्रामीण आजीविका :** विविधता, रुझान, कार्यक्रम, आजीविका विश्लेषण, रणनीतियाँ और चुनौतियाँ एवं मूल सेवाएँ और संचार: स्थिति, चुनौतियाँ और सफलता की कहानियाँ	3	1			
मॉड्यूल-3 **ग्रामीण सामुदायिक विकास कार्यक्रम**	1. **ग्रामीण सामुदायिक विकास कार्यक्रम** : कार्यक्रम: एमजीएनएआरईजीए, राष्ट्रीय रुर्बन मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना, मुख्यमंत्री फैलोशिप प्रोग्राम, संस आदर्श ग्राम योजना, दीन दयाल अंत्योदय योजना-एनआरएलएम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, गरीबी उन्मूलन, रोजगार का सृजन और बढ़ती कृषि उत्पादकता, कार्यक्रम आदि, ग्रामीण विकास में ग्राम और कुटीर उद्योगों की भूमिका,	2	1	1	10	16.66
	2. **ग्रामीण विकास में स्वैच्छिक कार्य :** समुदाय आधारित संगठनों का विकास और मजबूती, किसान संगठन, संघ और आंदोलन	2	1			
	3. **कृषि विकास की नवीन परियोजनाएँ :** ग्रामीण विकास परियोजनाएँ क्षेत्रीय अनुभव- मेंधा लेख प्रयोग, अमि अमच्य आरोग्यशठी, खोज, लोकब्रादारी प्रकाशन, सम्पूर्ण बांस केंद्र, महान, नई तालिम, गाँवों के विज्ञान केंद्र, सीएसआर की कुछ पहल। परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन।	2	1			
मॉड्यूल-4 **ग्रामीण विकास में समाज कार्य हस्तक्षेप एवं पंचायत**	1. **ग्रामीण विकास में समाज कार्यविधियों और कौशल का अनुप्रयोग (भाग एक)** : सामाजिक लेखा परीक्षा, **PRA**, सामाजिक वकालत, निगरानी और मूल्यांकन एवं पक्ष जुटाव एवं सूक्ष्म योजना तीव्र आवश्यकता मूल्यांकन **FGD**, परियोजना विकास और लेखन अनुदान प्रस्ताव, डाटा बैंक, प्रशिक्षण अभ्या, सोशल ऑडिट (कौशल)	3	1		13	21.66
	2. **ग्रामीण सामुदायिक विकास:** दृष्टिकोण और हस्तक्षेप : ग्रामीण सामुदायिक विकास: सामाजिक न्याय, पारिस्थितिक और स्वदेशी परिप्रेक्ष्य दृष्टिकोण: सामुदायिक विकास के लिए संवाद और विकास संबंधी दृष्टिकोण संकल्पना, सिद्धांत और परिवर्तन कौशल	3	1	1		
	3. **ग्रामीण भारत में पंचायती राज** : संस्थानों पर विशेष ध्यान देने वाला शासन और प्रशासन: बिजली, क्षमता	1	1			

	निर्माण, चुनौतियां और सफलता का विचलन					
	4 **पंचायत:** अवधारणा, संरचना, कार्यप्रणाली एवं प्रकार	2				
मॉड्यूल-5 **ग्रामीण विकास नीतियां और कार्यक्रम**	1. **ग्रामीण विकास नीतियां और कार्यक्रम**: **SDG** और मैक्रो-इकोनॉमिक पॉलिसी कॉन्टेक्ट्स में रूरल डेवलपमेंट एवं ग्रामीण नीतियां और कार्यक्रम, उद्देश्य, कार्यान्वयन और कृषि के संबंध में मूल्यांकन (सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन), वन (एफआरए)	2	1		12	20.00
	2. **भूमि सुधार और भूमि अधिग्रहण (LAAR अधिनियम)** : अवलोकन और समकालीन चिंताएँ	3	1	1		
	3. **सहकारिता, माइक्रो क्रेडिट और माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट** : स्वरुप प्रकार एवं उपयोगिता	3	1			
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	ग्रामीण समुदायों में सामाजिक संरचनाओं, सामाजिक संबंधों को समझना।	ग्रामीण समुदायों में महत्त्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावित करने के लिए संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और कौशल विकसित करना।	ग्रामीण समुदाय विकास की एजेंसियों और संस्थानों के ज्ञान का आधार विकसित करना।	विद्यार्थियों को ग्रामीण वास्तविकताओं के बारे में समझने में सक्षम बनाना।	ग्रामीण समुदायों के साथ काम करने के लिए संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता विकसित करना।	ग्रामीण सामुदायिक विकास के लिए सरकार और स्वैच्छिक प्रयासों को समझने के लिए ज्ञान प्रदान करना।	ग्रामीण समुदायों के साथ काम करने के विशिष्ट कौशल और तकनीकों से विद्यार्थियों को लैस करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Schouten, T., & Moriaty, P. 2003 Community Water, Community Management. London: ITDG Publishing. 2. Janvary, A., Redan, S. etal, (Eds.) 1995 State, Market and Civil Organisation: New Theories, New Practicesand Their Implication for Rural Development. London: Macmillan Publishers. 3. Etienne G. 1995 Rural Change in South Asia. New Delhi: Vikas Publishing House Pvt. Ltd. 4. Harisswhite, B., & Janakrajan, S. 2004 Rural India. Facing the 21st Century. London: Anthem Press 5. Epstein, T. S. Suryanaraya, A. P., & Thimmegowda, T. 1998 Village Voices. Forty Years of Rural Transformation in South India. New Delhi: Sage Publications. 6. Radhakrishna, R., Sharma, A. N. (Ed) 1998 Empowering Rural Labour in India Market, State and Mobilisati on. New Delhi : Institute for Human Development. 7. Shiva, V., &Bedi, G. (Eds) 2002 Sustainable Agriculture and Food Security: the Impact of Globalisation. New Delhi: sage Publications 8. Habibullah, W. & Ahuja, M. 2005 Land Reforms in India: Computerization of Land Records Vol. X. New Delhi: Sage Publications. 9. Kumar, S. 2002 Methods for Community Participation: A Complete Guide for Practitioners. New Delhi: Vistaar Publications. 10. Reddy, G.R., & Subrahmanyam, P. 2003 Dynamics of Sustainable Rural Development. New Delhi: Serials Publication. 11. Desai, V. 1998 Rural Development (Vol1to4). Bombay: Himalaya Publishing House. 12. Misra, R. P. 1985 Rural Development (Vol1to5). New Delhi: Concept Publishing Company. 13. Mehta, B.C. 1993 Rural Poverty in India. New Delhi: Concept Publishing Company. 14. Documentaries on Mendha Lekha, Tapasya, Mahan, Search, Lokbiradari
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Harriss, J. (2017). *Rural development: Theories of peasant economy and agrarian change*. Jaipur: Rawat.

		2. Brahmanandam, T. (ed.) (2018). *Dalit issues: Caste and class interface*. Jaipur: Rawat 3. Sisodia, Y.S., & Dalapati, T. K. (Eds.) (2015). *Development and discontent in tribal India*. Jaipur: Rawat. 4 Maddick, H. (2018). *Panchayati raj: A study of rural local Government in India*. Jaipur: Rawat. 5. Jana, A. K. (Ed.) (2015). *Decentralizing rural governance and development: Perspectives, ideas and experiences*. Jaipur: Rawat. 6. IDFC Rural Development Network (2013). *India rural development report*. Hyderabad: Orient Blackswan. 7. Vaidyanathan, A. (2010). *Agricultural growth in India: Role of technology, incentives and institutions.* New Delhi: Oxford University Press 8. Agarwal, B. (2010). *Women's presence within and beyond community forestry*. New Delhi: Oxford University Press. 9. Jim Ife (2013). *Community development in an uncertain world: Vision, analysis and practice.* Cambridge, UK: Cambridge University Press. 10. Westoby, P., & Dowling, G. (2013). *Theory and practice of dialogical community development international perspectives*. Routledege. 11. Joshi, V., & Upadhyaya, C. (eds) (2017). *Tribal situation in India: Issues and development* (Second Revised Edition). Jaipur: Rawat. 12. Fernandez, B. (2016). *Land, labour and livelihoods: Indian women's perspectives*. Cham, Switzerland: Palgrave Macmillan
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: श्रम विधान और औद्योगिक संबंध
Name of the Course: Labor Legislation and Industrial Relations

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSW 13 A**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

यह पाठ्यक्रम मूल रूप से भारत के बहु समकालीन श्रम विधानों से युक्त है। विद्यार्थी श्रम कानूनी दृष्टिकोण से उन विधानों से परिचित होंगे और श्रम विधान और औद्योगिक संबंध स्तरों में इसका अभ्यास करने में सक्षम होंगे। श्रम विधान और औद्योगिक संबंध को जानने और अभ्यास करने के बाद, विद्यार्थी अपने कानूनी क्षेत्र को व्यापक बनाने के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण विधान एवं संगठित क्षेत्र के लिए सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों की समझ विकसित होगी। व्यापक दृष्टिकोण में समाज कार्य लक्ष्यों को श्रम विधान और औद्योगिक संबंध क्षेत्र में प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- श्रम कानून और विधायी हस्तक्षेप के क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।
- श्रम प्रशासन और तंत्र के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।
- विधायी कार्यों से निपटने के लिए कौशल विकसित होंगे।
- औद्योगिक संबंध के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **भारत में श्रमविधान एवं प्रशासन**	1. **भारत में श्रम विधान :** ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य: स्वतंत्रता से पहले और बाद में दार्शनिक अंतर्निहित श्रम कानून	3	1		12	20.00
	2. **भारत में श्रम प्रशासन** : भारत में श्रम प्रशासन की समीक्षा।	3	1	1		
	3. **सुरक्षात्मक श्रम विधान :** कारखाना अधिनियम 1948, अपरेंटिस एक्ट 1961, कॉन्ट्रैक्ट लेबर (विनियमन	2	1	।		

	और उन्मूलन) अधिनियम 1970, माथड़ी श्रमिक अधिनियम, खान अधिनियम 1952, वृक्षारोपण श्रम अधिनियम 1951, बॉम्बे की दुकानें और स्थापना अधिनियम 1948					
मॉड्यूल-2 **कर्मचारी कल्याण**	1. **कर्मचारी कल्याण**, **सामाजिक सुरक्षा और कल्याण :** परिचय, अर्थ, प्रकार, वर्तमान स्थिति	3	1		13	21.66
	2. कर्मचारी कल्याण : संकल्पना, परिभाषा, दर्शन, सिद्धांत, क्षेत्र	3	1	1		
	3. उद्योग में श्रम कल्याण अधिकारी की भूमिका, कर्तव्य और कार्य : कामगार मुआवजा अधिनियम 1923, मातृत्व लाभ अधिनियम 1961, ई एस **I** अधिनियम 1948, ई पी एफ अधिनियम 1952, पारिवारिक पेंशन योजना, ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 का भुगतान, महाराष्ट्र श्रम कल्याण निधि अधिनियम 1953।	3	1			
मॉड्यूल-3 **औद्योगिक संबंध**	1. **औद्योगिक संबंध :** संकल्पना, परिभाषा, दर्शन, सिद्धांत, क्षेत्र	2	1	1	10	16.66
	2. औद्योगिक संबंध विधान और वेतन विधान : बॉम्बे औद्योगिक संबंध अधिनियम 1946, औद्योगिक रोजगार स्थायी आदेश अधिनियम 1946, मॉडल स्थायी आदेश, ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, **MRTU & PULP** अधिनियम 1971, मजदूरी का भुगतान अधिनियम 1936, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, बोनस अधिनियम 1956 का भुगतान।	4	2			
मॉड्यूल-4 **पर्यावरण संरक्षण एवं विधान**	1. **पर्यावरण संरक्षण एवं उद्योग:**संकल्पना, परिभाषा, दर्शन, सिद्धांत,	3	1		13	21.66
	2. **पर्यावरण संरक्षण संबंधित विधान:** पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986: मुख्य विशेषताएं, पर्यावरण और पर्यावरण संरक्षण की परिभाषा**:** कंपनियों और उसके दंड द्वारा खतरनाक पदार्थों से निपटने में अपराध। वायु प्रदूषण अधिनियम 1987 और जल प्रदूषण अधिनियम 1974: केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की मुख्य विशेषताएं, शक्ति और कार्य, कंपनियों, प्रक्रियाओं और दंड द्वारा अपराधों का प्रकार।	6	2	1		
मॉड्यूल-5 **औद्योगिक क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा**	1. काम करने की स्थिति और काम की शर्तें : कारखानों अधिनियम के भौतिक और यांत्रिक पर्यावरण-प्रावधान, कार्यस्थल पर कार्य की स्थिति और समस्याएं	2	1		12	20.00
	2. काम की शर्तें : मजदूरी, महंगाई भत्ते, भत्ते और प्रोत्साहन, छुट्टियां, वेतन पर कोड	3	1	1		
	3. संगठित क्षेत्र के लिए सामाजिक सुरक्षा : उपाय, मुद्दे और चुनौतियां	3	1			
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	श्रम कानून और विधायी हस्तक्षेप के क्षेत्रों को समझना।	श्रम प्रशासन और तंत्र के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।	विधायी कार्यों से निपटने के लिए कौशल विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Arora, R. (2000) Labour Laws, Mumbai : Himalaya Publishing House. 2. Balchandani, K. R. (1977) Labour & Industrial Laws, Mumbai : Jeevan Deep Prakashan. 3. Central Board of Workers Education (1976) Labour Legislation, Nagpur : CBWE Publications.

		4. Chakrabarti, B. K. (1974) Labour Laws of India, Calcutta : International Law Book Centre. 5. Goswami, V. G. (1986) Labour & Industrial Law, Allahabad : Central Law Agency. 6. Jain, S. P. & Agrawal, Simmi (1997) Industrial & Labour Law, Delhi : Dhanpat Rai & Co. 7. Kumar, H. L. (1996) Employers rights under Labour Laws, Delhi : Universal Law Pub. Co. 8. Malik P. L. (1992) Industrial Law, Lucknow : Eastern Book Company. 9. Mehrotra, S. H. (1981) Labour Problems in India, New Delhi : S. Chand & Company. 10. Mongia, J. N. (1976) Readings in Indian Labour & Social Welfare, Delhi : Atma Ram & Sons. 11. Prakash, Anand et al, (Eds) (1987) Labour Law & Labour Relations : Cases & Materials, Bombay : N. M. Tripathi, Pvt. Ltd. 12. Saharay, H. K. (1987) Industrial & Labour Laws of India, New Delhi : Prentice Hall of India. 13. Saini, Debi S. Ed. (1994) Labour Judiciary Adjudication and Industrial Justice, New Delhi : Oxford & IBH Publishing Co. 14. Saiyed, I. A. (2001) Labour Laws, Mumbai : Himalaya Publishing House. 15. Saxena, R. C. (1974) Labour Problems and Social Welfare, Meerut : K. Nath & Co. 16. Sharma, A. M. (1996) Industrial Jurisprudence and Labour Legislation, Mumbai : Himalaya Publishing House. 17. Shintre, V. P. (1979) Hand Book on Labour Laws : Labour Law Agency, Bombay. 18. Sing and Singal (1966) Labour Problems, Delhi : Ratan Prakashan Mandir. 19. Singh, D. etc (2000) Commercial & Labour Laws, Chandigarh : Abhishek Publications. 20. Tietenben, T H: Environment and Natural Resources Economics. 21. Tripathi, P. C. & Gupta, C. B. (1990) Industrial Relations & Labour Laws, New Delhi : Sultan Chand & Sons. 22. Trivedi. P R: Pollution Management in Industries. 23. Trivedi. R K : Hand book on Environmental laws Guidelines Compliance of Standards: Vol 1 & 2. 24. Varghese, V. G. (1987) Industrial Jurisprudences, Mumbai : TISS.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Armstrong, M., Taylor, S. (2017). *A handbook of human resource management practice* (14th ed.). London: Kogan Page. 2 Daft, R. L. (2016). *Organization: Theory and design* (12th ed.). Mason,Ohio,USA: Cengage Learning 3 Robbins, S. P., Judge, T. A., Millet, B., & Boyle, M. (2013). *Organizational behavior,* (7th). Australia : Pearson 4 Mathis, R. L., Jackson, J. H., Valentine, S. R., & Maglich, P. A. (2016). *Human resource management,* (15th ed.). Boston, USA: Cengage Learning 5. Silvera, D. M. (1990). *Human resource management: The Indian experience*. New Delhi: New India Publications.

		6. Pareek, U., & Rao, T. V. (2003). *Designing and managing H R systems* (3rd ed). New Delhi: Oxford & IBH Publishing. 7 Pareek, U. (2016). *Understanding organisational behavior.* New Delhi: OUP. 8. Mallick, P. L. (2002). *Industrial law*. Lucknow: Eastern Book Company 9. Verma, A., Kochan, A. T., & Lansbury, R. D. (1995). *Employment relations in the growing Asian economics.* London: Routledge 10 Ramnarayan, S., & Rao, T. V. (2011). *Organization development: Accelerating learning and transformation.* New Delhi: Sage Publications 11 Roychowdhury, A. (2018). *Labour law reforms in India: All in the name of Jobs*. New York: Routledge
3	ई-संसाधन	

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: मानसिक स्वास्थ्य : नीतियां एवं योजनाएं
Name of the Course: Mental Health: Policies and Plans

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 13 B

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यक्रम की प्रकृति वैकल्पिक है, जिसका उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य और संबंधित नीतियों एवं योजनाओं की प्रासंगिकता से परिचय कराना है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य सामाजिक कार्यकर्ता को मानसिक स्वास्थ्य और संबंधित नीतियों एवं योजनाओं के जानकारी से परिपूर्ण करना है। इस पाठ्यक्रम का औचित्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों और उन्हें सुधारने के तरीकों के बारे में जागरूक करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- सार्वजनिक स्वास्थ्य की अवधारणा और पहलुओं की समझ विकसित होगी।
- स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के विभिन्न आयामों की समझ विकसित होगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों की समझ विकसित होगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं की समझ बनेगी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों एवं योजनाओं कि उपलब्धता, पहुँच और मितव्ययिता की समझ विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **भारत में मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य**	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ और कार्यक्रम	2	1		11	
	2. **भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की संरचना**: मानसिक स्वास्थ्य सेवा संरचना और उनके कार्य	2	1	1		
	3. **मानसिक स्वास्थ्य के सांस्कृतिक पक्ष :** अवधारणा, सांस्कृतिक मर्यादाए एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	2	1	1		
मॉड्यूल-2 **मानसिक स्वास्थ्य एवं प्रावधान**	**1. स्वास्थ्य योजना और नीति का महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन:** (अ)पागलखानों के नियमन के लिए अधिनियम, 1774 (ब) कंट्री असाइलम एक्ट, 1808 (क) ल्युनाटिक एक्ट, 1845 (ड) पोपर ल्युनाटिक	2	1		11	

	ब्रिटिश कालीन कानून (अ) इंडियन लुनैसी एक्ट (नं। 36), 1858 (ब) इंडियन लुनैसी एक्ट, 1912, भोरे कमेटी रिपोर्ट , 1946।					
	2. स्वास्थ्य योजना और नीति : (अ) मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 (1 अप्रैल 1993 से लागू) (ब) केंद्रीय और राज्य मानसिक स्वास्थ्य नियम, 1990। विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 1995, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (संशोधन) नियम, **2019** ।	2	1	1		
	3. मानसिक स्वास्थ्य सांख्यिकी: वैश्विक एवं राष्ट्रीय	2	1	1		
मॉड्यूल-3 **भारत में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम**	1. भारत में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम	2	2		14	
	2. **भारत में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम** : राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (**NMHP),** 1982. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (**DMHP),** 1996. मानसिक रोगी के लिए सरकारी योजना: मानसिक रोग के लिए स्वास्थ्य बीमा **(**आयुष्मान भारत**)**।	3	2	1		
	3. मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की चुनौतियाँ	2	1	1		
मॉड्यूल-4 मानसिक स्वास्थ्य नीतियां	1. **भारत में मानसिक स्वास्थ्य :** स्थिति एवं समस्याएं	2	2		14	
	2**. भारत में मानसिक स्वास्थ्य की नीति, रिपोर्ट, सर्वेक्षण और समितियां:** मानसिक स्वास्थ्य नीति - 2014, मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट: मुदलियार समिति की रिपोर्ट, 1961, परिवार और स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट 2001 से 2017, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की रिपोर्ट, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट, टॉक अबाउट डिप्रेशन- (विश्व स्वास्थ्य संगठन) -2017 , नेशनल मेंटल हेल्थ सर्वे ऑफ इंडिया, 2015-16।	2	2	1		
	3. **मानसिक स्वास्थ्य गैर-सरकारी संगठन के प्रयास : मुक्तांगन पुनर्वास केंद्र पुणे। द बनियन** : मेंटल हेल्थ एनजीओ, भारत.	2	2	1		
मॉड्यूल-5 मानसिक स्वास्थ्य एवं मानव अधिकार	1**. मानसिक स्वास्थ्य में मानव अधिकार परिदृश्य** : परिचय एवं स्वरुप	2	1	1	10	
	2. मानसिक स्वास्थ्य में मानव अधिकार परिदृश्य- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, भारत : मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और मानव अधिकार, मानसिक स्वास्थ्य के लिए वकालत- **Action for Mental Illness (ACMI)**	3	2	1		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा और पहलुओं कों समझना।	मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधित नीतियों कों समझना।	मानासिक स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के विभिन्न आयामों कों समझना।	मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधित योजनाओं को समझना।	मानसिक स्वास्थ्य संबंधित नीतियों एवं योजनाओं कि उपलब्धता, पहुँच और मितव्ययिता की समझ विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Pandey, B. N. (1967). *The introduction of English law into India: the career of Elijah Impey in Bengal, 1774-1783* (Vol. 3). Asia Publishing House. Somasundaram, O. (1987). The Indian lunacy act, 1912: The historic background. *Indian journal of psychiatry*, *29*(1), 3. Rutherford, S. (2003). The landscapes of public lunatic asylums in England, 1808-1914.

		Jiloha, R. C. (2015). The Mental Health Act of India. In *Developments in Psychiatry in India* (pp. 611-622). Springer, New Delhi. Hodgkinson, R. G. (1966). Provision for pauper lunatics 1834–1871. *Medical history*, *10*(2), 138-154. Bhattacharyya, A. (2013). *Indian Insanes: Lunacy in the'Native'Asylums of Colonial India, 1858-1912* (Doctoral dissertation). Ernst, W. R. (1986). *Psychiatry and Colonialism: The Treatment of European Lunatics in British India, 1800-1858* (Doctoral dissertation, SOAS University of London). Nizamie, S. H., & Goyal, N. (2010). History of psychiatry in India. *Indian journal of psychiatry*, *52*(Suppl1), S7. Bhore, J. (1946). Bhore committee report. *Delhi: Government of India*. Akhtar, S., & Verma, S. M. (1990). Mental Health Act, 1987: Issues and Perspectives. *Indian Journal of Psychological Medicine*, *13*(2), 195-200. Singh O. P. (2019). Insurance for mental illness: Government schemes must show the way. *Indian journal of psychiatry*, *61*(2), 113–114. https://doi.org/10.4103/psychiatry.IndianJPsychiatry_127_19
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	https://www.mhinnovation.net/organisations/action-mental-illness-india-acmi#:~:text=Action%20for%20Mental%20Illness%20(ACMI,disability%20activist%20and%20Ashoka%20Fellow https://www.muktangan.org/ https://www.thebanyan.org/aboutus/ http://www.bhrc.bih.nic.in/Docs/Mental-HealthCare-and-Human-Rights.pdf https://www.who.int/mental_health/policy/services/1_advocacy_WEB_07.pdf?ua=1 https://mhpolicy.files.wordpress.com/2011/05/mental-health-e-book_published10oct20041.pdf https://mhpolicy.files.wordpress.com/2011/05/mental-health-initiatives-in-india-1947-2010.pdf https://mhpolicy.wordpress.com/resources-materials/ http://ncwapps.nic.in/acts/THEMENTALHEALTHACT1987.pdf http://goaprintingpress.gov.in/downloads/9596/9596-32-SI-OG.pdf http://niepmd.tn.nic.in/documents/PWD%20ACT.pdf http://disabilityaffairs.gov.in/content/page/rpwds-rules.php https://www.nhp.gov.in/national-mental-health-programme_pg https://nhm.gov.in/images/pdf/National_Health_Mental_Policy.pdf https://www.nhp.gov.in/mudaliar-committee-1962_pg https://www.nhp.gov.in/sites/default/files/pdf/Mudalier_Vol.pdf https://www.who.int/campaigns/world-health-day/2017/toolkit.pdf?ua=1\

या / OR

1. पाठ्यचर्या का नाम: शहरी सामुदायिक विकास
Name of the Course: Urban Community Development

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 13 C
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शहरी समुदायों, उनकी कमजोरियों और शक्ति की समझ को विकसित करने में सक्षम करेगा। विद्यार्थी शहरी विकासात्मक संदर्भों और उनकी स्थूल नीति और आर्थिक संदर्भों की एक महत्त्वपूर्ण समझ विकसित होगी। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संवेदनशीलता विकसित करने और शहरी समुदायों के साथ काम करने से संबंधित कौशल से परिचित होंगे। साथ ही साथ शहरी विकास नीतीयां, मुद्दे एवं एजेंसियां और कार्यक्रम नियोजन तथा योजनाएं बनाने में सक्षम होंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- शहरीकरण और शहरी समाज पर सैद्धांतिक दृष्टिकोण प्राप्त होगा।
- भारत में शहरी नीतियों और कार्यक्रमों पर व्यापक ज्ञान प्राप्ति होगी।
- शहरी समुदायों के साथ काम करने हेतु कौशल और दक्षता विकसित होगी।
- शहरी समुदायों के विकास के लिए वर्तमान मुद्दों, दृष्टिकोण, रणनीतियों और कार्यक्रमों की समझ विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **शहरी समुदाय एवं स्लम**	1. **शहरी समुदाय और शहरीकरण**: शहरी समुदाय: प्रकार और विशेषताएं, शहरीकरण का ऐतिहासिक सूत्रीकरण: भारत में शहरीकरण और शहरी बुनियादी ढांचे का स्तर एवं शहरीकरण और अनियोजित शहरी विकास के कारण और परिणाम	3	1		12	20.00
	2. **स्लम: अवधारणा,** स्लम के विकास में योगदान करने वाले कारक, निष्कासन और स्थानांतरण के आस-पास परिणाम और मुद्दे।	3	1	1		
	3. शहरी गरीब : पहचान स्थान, शहरी गरीबों के लिए चुनौतियां और विकल्प: खाद्य सुरक्षा, आवास और आजीविका का अधिकार एवं गरीबों के लिए शहरी	2	1			

	बुनियादी सेवाएं, निजीकरण की प्रक्रिया और शहरी गरीबों पर इसका प्रभाव और स्वच्छता, स्वास्थ्य और पानी के विशिष्ट संदर्भ के साथ हाशिए पर एवं स्थानीय आर्थिक विकास और शहरी गरीबी उन्मूलन योजनाओं की रणनीतियाँ					
मॉड्यूल-2 **शहरी विकास नीतियां और कार्यक्रम**	**1. शहरी विकास नीतियां और कार्यक्रम** : शहरी नियोजन: विशेषताएं और प्रकृति, विभिन्न मॉडल एवं 74 वाँ संवैधानिक संशोधन और शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका	3	1		13	21.66
	2. **भारत में शहरी विकास नीतियां और कार्यक्रम** : विशेष रूप से आवास, आजीविका, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर	3	1	1		
	3. उभरती हुई चिंताएँ : शहरी सुधार और भारतीय राज्य की खराब विकास और दिशा पर प्रभाव: राष्ट्रीय शहरी नीति की आवश्यकता एवं अनौपचारिक अर्थव्यवस्था: अवधारणा, रुझान और चुनौतियां	3	1			
मॉड्यूल-3 **शहरी सामुदाय के मुद्दे**	1. **शहरी सामुदायिक विकास:** अवधारणाएं और सिद्धांत : जन भागीदारी: संकल्पना, महत्व, कार्यक्षेत्र और समस्याएं एवं शहरी विकास में सामाजिकगतिविधि और वकालत: सार्वजनिक वितरण प्रणाली - कार्य और सुधार, सूचना का अधिकार और जवाबदेही	2	1	1	10	16.66
	2. **शहरी मुद्दे और एजेंसियां :** आवास और सस्ती आवास, जनसंख्या दबाव, शहरी स्वच्छता और स्वच्छ शहर सूचकांक, प्रदूषण, शहरी वृक्षारोपण, शहरी परिवहन, यातायात परिदृश्य, अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग, हुडको की भूमिका, म्हाडा, स्लम पुनर्वास एजेंसी, टाउन प्लानिंग	2	1			
	3. शहरी सामुदायिक विकास : शहरी सामुदायिक विकास के लिए अवधारणा, दृष्टिकोण और रणनीति, शहरी सामुदायिक विकास के लिए बाधाएं	2	1			
मॉड्यूल-4 **शहरी सामुदायिक विकास के कौशल कार्यक्रम**	**1. शहरी सामुदायिक विकास के लिए प्रशिक्षण :** प्रशिक्षण को समझना, अवधारणा, उद्देश्य, सिद्धांत, प्रकार और प्रशिक्षण की प्रक्रिया,	3	1		13	21.66
	2. **कौशल भारत पहल**: परिचय एवं वर्तमान स्थिति	3	1	1		
	3. **उद्यमिता विकास कार्यक्रम** : परिचय एवं वर्तमान स्थिति	3	1			
मॉड्यूल-5 **शहरी विकास नियोजन एवं अन्य**	1. **स्वैच्छिक संगठन और शहरी विकास :** शहरी सेटिंग्स (प्रतिवेश) में स्वैच्छिक कार्रवाई, उम्ब्रेला संगठन, स्मार्ट सिटी, नोडल एजेंसियां, समकालीन समाज कार्यसमूह, नागरिक फोरम की भूमिका, शहरी विकास के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल।	2	1		12	20.00

संगठन	**2. शहरी नियोजन और योजनाएँ :** संकल्पना, शहरी विकास से संबंधित कानून, योजनाएँ: छोटे और मध्यम शहरों के लिए शहरी आधारभूत संरचना विकास योजनाएँ, कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन **(AMRUT),** प्रधानमंत्री आवास योजना, दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन **(NULM),** स्वच्छ भारत भारत मिशन, स्मार्ट सिटी- अर्थ, अवधारणा, स्कोप, प्रकृति और रणनीति।	6	2	1		
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	शहरी समुदायों और शहरी नियोजन और विकास को समझना।	शहरी समुदायों में कमजोर समूहों के अधिकारों के लिए संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता विकसित करना।	शहरी व्यवस्था में सामुदायिक विकास कार्य के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Ahluwalia, I. J., Kanbur, S. M. R., & Mohanty, P. K. (2014). *Urbanization in India: challenges, opportunities and the way forward.* New Delhi: Sage 2. Chakravarty, S., Negi, R., & Chakravarty, S. (2016). *Space, planning and everyday contestations in Delhi*. New Delhi: Springer India. 3. DeFilippis, J., & Saegert, S. (2012). *The community development reader*. New York: Routledge. 4. Ferguson, R. F., & Dickens, W. T. (1999). *Urban problems and community development*. Washington, D.C.: Brookings Institution Press. 5. Jayaram, N. (2017). *Social dynamics of the urban: studies from india*. New Delhi: Springer. 6. Lemanski, C., & Marx, C. (2015). *The city in urban poverty.* New York: Palgrave Macmillan. 7. Mazumdar, S., & Sharma, A. N. (2013). *Poverty and social protection in urban India: targeting efficiency and poverty impacts of the targeted public distribution system*. New Delhi: Institute for Human Development. 8. Morgan, B. (2011). *Water on tap: Rights and regulation in the transnational governance of urban water services*. Delhi: Cambridge University Press. 9. Mukherjee, J. (2018). *Sustainable urbanization in india: challenges and opportunities.* Singapore: Springer. 10. Rajeev, M., & Vani, B. (2017). *Financial access of the urban poor in India: a story of exclusion*. New Delhi: Springer. 11. Saglio-Yatzimirsky, M. C., & Landy, F. (2014). *Megacity slums: Social exclusion, space and urban policies in Brazil and India*. London: Imperial College Press. 12. Kala, S. S., & Wan, G. (2016). *Urbanization in Asia: governance, infrastructure and the environment.* New Delhi: Springer India. 13. Van den Dool, L., Hendriks, F., Gianoli, A., & Schaap, L. (2015). *The quest for good urban governance: Theoretical reflections and international practices.* Wiesbaden: Springer. 14. Williams, C. (2016). *Social work and the city: Urban themes in 21st-century social work.* London: Macmillan. 15. Agarwal, Sanjay K. (2008) CSR in India, New Delhi: Sage. 16. Akhtar, Shahid, Delaney Frances M. (1976) Low Cost Rural Health Care & Health Manpower Training, Ottawa : IDRC. 17. BAIF (1998) Integrated Rural Development for Sustainable Livelihood, Pune : BAIF Development Research Foundation 18. Briscoe, John & Malik, R. P. S.(Ed.) (2007) Handbook of Water Resources in India - Development, Management and Strategies, New York, New Delhi: OUP & World Bank5. Datar, Chhaya & Prakash, Aseem (Undated) Women Demand Land and Water, Mumbai : Unit for Women's Studies, Tata Institute of Social Sciences. 19. Datar, Chhaya (Ed) (1998) Nurturing Nature: Women at the Centre of Natural and Social Regeneration, Bombay: Earth care Books. 20. Juting, Johannes (2005) Health Insurance for the Poor in Developing Countries, Hampshire Ashgate Publishing Ltd. 21. Kapur Mehta, Asha (2006) Chronic Poverty & Development Policy in India, New Delhi : Sage. 22. Mehrotra, Santosh K. K. (2006) Elementary Education in India : The Challenge of Public finance, Private Provision of Household Costs, New Delhi : Sage.

		23. Mehta, Usha & Narde A. D. (1965) Health Insurance in India and Abroad University of Michigan : Allied Publishers. 24. Menon, Ajit, et al (2007) Community Based Natural Resource Management- Issues and Cases from South Asia, New Delhi : Sage 25. Paranjape, Suhas, Joy, K. J., et al (1998) Watershed Development- A Source Book, New Delhi : Bharat Gyan Vigyan Samithi. 26. Pillai, G. M (Ed.) (1999) Challenges of Agriculture in the 21st Century, Pune : Maharashtra Council of Agricultural Education and Research. 27. Rao, Nitya & Rurup, Luise (Eds.) (1997) A Just Right: Women's Ownership of Natural Resources and Livelihood Security, New Delhi : Friedrich Ebert Stiftung. 28. Ravindranath, N.H., Rao, et al (2000) Renewable Energy and Environment- A policy analysis for India , New Delhi: Tata McGraw Hill. 29. Sarin, Madhu et al (1998) Who is Gaining? Who is Losing? Gender and Equity Concerns in Joint 30. Shah Amita (1998) Watershed Development Programme : Emerging Issues for Environment, Ahmedabad: GIDR. 31. WASH Project (1993) Lessons Learned in Water Sanitation and Health: Thirteen Years Experience in Developing Countries, Virginia: WASH. 32. World Bank & Govt. of India (1999) Initiating and Sustaining Water Sector Reforms: A Synthesis, New Delhi: Allied. 33. World Bank (S. Asia Region) & GOI Min. of Urban Areas & Employment, Urban Devt. Sector Unit(1999) Urban Water Supply and Sanitation, New Delhi: Allied Forest Management, New Delhi: Society for Promotion of Wasteland Development.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Gooptu, N. (2004). *Politics of the urban poor in early twentieth century India*. New York: Cambridge University Press. 2. King, A. D. (2007). *Colonial urban development: Culture, social power and environment.* London: Routledge and Kegan Publishers. 3. Lefebvre, H. (2003). *The urban revolution*. London: University of Minnesota Press. 4. Mitra, A., & Nagar, J. P. (2018). *City size, deprivation and other indicators of development: Evidence from India*. World Development, 106, 273-283. 5. Punjabi, B., & Johnson, C. A. (2018). *The politics of rural–urban water conflict in India: Untapping the power of institutional reform.* World Development. 6. Schragger, R. (2016). *City Power: Urban Governance in a Global Age*. New York: Oxford University Press. 7. Singh, R. B. (2015). *Urban development challenges, risks and resilience in Asian mega cities*. London: Springer 8. Sorensen, A., & Okata, J. (2011). *Megacities: Urban form, governance, and sustainability*. London: Springer.
3	ई-संसाधन	http://mohua.gov.in/ https://unhabitat.org/
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: सतत् एवं स्थाई समाज विकास
Name of the Course: Sustainable Social Development

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSW 14
3. क्रेडिट: 2
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

यह पाठ्यक्रम एक सैद्धांतिक डिस्कोर्स की कई नई शाखाएं खोलता है, जैसा कि सामाज कार्यकर्ताओं के लिए पर्यावरणीय हस्तक्षेप, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन शमन आदि। पर्यावरणीय, पारिस्थितिक और सामाजिक न्याय के बीच स्पष्ट संबंधों को देखते हुए, इस संकट को दूर करने और आगे बढ़ने के तरीकों को खोजने में समाज कार्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इस भूमिका को परिलक्षित करने में यह पाठ्यक्रम सामग्री समाज कार्य विश्लेषण की पद्धतियों में नया आयाम जोड़ने की कोशिश करता है। नागरिकों को एक स्थायी, न्यायसंगत और सुरक्षित भविष्य की दिशा में ले जाने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां तैयार करता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और अभ्यास की दृष्टिकोण और हस्तक्षेपों को एक साथ जुटाकर अभिन्न विश्वदृष्टि प्रदान करने का प्रयास करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____ (Course Learning Outcomes)

- पर्यावरण और विकास के बीच दो-तरफा संबंधों की समझ विकसित करेगा।
- स्थायी विकास की धारणा और अभ्यास की एक यथार्थवादी संकल्पना से परिचित करेगा।
- वैश्विक और भारतीय परिवेश के विश्लेषणात्मक अंतर्दृष्टि मुद्दे, चुनौतियाँ और प्रतिक्रियाएँ की समझ विकसित करेगा।
- स्वदेशी और पारंपरिक प्रथाओं तथा भारतीय पर्यावरणवाद के विविध उपभेदों की समझ विकसित करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **पर्यावरण की अवधारणा एवं समाज कार्य हस्तक्षेप**	**1. पर्यावरण और सामाजिक कार्य**: अंतर्संपर्क : पर्यावरण: परिभाषा और घटक, पारिस्थितिकवाद बनाम मानवविज्ञान एवं पर्यावरण न्याय और जलवायु न्याय: सामाजिक न्याय के साथ अंतर-कनेक्टिविटी	2	1		8	26.66
	2. **हाशिए के समूहों पर प्रभाव** : महिला, गरीब, स्वदेशी, आदिवासी	2	1			
	3. **पर्यावरणीय सामाजिक कार्य :** संदर्भ, महत्व, विशेषताएँ और संभावनाएं	1	1			
मॉड्यूल-2 **सतत् विकास**	1. **सतत विकास :** संकल्पना, क्षमता और चुनौतियां, उत्तर-दक्षिण दृष्टिकोण	1	1		8	26.66
	2. **सतत विकास**: पर्यावरण और विकास के बीच इंटरफेस : पर्यावरण और विकास के बीच दो तरह का इंटरफ़ेस, पर्यावरण और	2	1			

	पर्यावरण न्याय पर नव-उदारवाद का प्रभाव					
	3. पर्यावरणीय स्थिरता : खाद्य सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और समुदाय की भलाई के लिए निहितार्थ एवं पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन की राजनीति	2	1			
मॉड्यूल-3 **पर्यावरणीय मुद्दे**	1. **पर्यावरण और पर्यावरण संरक्षण की स्थिति** : वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे और चिंताएँ एवं भारत के पर्यावरण और पर्यावरणीय समस्याओं की स्थिति	1	1		8	26.66
	2. **जलवायु परिवर्तन** : सामाजिक प्रभाव और परिणाम (जैसे कि आपदा, भोजन की कमी, पलायन, संघर्ष), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	2	1			
	3. **पर्यावरण और पर्यावरण संरक्षण** : पर्यावरण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संवैधानिकप्रावधान, नीतियां, विधायी ढांचा और कार्यक्रम	2	1			
मॉड्यूल-4 **पर्यावरणवाद एवं समसायिक संकल्पना**	**1. पर्यावरणवाद**: दृष्टिकोण, आंदोलन और हस्तक्षेप : पर्यावरण संरक्षण के लिए दृष्टिकोण- डीप इकोलॉजी, इको-फेमिनिज्म, इको-सोशलिज्म एवं पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञानऔर समुदाय आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	3	1		6	20.00
	2. पर्यावरण आंदोलन : टाइपोलॉजी और विचारधाराएं, चुनिंदा आंदोलनों का विश्लेषण	1				
	3. पर्यावरणीय कार्रवाई में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका मामले का चित्रण	1				
योग		**20**	**10**	**0**	**30**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक न्याय के साथ पर्यावरण और जलवायु न्याय के बीच अंतर्संबंधकी प्रासंगिकता की समझ को विकसित करना।	समकालीन नव-उदारवादी संदर्भ में पर्यावरण और विकास के बीच दो तरह के इंटरफेस में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करना।	वैश्विक पर्यावरणीय समस्याओं के विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण की विकसित करना और भविष्य की पर्यावरणीय नीतियों, विधानों और कार्यक्रमों का अभ्यास करना।	पर्यावरणीय क्रिया के विविध दृष्टिकोण और भारतीय पर्यावरण आंदोलनों के प्रकारों को आत्मसात करके पर्यावरणवाद के साथ अभ्यास करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Dominelli, L. (2012). *Green social work –From environmental crises to environmental justice.* Cambridge: Polity Press. 2. Grey, M., Coates, J., & Hetherington, T. (2013). *Environmental social work*. New York: Routledge. 3. Rogers, P., Jalal, K., & Boyd, J. (2008). *An introduction to sustainable development.* London: Earthscan. 4. Agarwal, B. (2015). *Gender and green governance: the political economy of women's presence within and beyond community forestry*. Oxford: Oxford University Press. 5. Carter, N. (2007). *The politics of the environment: Ideas, activism, policies* (2nd edition). London: Cambridge University Press. 6. Roser, D., & Seidel, C. (2017). *Climate justice: An introduction*. New York: Routledge. 7. Mies, M., & Shiva, V. (2010). *Ecofeminism*. Jaipur: Rawat Publications. 8. Sessions, G. (1995). *Deep ecology for the 21st century: Readings on the philosophy and practice of the new environmentalism*. Boston: Shambhala Publications. 9. Guha, R., & Alier, J. (1997). *Varieties of environmentalism: essays north and south*. New York: Routledge. 10. Rangarajan, M. (2006). *Environmental issues in India*. New Delhi: Pearsons 11. Jalais, A. (2010). *Forest of tigers: people, politics and environment in the Sundarbans*. New Delhi: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Dominelli, L. (Eds.) (2018). *Handbook of green social work.* London: Routledge 2. Robbins, P. (2004). *Political ecology: A critical introduction*. Wiley Blackwell. 3. Calvert, P., & Calvert, S. (1999). *The south, the north and the environment*. Jaipur: Rawat Publications 4. Gadgil, M., & Guha, R. (1992). *This fissured land: an ecological history of India*. New Delhi: Oxford University Press. 5. Shabuddin, G. (2010). *Conservation at the crossroads: science, society and the future of India's wildlife.* New Delhi: Permanent Black. 6. Peet, R., & Watts, M. (2002). *Liberation ecologies: environment, development and social movements*. London: Routledge. 7. Baindur, M. (2015). *Nature in Indian philosophy and cultural traditions*. New Delhi: Springer. 8. Blaikie, P. (2016). *Land degradation and society*. New York: Routledge.

		9. Cronon, W. (1995). The trouble with wilderness, or, getting back to the wrong nature. In W. Cronon, *Uncommon ground: rethinking the human place in nature* (pp. 69-90). New York: W.W. Norton and Co. 10. Somayaji, S., & Talwar, S. (2011). *Development induced displacement, rehabilitation and resettlement in India: current issues and challenges*. London: Routledge. 11. Gadgil, M., & Guha, R. (1995). *Ecology and Equity: The Use and Abuse of Nature in Contemporary India*. London: Routledge.
3	ई-संसाधन	

1.पाठ्यचर्या का नाम: **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
Name of the Course: Concurrent field Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: **MSWP 04**

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	4
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	26
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

- **चतुर्थ** सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **7 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **14 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। **चतुर्थ सेमेस्टर में 30 दिनों** का समवर्ती क्षेत्र किया जाना आवश्यक है। इस प्रकार **चतुर्थ सेमेस्टर** में क्षेत्र कार्य अभ्यास **210 घंटे** आयोजित किया जायगा। प्रत्येक छात्र जो भी संबंधित संस्था में अभ्यास करेंगे उन्हें उक्त संस्था से एक पर्यवेक्षक दिया जाएगा साथ ही महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा भी पर्यवेक्षण शिक्षक नियुक्त किया जाएगा। संबंधित संस्था एवं केंद्र से प्रदान पर्यवेक्षक द्वारा क्षेत्र कार्य अभ्यास में पर्यवेक्षण किया जाएगा। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **दो वैयक्तिक कार्य** एवं **एक समूह कार्य** का अभ्यास उक्त संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा।
- **चतुर्थ सेमेस्टर के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास विद्यार्थी को ऐसी संस्था में करना आवश्यक होगा जोकि छात्र द्वारा चयन किए गए विशेषज्ञता वाले विषय से संबंधित होगी।**

  नोट: सामुदायिक विकास विशेषज्ञता विद्यार्थियों को वैयक्तिक कार्य करना अनिवार्य नहीं होगा उसकी जगह उनको आवंटित समुदाय में चार सामाजिक समस्याओ की पहचान कर उस पर कार्य करना अनिवार्य होगा साथ ही सामुदायिक संघठन प्रयोग भी अनिवार्य होगा। चिकित्सा और मनोचिकित्सीय विशेषज्ञता विद्यार्थियों को एक सेमेस्टर चिकित्सा उन्मुख संस्था में क्षेत्र करना एवं दूसरे सेमेस्टर मनोरोग उन्मुख संस्था में क्षेत्र करना अनिवार्य होगा।

- प्रत्येक छात्र के क्षेत्र कार्य से संबंधित कम से कम **25 मिनट** का साप्ताहिक व्यक्तिगत सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए छात्रों के समूह सम्मेलन का भी संचालन कर सकता है। छात्र की जबावदारी होगी कि वह ऐसे व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के अभिलेख (Record) तैयार रखे। प्रत्येक सप्ताह में एक दिन संभवतः सोमवार को सप्ताह का क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा एवं सप्ताह में एक दिन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक साथ समूह सम्मेलन करना अनिवार्य होगा (यह दिन विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की सुविधा नुसार तय होगा) साथ ही जरुरत पड़ने पर वैयक्तिक सम्मेलन विद्यार्थी आवंटित क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से करना अपेक्षित है। साथ ही दो सप्ताह में कम से कम एक बार मिश्रित सम्मेलन का भी आयोजन क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। मिश्रित सम्मेलन में क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक, संस्था पर्यवेक्षक एवं विधार्थी उपस्थित होंगे। क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन में जर्नल, व्यक्ति सहाय कार्य फाइल, समूह कार्य फाइल, क्षेत्र कार्य उपस्थिति पंजिका, सम्मेलन उपस्थिति पंजिका, एवं संस्था एवं समुदाय प्रोफाइल सम्मिलित होंगे।

- समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर के अंत में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के लिए उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इस तरह की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एक **आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक** द्वारा संचालित की जाएगी। बाह्य परीक्षक की नियुक्ति महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी के निदेशक द्वारा किया जाएगा। जो भी छात्र क्षेत्र कार्य अभ्यास की आंतरिक परीक्षा में **अनुपस्थिति रहेंगे या असफल (Fail) हो जाएगें,** आगामी सेमेस्टर में प्रोन्नति का पात्र नहीं होगा।

लघु शोध प्रबंध

- **परिचय (Introduction) :** चतुर्थ सेमेस्टर में विद्यार्थी को लघु शोध प्रबंध जमा करना अनिवार्य होगा। यह घटक विद्यार्थी को सीखने, उपयोग करने, मूल्यांकन करने, व्यवस्थित करने और सेवाओं को विकसित करने और सुधारने के लिए लघु शोध परियोजना के रूप में तैयार करता है। इस गतिविधी के माध्यम से विद्यार्थी में समाज कार्य के क्षेत्र में शोध(Research) संबंधी कौशल का विकास किया जाता हैं। चतुर्थ छहमाही में लघु शोध प्रबंध का तथ्य संकलन, प्रक्रियन एवं प्रतिवेदन लेखन करना अनिवार्य होगा।
- **उद्देश्य:** इस गतिविधी का मुख्य उद्धेश्य अनुसंधान कौशल विकसित करना है साथ ही चर और संकेतकों के अन्वेषण से संबंधित अभ्यास; नमूनाकरण: डेटा एकत्र करने के लिए सरल उपकरण तैयार करना; साक्षात्कार; अवलोकन; प्रतिक्रियाओं और टिप्पणियों की रिकॉर्डिंग; डेटा की कोडिंग; सरल सांख्यिकीय उपकरण, ग्रंथ सूची और रिपोर्ट लेखन के डेटा उपयोग की चित्रमय और सारणीबद्ध प्रस्तुति करना है।

अनुसंधान परियोजना के लिए विस्तृत दिशानिर्देश:

- प्रत्येक छात्र एक शोध परियोजना पर काम करेगा।
- प्रत्येक छात्र अनुसंधान परियोजना का अनुमोदन अनुमोदित संकाय पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा।
- अनुसंधान परियोजना महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र द्वारा निर्धारित समाज कार्य अभ्यास दिनों में आयोजित की जाएगी।
- अनुसंधान **परियोजना का विषय कोर डोमेन, सहायक डोमेन, अंत:विषय डोमेन और** सामाजिक कार्य शिक्षा के वैकल्पिक डोमेन के तहत संकेतित व्यापक क्षेत्रों से संबंधित होना चाहिए।
- अनुसंधान परियोजना की **3 प्रतियां** चतुर्थ सेमेस्टर अवधि के अंत के दस दिनों से पहले केंद्र को शोध निदेशक के द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों के लिए विद्यार्थियों में जोखिम उठाना और जिम्मेदारी लेने के प्रति विद्यार्थी प्रोत्साहित होंगे।
- एक संरचित कार्यक्रम व्यवस्था में व्यक्तियों और समूहों के साथ कार्य करने के लिए विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास होगा।
- एजेंसियों और संगठनों द्वारा दिए जा रहे जन कल्याण और जन हित सेवाओं की व्यापक जानकारी मिलेगी।
- विद्यार्थियों में नैतिकता और मानवीय मूल्यों के निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं स्तर बढ़ेगा।
- क्षेत्र कार्य अभ्यास एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों के प्रतिवेदन पुनरावलोकन के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण होगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	13.33
मॉड्यूल-2	संस्था भ्रमण (कुल 5)					
मॉड्यूल-3	समवर्ती क्षेत्र कार्य			20	20	66.66
मॉड्यूल-4	वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मलेन			5	5	16.66
मॉड्यूल-5--	मौखिकी			1	1	3.33
योग		**4**		**86**	**90**	**100.00**

***** समवर्ती क्षेत्र कार्य दौरान तिन वैयक्तिक सेवा कार्य एक सामाजिक समूह कार्य एवं एक समुदाय संगठन अभ्यास अनिवार्य होगा।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जन हितों और जरूरतों, और जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित सेवाओं की विविधताओं की गहराई से समझना।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने में ज्ञान और दक्षता निर्माण करना।	कार्यों के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर, साथ ही साथ मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण करना।	फील्डवर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	36
कौशल विकास गतिविधियाँ	20
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य एवं मौखिकी
Name of the Course: Dissertation and Viva

2. पाठ्यचर्या का कोड : MSWD 01
3. क्रेडिट : 4
4. सेमेस्टर : चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

सेमेस्टर के दौरान थ्योरी पेपर और सोशल वर्क प्रैक्टिकम के अलावा, प्रत्येक छात्र को एक स्वतंत्र शोध कार्य करने और प्राथमिक डेटा पर आधारित परियोजना कार्य तैयार करने की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित परियोजना कार्य का विषय विद्यार्थी द्वारा चुने गए विशेषज्ञता समूह के अनुरूप होगा। परियोजना कार्य के विषय को विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रत्येक विद्यार्थी को केंद्र से सामाजिक विज्ञान के अनुमोदित संकाय सदस्य द्वारा उनके परियोजना कार्य में पर्यवेक्षण किया जाएगा। प्रत्येक छात्र के परियोजना कार्य से संबंधित पिरिओडिक व्यक्तिगत सम्मेलन अनुसंधान पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए विद्यार्थियों का समूह सम्मेलन भी आयोजित कर सकता है।

प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य के संदर्भ में आयोजित कक्षा प्रस्तुतियों में भाग लेना आवश्यक होगा। कक्षा में प्रस्तुतियाँ, असाइनमेंट अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान द्वारा विकसित किए जा रहे अनुसंधान के उपकरणों से संबंधित होंगे। जो विद्यार्थी इस कक्षा प्रस्तुतियों में भाग लेने में विफल रहेंगे, वह इस गतिविधि के लिए चिन्हित/निश्चित किए गए अंकों को खो देंगे।

परियोजना कार्य मात्रात्मक अनुसंधान विधियों पर आधारित होगा। हालांकि, कुछ मामलों में मिश्रित-मैथड दृष्टिकोण, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा दोनों का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी। मात्रात्मक अनुसंधान करते समय छात्र को प्रतिनिधिक नमूना (sampling) चयन करना होगा। दो वर्षीय मास्टर ऑफ सोशल वर्क कोर्स के चौथे सेमेस्टर के दौरान कुल 04 क्रेडिट परियोजना कार्य के लिए आवंटित है।

चौथे सेमेस्टर में उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थियों को परियोजना कार्य उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। जो विद्यार्थी परियोजना कार्य में असफल होते हैं, उन्हें चौथे सेमेस्टर में पास होने के लिए परियोजना कार्य को दोहराना तथा पास करना आवश्यक होगा।

चौथे सेमेस्टर के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए परियोजना कार्य के मूल्यांकन हेतु मौखिकी के लिए उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। इस मौखिकी को विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा संचालित किया जाएगा। जो विद्यार्थी बाह्य परीक्षक द्वारा संचालित मौखिकी के लिए अनुपस्थित रहेगा, वह चौथे सेमेस्टर को पास करने के लिए पात्र नहीं होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

- अनुसंधान विधि एवं प्रक्रिया की व्यवहारिक समझ विकसित होगी।
- समाज कार्य विधि के रूप में समाजकार्य अनुसंधान की समझ विकसित होगी।
- तथ्य संकलन एवं प्रक्रियन संबंधी कौशल की प्राप्ति होगी।
- तथ्य विश्लेषण एवं निर्वाचन कौशल की प्राप्ति होगी।
- अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन कौशल का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	कार्यशाला			20	20	33.33
मॉड्यूल-3	क्षेत्र कार्य (तथ्य संकलन)			25	25	41.66
मॉड्यूल-4	तथ्य प्रक्रियन एवं प्रतिवेदन लेखन			10	10	16.66
मॉड्यूल-5--	मौखिकी			1	1	1.66
योग		**4**		**56**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	अनुसंधान विधि एवं प्रक्रिया की व्यवहारिक समझ विकसित करना।	समाज कार्यविधि के रूप में समाजकार्य अनुसंधान की समझ विकसित करना।	तथ्य संकलन एवं प्रक्रियन संबंधी कौशल निर्मित करना।	तथ्य विश्लेषण एवं निर्वाचन कौशल निर्मित करना।	अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन कौशल निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (50%)	मौखिकी (25%)
घटक	व्यक्तिगत सम्मेलन में सतत मूल्यांकन	क्षेत्र कार्य उपस्थिती	परियोजना कार्य संबंधी प्रस्तुतियाँ*	परियोजना प्रस्ताव#	परियोजना कार्य प्रतिवेदन	बाह्य विशेषज्ञ द्वारा संचालित
निर्धारित अंक	05	05	07	08	50	25
पूर्णांक	**25**				**50**	**25**

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (75%)			मौखिकी (25%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	25%	50%	**25%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Adelman, C. (1993). Kurt Lewin and the origins of action research. *Educational Action Research, 1,* 7-24. Adler, E. S., & Clark, R. (2008). How it's done: An invitation to social research (3rd ed.). Belmont, CA: Thomson Wadsworth Agar, M., & MacDonald, J. (1995). Focus groups and ethnography. *Human Organization, 54*,78–86 Alexander, B. (2010). Addiction: The view from rat park. Retrieved from: http://www.brucekalexander.com/articles-speeches/rat-park/148-addiction-the-view-from-rat-park Allen, K. R., Kaestle, C. E., & Goldberg, A. E. (2011). More than just a punctuation mark: How boys and young men learn about menstruation. *Journal of Family Issues, 32,* 129–156. Arnold, D. S., O'Leary, S. G., Wolff, L. S., & Acker, M. M. (1993). The parenting scale: A measure of dysfunctional parenting in discipline situations. *American Psychological Association, 5*, 137–144 Babbie, E. (2010). The practice of social research (12th ed.). Belmont, CA: Wadsworth Baicker, K., Taubman, S. L., Allen, H. L., Bernstein, M., Gruber, J. H., Newhouse, J. P., … & Finkelstein, A. N. (2013). The Oregon experiment—effects of Medicaid on clinical outcomes. *New England Journal of Medicine, 368*, 1713-1722

		Berger, P. L., & Luckman, T. (1966). *The social construction of reality: A treatise in the sociology of knowledge*. New York, NY: Doubleday. Best, S., & Kellner, D. (1991). *Postmodern theory: Critical interrogations*. New York, NY: Guilford. Bode, K. (2017, January 26). One more time with feeling: 'Anonymized' user data not really anonymous. *Techdirt*. Retrieved from: https://www.techdirt.com/articles/20170123/08125136548/one-more-time-with-feeling-anonymized-user-data-not-really-anonymous.shtml Broderick, C.B. (1971). Beyond the five conceptual frameworks: A decade of development in family theory. *Journal of Marriage and Family, 33*(1), 139-159. Bronfenbrenner, U. (1986). Ecology of the family as a context for human development: Research perspectives. *Developmental Psychology, 22*, 723-742. Burnett, D. (2012). Inscribing knowledge: Writing research in social work. In W. Green & B. L. Simon (Eds.), *The Columbia guide to social work writing* (pp. 65-82). New York, NY: Columbia University Press. Burns, G. L., & Patterson, D. R. (1990). Conduct problem behaviors in a stratified random sample of children and adolescents: New standardization data on Eyberg Child Behavior Inventory. *Psychological Assessments, 2*, 391–397 Calhoun, C., Gerteis, J., Moody, J., Pfaff, S., & Virk, I. (Eds.). (2007). *Classical sociological theory* (2nd ed.). Malden, MA: Blackwell. Campbell, D., & Stanley, J. (1963). *Experimental and quasi-experimental designs for research*. Chicago, IL: Rand McNally Charmaz, K. (2006). *Constructing grounded theory: A practical guide through qualitative analysis*. Thousand Oaks, CA: Sage Cheung, J. C. S. (2016). Researching practice wisdom in social work. Journal of Social Intervention: *Theory and Practice, 25*(3), 24-38
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**https://www.jstor.org/** Bhattacherjee, A. (2012). *Social science research: Principles, methods, and practices*. Textbook Collection. Retrieved from http://scholarcommons.usf.edu/oa_textbooks/3 https://uta.pressbooks.pub/foundationsofsocialworkresearch/back-matter/bibliography/

1. **पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक विधान और सामाजिक न्याय**
(Name of the Course) : Social Legislation and Social Justice
2. **पाठ्यचर्या का कोड: MSW 15**
3. **क्रेडिट:** 4
4. **सेमेस्टर: चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संबंधित कार्य हेतु अतिरिक्त घंटे आरक्षित हैं।
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाज कार्य व्यवसाय सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है और इसका उद्देश्य संरचनात्मक असमानताओं को कम करना है। यह पाठ्यक्रम समाज में निहित भेदभाव, असमानता, शोषण और उत्पीड़न की प्रकृति से परिचित करता है। यह विद्यार्थियों में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय के महत्त्वपूर्ण को समझने में मदद करता है। यह सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के मुद्दे को समझने की क्षमता को बढ़ाता है। यह पाठ्यक्रम सरकार द्वारा निर्धारित सामाजिक कानून से परिचित करता है और सामाजिक विधान के उचित प्रभाव तथा उसके कार्यान्वयन के परिमाण से सामाजिक पुनर्रचना के स्वरूप को रेखांकित करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- सामाजिक न्याय के प्रति विभिन्न दृष्टिकोणों और सैद्धांतिक समझ विकसित करेगा।
- समाज के हाशिए वर्गों को सशक्त करने के लिए सामाजिक विधान को लागू करवाने में मदद करेगा।
- सामाजिक न्याय की प्राप्ति और मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए संस्थागत तंत्र के महत्व को समझेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक न्याय की अवधारणा और मानवधिकार**	1. **सामाजिक न्याय और मानव अधिकारों का आयाम:** सामाजिक न्याय: दर्शन, अवधारणा और आयाम	3	1		12	20.00
	2. **समाज कार्य व्यवसाय के मूल मूल्य** : समाज कार्य व्यवसाय के मूल मूल्य के रूप में सामाजिक न्याय	3	1	1		
	3. सामाजिक न्याय के आधार : सामाजिक न्याय, सकारात्मक और सुरक्षात्मक भेदभाव का संवैधानिक आधार	2	1			
मॉड्यूल-2 **सामाजिक न्याय के मुद्दे एवं प्रभावित वर्ग**	**1. सीमांकन और सामाजिक न्याय मुद्दे** भारतीय संदर्भ में सामाजिक अन्याय की अभिव्यक्ति: बहिष्करण, उत्पीड़न और हाशिए का समाज एवं भारतीय समाज में सीमांत समूह: ओबीसी, एससी / एसटी, अल्पसंख्यक	3	1		13	21.66
	2. व्यवसाय और कमजोर समूह : विकलांगता वाले व्यक्ति, बाल श्रमिक, घरेलू कामगार, मैनुअल मैला ढोने वाले, बंधुआ मजदूर और प्रवासी श्रमिक	3	1	1		
	3. सामाजिक न्याय और सामाजिक विधान : मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, 1948, नागरिक तथा राजनीतिक आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि	3	1			

मॉड्यूल-3 **वैश्विक प्रणाली** एवं **सामाजिक न्याय के लिए राष्ट्रीय संस्थान**	**1. वैश्विक प्रणाली** : संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार उपकरण बच्चों और महिलाओं के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ वाचा और प्रोटोकॉल एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एजेंसियां: एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच	2	1	1	10	16.66
	2. सामाजिक न्याय के लिए राष्ट्रीय संस्थान : भारतीय कानूनी प्रणाली और समाज के हाशिए वाले हिस्से की सुरक्षा - मामले के चित्र, न्याय के लिए सांविधिक निकाय - **NHRC, NCW, NCM, NC for SC / ST, OBC,** अल्पसंख्यक एवं कानूनी और सार्वजनिक वकालत, जनहित याचिका, कानूनी साक्षरता, मुफ्त कानूनी सहायता, आरटीआई	2	1			
	3. भारतीय संविधान प्रावधान मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व और मौलिक कर्तव्य	2	1			
मॉड्यूल-4 **सामाजिक न्याय और समाज कार्य हस्तक्षेप**	**1. सामाजिक न्याय और मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य के लिए समाज कार्यअभ्यास:** समाज कार्य अभ्यास के लिए सशक्तिकरण और मुक्तिवादी दृष्टिकोण, समाज कार्य अभ्यास में मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य: जातीय संवेदनशील अभ्यास, नारीवादी अभ्यास, विविध समूहों के साथ समाज कार्य एवं व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए आचार संहिता	3	1		13	21.66
	2. मानवाधिकारों का गैर-न्यायिक प्रवर्तन: मानवाधिकार निगरानी और रिपोर्टिंग, मानवीय हस्तक्षेप, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और मानव अधिकारों की सुरक्षा के लिए समाज के विभिन्न कमजोर समूहों के लिए उपलब्ध संस्थागत तंत्र का मूल्यांकन	3	1	1		
	3. महिलाओं एवं बच्चों संबंधी विधान : विवाह, संपत्ति, सुरक्षा, हिंसा, यौन हिंसा, अधिकार आदि से संबंधित विधान	3	1			
मॉड्यूल-5 **सामाजिक सुरक्षा एवं विधान**	**1. सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक सहायता विधान** : सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक सहायता संबंधी विभिन्न अधिनियम	2	1		12	20.00
	2. विकलांगता और स्वास्थ्य विधान : विकलांगता और स्वास्थ्य संबंधी अधिनियम	6	2	1		
	3. अल्पसंख्यक वर्ग विधान : अल्पसंख्यक वर्ग संबंधी अधिनियम					
योग		**40**	**15**	**5**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या आधारित अभिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि और विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फ्लिप्ड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपन (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लिकेशन, सेल्फ लर्निंग
उपादान	खुली परिचर्चा, परियोजना, प्रोजेक्टर, सामयिक घटना एवं तर्क

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को समझना।	समाज में विद्यमान संरचनात्मक बाधाओं, असमानताओं और प्रणालीगत परिवर्तनों की पहचान करना।	समाज के विभिन्न कमजोर समूहों के संरक्षण के लिए उपलब्ध कानूनी तंत्र प्रणाली को जानना करना।	कमजोर समूहों और हाशिए के समुदायों के अधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी हस्तक्षेपों को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Krishna, P. S. (2017). *Social exclusion and justice in India*. Taylor & Francis 2. Jodhka, S. S. (2015). *Caste in contemporary India*. New Delhi: Routledge. 3. Kummitha, R. (2015). Social exclusion: The European concept for Indian social reality, social change. *Sage Journal, 45*(1) 1–23 4. Singh, A. K. (2014). *Human rights and social justice*. VL Media Solutions, India 5. Sandel, M. J. (2010). *Justice: What's the right thing to do*? Farrar, Straus and Giroux, Reprint edition 6. Clayton, M., & Williams, A. (eds.) (2004). *Social justice*. Oxford: Blackwell Publishers 7. CDHR (2004). *The right to development: A primer, centre for development of human rights.* New Delhi: Sage Publications. 8. Janusz, S. (2003). *New dimensions and challenges for human rights*(ed). Manual on Human Rights (UNESCO publishing). Rawat Publication. 9. Reichert, E. (2003). *Social work and human rights: A foundation for policy and practice.* New York: Columbia University press 10. Baxi, U. (2002). *The future of human rights.* New Delhi: Oxford University press. 11. Ife, J. (2001). *Human rights and social work: Towards rights-based practice*. UK: Cambridge University Press 12. Chandra, A. (2000). *Human rights activism and role of NGO's.* Delhi: Rajat Publications. 13. Bakshi, P. M.(1999). *The constitution of India*. Delhi: Universal law Publishing Co. Pvt. Ltd 14. Nirmal, C. J. (1999). *Human rights in Iindia – Historical, social and political*

		perspectives. Delhi: Oxford University Press 15. Pereira, W. (1997). *Inhuman rights: The western system and global human rights abuse.* Goa: The Other India Press 16. Hebsur, R. K. (ed.) (1996). *Social interventions for social justice.* Bombay: Tata Institute of Social Sciences 17. Hutchison, J. L. et al. (1993). The process of empowerment: implications for theory and practice. *Canadian Journal of Community Mental Health, 12*,1, Spring 1993, Pages 5-22.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Singh, A. K. (2014). *Human rights and social justice.* VL Media Solutions, India 2. David, G. (2013). *Confronting injustice and oppression: concepts and strategies for social workers* (Foundations of Social Work Knowledge Series) 3. Lorenzetti, L. (2013). Developing a cohesive emancipatory social work identity: Risking an act of love. *Critical Social Work,14*, 2. 4. Alternate Report (NCDHR) (2008). *The implementation of international covenant on economic, social and cultural rights* (A Periodic Report Submitted by the State Parties under Articles 16 and 17 of the Covenant 5. Bandyopadhyay, M. (2006). Education of marginalised groups in India: From the perspective of social justice. *Social Change, 36*, 2. 6. Jansson, B. S. (2002). *Becoming an effective policy advocate: From policy practice to social justice*. Wadsworth Publishing. 7. Stigletz, J. (2002). *Globalization and its discontent*. London Penguin. 8. Rehman, K. (2002). *Human rights and the deprived*. New Delhi: Commonwealth publishers 9. Mohapatra, A. R. (2001). *Public interest litigation and human rights in India*. New Delhi: Radha publications. 10. Janusz, S., & Volodin, V. (ed.) (2001). *A guide to human rights: institutions, standards, procedures.* Paris: UNESCO Publishing. 11. Borgohain, B. (1999). *Human rights – Social justice and political challenges.* New Delhi: Kanishka Publishers 12. Nirmal, C. J. (1999). *Human rights in India – historical, social and political perspectives.* Delhi: Oxford University 13. Ahuja, S. (1997). *People, law and justice: casebook on public interest litigation*. New Delhi: Orient Longman. 14. International Federation of Social Workers. (1994). *Human rights and social work: A manual for schools of social work and the social work profession*. Berne: International Federation of Social Workers 15. United Nations. (1992). *Human rights: Teaching and learning about human rights.* New York: United Nations. 16. Kothari, S., & Sethi, H. (ed.) (1991). *Rethinking human rights – Challenges for theory and action.* New Delhi: Lokayan Publications. 17. Beteille, A. (1981). *The backward classes and the new social order*. New Delhi: Oxford University Press. 18. Iyer, V. R. K. (1984). *Justice in words and justice in deed for depressed classes*. New Delhi: Indian Social Institute. 19. Nair, T. K. (1975). *Social work education and development of weaker sections.* Madras: Association of School of Social Work in India.
3	ई-संसाधन	1. Human Rights and Social Justice available at file:///C:/Users/user%205/Downloads/laws-06-00007.pdf 2. Meckled- Garcia.S , Human rights or social justice? Rescuing human rights from the outcomes https://www.ucl.ac.uk/political-science/publications/downloads/SPP_WP_30_ Saladin_Meckled-Garcia.pdf 3. The International Forum for Social Development ,Social Justice in an Open World

		The Role of the United Nations , http://www.un.org/esa/socdev/documents/ifsd/SocialJustice.pdf 4. Social Justice, Rights, and Dignity: A Call for a Critical Feminist Framework available at http://www.trudeaufoundation.ca/sites/default/files/human_rights_and_dignity-en.pdf 5. Issues of Social Justice: Rights and Freedom, available at http://www.delhihighcourt.nic.in/library/articles/Issues%20of%20social%20justice%20-%20rights%20and%20freedom.pdf 6. Human Rights in India Status Report 2012, available at http://wghr.org/wp-content/uploads/2013/07/Human-Rights-in-India-Status-Report-2012.pdf

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. केंद्र के उद्देश्य (Objectives of the University)

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। देश के प्रचलित मानकों के साथ चल रहा समाज कार्य पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौति के रूप में गांधी-मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वाबलंबन की सीख देता है। यह पाठ्यक्रम शास्त्रीय अध्ययन मात्र नहीं बल्कि कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है। जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो पाती है। केन्द्र अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से ऐसे सुप्रशिक्षित विद्यार्थियों को तैयार करने को प्रयत्नशील है जो अकादमिक एवं व्यावहारिक तौर पर समाज के तमाम अन्यायों एवं शोषण के प्रति आवाज मुखर करते हुए हस्तक्षेप कर सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का निर्माण कर सके। केंद्र प्रचलित समाज कार्य के पठन-पाठन में एक सशक्त हस्तक्षेप करते हुए ऐसे मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने का प्रयास कर देगा जो समाज से सह संवेदी होते हुए समाज कार्य की नई प्रविधि एवं दृष्टिकोणों की खोज कर सकें साथ ही ऐसा करते हुए अद्यतन तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से समाज के साथ अपने ज्ञानोत्पादन को सच्चा कर सकें।

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगाहै :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme)- पी.एच.डी (समाज कार्य) • स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme)- एम.एस.डब्ल्यू • स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)- बी.एस.डब्ल्यू
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	प्रत्येक कार्यक्रमों में अनिवार्य क्षेत्र कार्य व्यवहार एवं प्रशिक्षण।
शोध Research	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme) भारतीय समाज कार्य/ देशज प्रयोग विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ मनोसामाजिक समस्याएँ

	सामाजिक विकास पर्यावरण एवं विकास
	शोध-परियोजना (Research Project) किसान आत्महत्या/ सामजिक पूँजी किसान ऋणग्रस्तता/वित्तीय प्रबंधन विमुक्त जनजातियों से संबंधित पक्ष राष्ट्र-राज्य की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	प्रकाशन/ व्याख्यान/ संगोष्ठी/ कार्यक्रमों का आयोजन
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	• भारतीय समाज कार्य/ देशज प्रयोग • समाज कार्य रीडर • समाज कार्य के नए आयाम • विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शोध • समाज कार्य हतस्क्षेप

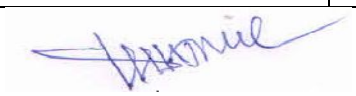

Prof. Manoj Kumar